



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 11, 1980 (आश्विन 19, 1902)  
No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1980 (ASVINA 19, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और भारतीय रेलवे आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

बिवेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की सम-संबंधिक अधिसूचना दिनांक 21-6-1980 के अधिक्रमण में महालेखाकार, उड़ीसा के लेखा अधिकारी श्री बी० रामाचन्द्रन को 13-7-1980 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रधानमंत्री द्वारा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गई है। श्री रामचन्द्रन उपर्युक्त अवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति (इमूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

एस० सी० जैन  
अनुभाग अधिकारी  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—110003, दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० ए० 11/12/80—श्री बी० आर० दलबी, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, निदेशालय, प्रवर्तन बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय को प्रवर्तन निदेशालय, बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-7-80 (आपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जासा है।

श्री० सी० मण्डल  
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

बैंक नोट मुद्रणालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1980

I

सं० एफ०-2/33/80-इस्ट (सो० आर० पी० एफ०) (पर्स-IV)—राष्ट्रपति, भारत-तिक्त सीमा पुलिस के महानिदेशक, श्री आर० एन० शिवपुरी, आई० पी० एस० (य० पी० 1948) को 3 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से आगले आदेशों तक, अपने वर्तमान कार्यभार के प्रतिरिक्षण केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए नियुक्त करते हैं।

II

श्री धीरबल नाथ, आई० पी० एस० (पंजाब 1950) ने श्री आर० एन० शिवपुरी द्वारा कार्यभार से मुक्त किए जाने पर 3 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद  
निदेशक

स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं० 15014/77-स्थापना—भारत सरकार की सेवा में अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति के फलस्वरूप, श्री प्रताप सिंह, आ० पु० से० (एस० पी० एस०-आ० प्र०) ने, स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के सहायक निदेशक का कार्यभार दिनांक 15-9-1980 के अपराह्न को छोड़ा।

बी० के० राम  
निदेशक

वित्त मंत्रालय

प्रतिभूति कांगड़ कारब्बाना

होशंगाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० 7(53)/6013—इस कार्यालय के दिनांक 24/6/80 की अधिसूचना क्रमांक ई०/1/3268 के तारतम्य में श्री बी० आर० बरमैया, फोरमैन (विश्वत) की तर्द्ध रूप से की यह नियुक्ति 31/12/1980 अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाय, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिए बढ़ाई जासी है।

म० रा० पाठक,  
महाप्रबन्धक

देवास, दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की सम-संस्करण अधिसूचना दिनांक 30-7-80 के अनुक्रम में निम्न-लिखित अधिकारियों की तर्द्ध नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्बन्ध दर्शायी गई तिथि तक प्रथमा पद पर नियमित नियुक्त होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है:—

क्र० सं०	नाम	पद जिस पर तर्द्ध नियुक्ति की गई	दिनांक जब तक तर्द्ध नियुक्ति बढ़ाई गई
-------------	-----	------------------------------------	--

सर्वश्री

1. एम० पोष्टुराई	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण व प्लेट निर्माण)	30-9-80
2. डी० आर० कोंडावर	—यथा—	—यथा—
3. बाई० जनार्धन राव	—यथा—	—यथा—
4. समरेन्द्र दास	—यथा—	—यथा—
5. राम पाल सिंह	—यथा—	—यथा—
6. बी० वेंकटरमणी	—यथा—	—यथा—
7. एन० आर० जयरामन	—यथा—	21-8-80
8. मृदुल दत्ता	तकनीकी अधि- कारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)	30-9-80

म० बी० चार,  
उप महाप्रबन्धक

भारतीय सेवा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1980

सं० प्रशासन-१/का०आ०-५-६/७९-८०/२७६—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व आगे आदेश होने तक, इस कार्यालय के निम्नसिद्धि स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, उनके

सामने लिखित तिथि से स्थानापन्न रूप में लेखापरीक्षा प्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	पद पर नियुक्ति की तिथि
सं०		
	सर्वश्री	
1.	ज्ञान चन्द जैन (प्रति- नियुक्ति पर)	पदोन्नति इन के प्रतिनियुक्ति से इस कार्यालय में वापस आने की तिथि से की जाएगी।
2.	पी० एस० गम्भीर (प्रति- नियुक्ति पर)	
3.	पी० डी० अग्रवाल (प्रति- नियुक्ति पर)	
4.	आर० सी० बट्टा	4-9-1980 (प्रपराह्न)

विष्णु सहाय  
'संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार, गुजरात का कार्यालय  
महामदवाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० स्था०(क) जी० औ०/1046—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

1. श्री आर० पार्थसारथि—30-8-1980 (पूर्वाह्न)
2. श्री के० वेंकटरामन—,,,,

उपर्युक्त पदोन्नतियाँ तदर्थ आधार पर और 1980 के विशेष दीवानी (सिविल) आवेदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अंतिम आदेशों की प्रक्रिया की शर्तों पर की जाती हैं।

प्र० कृष्ण राव

उप महालेखाकार (प्रशासन)  
महालेखाकार गुजरात, महामदवाबाद

### रक्षा लेखा विभाग

#### कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, विनांक 19 सितम्बर 1980

सं० 23012/80/प्रशा०-II—रक्षा लेखा महा नियंत्रक, निम्नलिखित, स्थायी अनुभाग प्रधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तिथि के पूर्वाह्न से, मूल पदधारी लेखाधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	संगठन जहां सेवारत हैं	तारीख
सं०			
1	2	3	4
1.	श्री महेन्द्र सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-1-77
2.	श्री राम कृष्ण शर्मा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	11-1-77
3.	श्री एम० बाला सुश्रमनियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
4.	श्री सत्य प्रकाश सोनी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान मेरठ	1-1-80
5.	श्री एल० सी० सचदेवा	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-1-80
6.	श्री एच० एस० हरिहरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
7.	श्री एस० अरुणाचलम	रक्षा लेखा नियंत्रक, प्रफसर पूर्णे	1-1-80
8.	श्री एल० एस० नारायणन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
9.	श्री एच० एस० कोहली	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
10.	श्री जे० डी० मेहर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ	1-1-80
11.	पी० एम० जान	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
12.	श्री धन्ना राम कालरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
13.	श्री निर्मलचन्द चड्ढा	रक्षा लेखा नियंत्रक, बायु सेना, देहरादून	1-1-80

1	2	3	4
14.	श्री मंजीत सिंह खोहान	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
15.	श्री एम० पी० शर्मा	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, निधि, मेरठ	1-1-80
16.	श्री के० वी० लहरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायुसेना, देहरादून	1-1-80
17.	श्री ई० डी० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
18.	श्री वी० एन० दाते	रक्षा लेखा नियंत्रक अफसर, पुणे	1-1-80
19.	श्री ए० एस० नरसिंहन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
20.	श्री सुरेश चन्द्र गांधी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
21.	श्री राम चरण मेहता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
22.	श्री जे० वी० चम्पानेस्थिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
23.	श्री एस० पोष्टीया	रक्षा लेखा नियंत्रक अफसर, पुणे	1-1-80
24.	श्री मदन मोहन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
25.	श्री के० सी० निरालिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
26.	श्री रतिराम	रक्षा लेखा महा नियंत्रक, नई दिल्ली	1-1-80
27.	श्री महेन्द्र सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	1-1-80
28.	श्री जगज्ञाथ	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
29.	श्री अमृत लाल पुरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
30.	श्री पुरुषोत्तम लाल आटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्यकमान, मेरठ	1-1-80
31.	श्री जी० एस० रामचन्द्रन	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, निधि, मेरठ	1-1-80
32.	श्री सन्तराम सयाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
33.	श्री सत्य देव शर्मा	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, निधि, मेरठ	1-1-80
34.	श्री ओम प्रकाश बोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
35.	श्री एस० जानकी रामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
36.	श्री वर्षपाल लूधरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी मेरठ	1-1-80
37.	श्री टी० के० रामानाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
38.	श्री के० टी० रामानुजाचारी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
39.	श्री वी० जी० दातार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
40.	श्री एस० ई० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
41.	श्री के० वी० रामानन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
42.	श्री टी० एस० माधवन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायुसेना, देहरादून	1-1-80
43.	श्री पूरण सिंह बेदी	लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
44.	श्री पी० एम० एस० सुब्रा राय	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
45.	श्री एम० आर० रामानाथन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
46.	श्री आर० एम० जोशी	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	1-1-80
47.	श्री सुरेन्द्र मोहन मलहोत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
48.	श्री एस० आर० खान	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80

1	2	3	4
49.	श्री बी० वी० बारगांवकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
50.	श्री ए० के० राहा	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
51.	श्री एस० के० लहरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
52.	श्री बी० एन० सरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
53.	श्री पी० के० नारायणस्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
54.	श्री पी० आर० रामासुब्बू	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
55.	श्री बी० एस० वैष्ण	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
56.	श्री डी० सी० जॉन	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
57.	श्री बी० एस० अंडाले	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
58.	श्री एस० रानू	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण मद्रास	1-1-80
59.	श्री ब्रह्म स्वरूप	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
60.	श्री पी० अला जी० राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
61.	श्री अरुण कुमार बसु	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
62.	श्री एच० सी० अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पचिमी कमान, मेरठ	1-1-80
63.	श्री एस० एम० कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
64.	केदार नाथ अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	1-1-80
65.	श्री ए० नटराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज कलकत्ता	1-1-80
66.	श्री बिहारी लाल कपिला	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	1-1-80
67.	श्री ओंकार दत्त शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
68.	श्री आर० सुभामनियन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
69.	श्री धी० शेषाद्रि	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
70.	श्री जी० विश्वनाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
71.	श्री रामजित राव	लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
72.	श्री नित्यानन्द मुखर्जी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
73.	श्री एस० बी० करमरकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
74.	श्री राम कृष्ण शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
75.	श्री राजकुमार कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
76.	श्री श्री मोर्चेराम नागपाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
77.	श्री आर० रंगाराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
78.	श्री जी० एल० मेहता	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
79.	श्री सदानन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
80.	श्री प्राई० आर० त्रिवेदी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
81.	श्री एन० आर० मालगी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
82.	श्री एस० स्वामीनाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
83.	श्री पी० बी० चौधरी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80

1	2	3	4
84.	श्री प्रीतम दास खन्ना	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ	1-1-80
85.	श्री एम० सिसिल यशोदियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
86.	श्री ओम प्रकाश शर्मा	रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली	1-1-80
87.	श्री रेशम सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंगन, इलाहाबाद	1-1-80
88.	श्री एम० विद्यास्वर राव	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
89.	श्री ओम प्रकाश चूध	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
90.	श्री एम० के० एस० एस० राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रेंग) उत्तर, मेरठ	1-1-80
91.	श्री पी० आर० सारंगपाणि	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण मद्रास	1-1-80
92.	श्री खेमराज	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
93.	श्री जी० राम चन्द्रन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
94.	श्री के० बी० मेनन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
95.	श्री एम० एल० मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
96.	श्री सन्तोष कुमार मुखर्जी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
97.	श्री० बी० पट्टाभिरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
98.	श्री एन० के० श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
99.	श्री एस० के० बेरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
100.	श्री जे० बी० सक्सेना	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
101.	श्री के० चन्द्र शेखरन पिल्लै	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
102.	श्री डी० आर० मिठ्ठा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
103.	श्री एम० आर० रजवाड़े	लेखा नियंत्रक फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
104.	श्री एम० के० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक), उत्तर, मेरठ	1-1-80
105.	श्री मदन मोहन पोपली	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि), मेरठ	1-1-80
106.	श्री जी० सी० हसीजा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान मेरठ	1-1-80
107.	श्री आर० एन० दत्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
108.	श्री एस० नागासुद्धामनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
109.	श्री बी० एम० सरकार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
110.	श्री सी० एम० सुब्रामनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
111.	श्री एन० एल० सेन गुप्ता	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
112.	श्री जगन्नाथ बेदी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
113.	श्री एम० पी० तरडे	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
114.	श्री ए० आर० मेहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रेंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
115.	श्री बी० एस० अर्जन वाडकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर पुणे	1-1-80
116.	श्री आर० एन० पटांकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
117.	श्री बी० एन० तिलक	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
118.	श्री के० गणेशन	रक्षा लेखा नियंत्रक (न्यू रेंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80

1	2	3	4
119.	श्री करतार सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
120.	श्री राम शरण	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
121.	श्री डॉ आर० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
122.	श्री काली प्रसाद सेन	लेखा नियंत्रक फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
123.	श्री बी० जी० रानाडे	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
124.	श्री राम किशोरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
125.	श्री जसवन्त सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर मेरठ	1-1-80
126.	श्री डॉ पी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
127.	श्री गुरु बचन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
128.	श्री दलीप सिंह बेवासी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
129.	श्री आर्ह० जे० आटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
130.	पी० संजीवरायूलू	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
131.	श्री एल० आर० बालूटकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
132.	श्री जे० एन० बी० नरसिंह राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
133.	श्री जे० सुभाराव	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
134.	इन्दर कुमार कपिला	रक्षा लेखा नियंत्रक, नी सेना, बम्बई	1-1-80
135.	श्री के० सी० डले	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी) मद्रास	1-1-80
136.	श्री के० आर्ह० गोविन्दन कुट्टिनायर	रक्षा लेखा नियंत्रक, नी सेना, बम्बई	1-1-80
137.	श्री धनराज नारंग	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
138.	श्री एस० विश्वास	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ	1-1-80
139.	श्री मोहम्मद मुमताज अहमद	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
140.	श्री विजय पाल सिंह यादव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
141.	श्री एस० बी० एस० औहान	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
142.	श्री आर० देव सिंगामनी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
143.	श्री के० बी० जोसफ	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
144.	श्री एस० सेवागिरी राव	रक्षा रेखा नियंत्रक, नी सेना, बम्बई	1-1-80
145.	श्री एम० एस० वेंकटरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
146.	श्री के० बी० मुकुमणियम	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
147.	श्री आर० सी० सचदेव	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, उत्तर, मेरठ	1-1-80
148.	श्री बी० बी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
149.	श्री के० एम० रंगस्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
150.	श्री के० वेंकटसुखमनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
151.	श्री बी० एस० निवालकर	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80

1	2	3	4
152.	श्री एन० श्री निवासन-II	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
153.	श्री पी० भी० वेंकटेश्वरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्यम कमान, मेरठ	1-1-80
154.	श्री किशन लाल चुड़ी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
155.	श्री टी० बी० बासुदेवन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	1-1-80
156.	श्री सीताराम बंसल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
157.	श्री पी० एस० रामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
158.	श्री एन० आर० नवीनतम	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
159.	श्री वाई० सत्यानारायण	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
160.	श्री बी० ए० बेलहे	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
161.	श्री रवीन्द्र कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
162.	श्री बासु देव	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
163.	श्री टी० के० चटर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
164.	श्री टी० सी० पाण्डे	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, उत्तर, मेरठ	1-1-80
165.	श्री जी० पी० स्वामीनाथन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
166.	श्री टी० आर० कृष्णमूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
167.	श्री जियालाल बुर्यु	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-1-80
168.	श्री राम नाथ गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
169.	श्री एस० बी० छोड़	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
170.	श्री कृष्ण राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
171.	श्री रमासंकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
172.	श्री तंजपाल सिंह हरीत	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
173.	श्री शिव प्रसाद धुसिमा	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
174.	श्री बंसी लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
175.	श्री बिहारी लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
176.	श्री बालक राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
177.	श्री तुलसी राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
178.	श्री काले सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
179.	श्री महराम सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
180.	श्री अच्युत बल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
181.	श्री हरि चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
182.	श्री अमृत पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80

आर० एल० बुशी,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशान्त)

## रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 62/80-जी०—राष्ट्रपति महोदय, श्री सनसु कुमार  
रथ को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, दिनांक  
16 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्नि) से नियुक्त करते हैं।

बी० के० महता, सहायक महानिदेशक  
आईनेन्स फैक्ट्रीयां

## शम मंत्रालय

(शम व्यूरो)

विमला-171004, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०—अगस्त, 1980 में  
औद्योगिक अभिकर्तों का अधिक्षम भारतीय उच्चकान्दा मुख्य  
सूचकांक (आधार वर्ष 1980=100) जुलाई, 1980 के स्तर  
से तीन बाँक बढ़ कर 397 (तीन सौ सत्तानवे) रहा है।  
अगस्त 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100  
पर परिवर्तित किए जाने पर 483 (चार सौ तिरासी) आया है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,  
संयुक्त निदेशक

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 1-2-80-प्रशा० (राज०) 5478—राष्ट्रपति,  
श्री एम० एम० हल्दर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनु-  
भाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और नियंत्रक,  
आयात-निर्यात को अगला आदेश होने तक, 18 फरवरी, 1980  
(पूर्वाह्नि) से मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली  
में उसी सेवा के वर्ग I में तथा उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
के रूप में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के सिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग I में तथा उप-मुख्य  
नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एम० एम० हल्दर की  
उपर्युक्त नियुक्ति श्री एस० एस० शर्मा एवं अन्य बनाम भारत  
संघ द्वारा उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1979 की रिट  
याचिका नं० 626-630 के अन्तिम निर्णय के प्रधीन है।

3. यह आदेश इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/  
1/2/80-प्रशा० (राज०)/3155, दिनांक 20 मई, 1980 का  
अधिकमण करता है।

मणि नारायण स्वामी,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 6/927/71-प्रशासन (राज०) 5514—सेवा नियूति  
की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय  
कलकत्ता में श्री एस० एन० सेन, नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 31  
जनवरी, 1980 के अपराह्न से उसी कार्यालय में अपने पद का  
कार्यभार छोड़ दिया।

प्र० च० भट्टनागर,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कूते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० 12/379/63-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी,  
लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर के श्री पी० एम० रावल, सहायक  
निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) को दिनांक 21 अगस्त, 1980  
(पूर्वाह्नि) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग),  
नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थं ग्राधार पर उप निदेशक (रसायन)  
के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/87/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी,  
लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में सहायक निदेशक, ग्रेड-I  
(रसायन) श्री मधुरा प्रसाद को दिनांक 30 अगस्त, 1980  
(पूर्वाह्नि) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर  
में तदर्थं ग्राधार पर उप निदेशक (रसायन) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(229)/75-प्रशा० (राज०)—खंड-II—  
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में उत्पादन अधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने पर श्री एस० जी० प्रसाद ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थं सहायक संपादक (हिन्दी) के पद का कार्यभार दिनांक 30 अगस्त, 1980  
(पूर्वाह्नि) से छोड़ दिया।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए० 19018/110/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, श्री एच० श्रीनगेश्वर को दिनांक 14 अगस्त, 1980 (अपराह्न)  
से अगले आदेशों तक, केन्द्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई में उप निदेशक (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर, 1980

सं० ए०-19018/64/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी,  
औद्योगिक विस्तार केन्द्र, भावनगर के श्री ए० एन० गनाना, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) को 30 जून, 1980 पूर्वाह्नि से अगले आदेशों तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, राजकोट में तदर्थं ग्राधार पर उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/435/79-प्रशासन (राज०) —राष्ट्रपतिजी<sup>१</sup> श्री के० एस० नटराजन को दिनांक 21 अगस्त, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/485/80-प्रशासन (राज०) —राष्ट्रपतिजी, योजना आयोग, गोहाटी के श्री ए० के० नियोग, परियोजना मूल्यांकन अधिकारी, (पी० ई० ओ०) को दिनांक 20 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में उपनिदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 1980

सं० 12/450/64-प्रशासन (राज०) —राष्ट्रपति जी, स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (वैद्युत) एवं स्थानापन्थ सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (वैद्युत) श्री ए० सोमसुन्दरम को दिनांक 27 अगस्त, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(III)/75-प्रशासन (राज०) —राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय श्री एस० एम० अग्रवाल, सहायक निदेशक, ग्रेड 2 को दिनांक 27 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (आर्थिक अन्वेषण उत्पादन सूचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/420/79-प्रशासन (राज०) —श्री एवं सांख्यिकी निदेशालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली में श्री एवं सांख्यिकी उप सलाहकार के रूप में नियुक्त होने पर भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड 3 अधिकारी श्री एम० ल० भारद्वाज ने दिनांक 8 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/438/79-प्रशासन (राज०) —राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री आर० एस० पाण्डे को दिनांक 18 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (खाद्य/फल संरक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन अनुभाग-1)  
नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० प्रा /1(1107) कनिष्ठ प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर श्री जैसी राम ने 30-8-1980 के अपराह्न से

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) का पद भार छोड़ दिया।

सं० प्र० 1/1(1157) —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक श्री श्री एम० डी० कुल शेखरम को दिनांक 1-8-80 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में सेवा निवृत्त सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड II श्री पाल जेतियर के स्थान पर नियमित आधार पर स्थानापन्थ सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड I) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री कुलसेखरम को 1-8-80 से दो बर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जायेगा।

दिनांक 18 सितम्बर, 1980

सं० प्र०-1/1(1154) 80—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री मनोहर लाल जे० ताहिल्यानी को दिनांक 28-8-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक, शूर्ति ग्रेड II के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मनोहर लाल जे० ताहिल्यानी की सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड II) के रूप में विषयक पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर होणी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और वर्तमान स्थानापन्थ व्यवस्था के आधार पर भविष्य में उन्हें पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र०-1/1(1156)/80—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री टी० डी० पोटे की दिनांक 1-8-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक ग्रेड II के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में श्री पोटे की पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर होणी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के आधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्थ व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

महेन्द्र किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कुलसेखरम निदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० 6652B/ए०-32014( 1-सहायक वैज्ञानिक)/78-19ए

—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री बी० एम० दत्त को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०—35-880-40-1000-द० रो०—40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्थ कमता में, आगामी आवेश होने तक 30 जून, 1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,  
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० ए०-10012(209)/79-स्थापना ए०—डायरेक्टोरेट जनरल आफ माइन्स सेफटी, धनबाद में डेप्यूटी डायरेक्टर आफ माइन्स सेफटी के पद पर चुनाव होने पर भारतीय खान ब्यूरो के श्री के० आर० रेड्डी, कनिष्ठ खनन इंजीनियर (तदर्थ आधार पर) का नाम इस विभाग से 22-3-1980 के अपराह्न से काट दिया है।

एस० बी० अली,  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० 35-2/80/स्था०—श्री एस० एस० विस्वास राष्ट्रीय एटलस और यूनिटिक मानचित्रण संगठन में 11-9-1980 पूर्वाह्न से प्रशासनिक अधिकारी (समूह व वेतनमान रु० 650-1200) के पद पर सीलिंग रूप से नियुक्त किए जाते हैं।

एस० पी० वासुगुप्त,  
निवेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक सितम्बर 1980

सं० एफ० 92-170/80-स्थापना/15567—डा० विजन कुमार विष्वास को, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के कलकत्ता स्थित

मुख्यालय में सहायक प्राणि वैज्ञानिक (ग्रुप 'बी' वेतनमान रु० 650-1200) के पद पर, प्रस्थाई आधार पर 10 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० के० के० तिवारी,  
निदेशक  
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 2/29/80-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री टी० एन० सिन्हा, मुख्य लिपिक, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ को 28-7-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी तदर्थ आधार पर, आकाशवाणी, एच० पी० टी०, अलीगढ़, के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० 4(43)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री धीरेन्द्र कुमार राभा को आकाशवाणी, गौहाटी में 27-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(64)/80-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी प्रयाग वेदवथी को आकाशवाणी, विजयवाड़ा में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(65)/80 एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० मधुसूदनराव को आकाशवाणी, हैदराबाद में 22-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(66)/80-एस०-एक—महानिदेशक, 'आकाशवाणी', एतद्वारा श्री बी० मिमैया को आकाशवाणी, हैदराबाद में 23-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(76)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एच० बी० कृष्णमूर्ति को आकाशवाणी, मैसूर में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(78)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर० एन० त्यागराजन को आकाशवाणी, मैसूर में 28-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(86)/80—एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री यूसुफ ए० सोंब को आकाशवाणी, पणजी में 28-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 4(30)/80—एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती अच्चना राजकुमार को आकाशवाणी भोपाल में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(46)/80—एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती नैयर सदरुद्धीन को आकाशवाणी, भोपाल में 4-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 सितम्बर 1980

सं० 4(17)/80—एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अरुण मोहन सकट को आकाशवाणी, नई दिल्ली में 30-8-80 से अग्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(39)/80—एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कु० उषा पुरी, को आकाशवाणी, नई दिल्ली में 5-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीष खन्द जयाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए-12020/3/79-एस०-2 —लेखा महानियंत्रक कार्यालय, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नई दिल्ली के निम्नलिखित अधिकारियों को लेखा अधिकारी के पद पर ₹० 840-1200 के वेतनमान में उनके सामने दी गई तिथि से व उनके नामों के आगे उल्लिखित कार्यालयों में उहैं दो वर्षों की अवधि हेतु प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम	कार्य महृण की तारीख	कार्यालय
सं०		3	4
1	2		
1.	श्री राम बाबू	14-7-80 (पूर्वाह्न)	दूरदर्शन विज्ञापन नियंत्रक का कार्यालय, नई दिल्ली।

1	2	3	4
2.	श्री ए० एल० सिंगोल	1-8-80 (पूर्वाह्न)	केन्द्र अभियन्ता का कार्यालय, केन्द्रीय क्रय एवं भंडार, दूरदर्शन, नई दिल्ली।

उपर्युक्त अधिकारियों के वेतन व भत्ते का निवारण वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग), के समय-समय पर संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० 10(24) ₹३/८०, दिनांक 4 मई, 1961 के अनुसार किया जाएगा।

सी० एल० आर्य,  
उपनिदेशक प्रशासन,  
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० ए० 19012/2/80—स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० एम० पथारे को 19 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री-भण्डार डीपू बम्बई में सहायक डिपो मैनेजन के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० ए० 12023/1/80—प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी० के० एम० पिल्ले को 25 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कलावती शरण बाल अस्पताल, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/7/77—(एन० टी० आर० आई०)/प्रशासन-I—श्री आर० पलानीस्वामी ने 22 अगस्त, 1980 अपराह्न को राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर से कनिष्ठ जीवाणु-विज्ञानी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए० 12025/10/79(सी० एल० टी० आर० आई०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० गोपालाकृष्णन को 1 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चिंगलपुर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 सितम्बर 1980

सं० ए० 12026/16/79—(सी० आर० आई०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

के महालेखापाल का कार्यालय शिमला, के अनुभाग अधिकारी श्री सोभा राम काशिय को 29 अगस्त, 1980 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केव्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में सहायक लेखा अधिकारी (फास्टिंग) के पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निवेशक प्रशासन

### ग्रामीण पुजीनिर्माण मंत्रालय

#### विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० ए०-19023/3/78-प्र०-III—सेवा निवृत्ति की आयु पूर्ण करने पर फरीदाबाद में इस निवेशालय के विषयन अधिकारी श्री स्वदेश पाल भसीन तारीख 31-8-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-19023/4/80-प्र०-III—संघ लोकसेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री बी० झी० शेरकर सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I), को इस निवेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 3-7-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

विषयन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री शेरकर ने तारीख 3-7-80 के पूर्वाह्न में नागपुर में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए-19025/25/80-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ब") की संस्तुतियों के अनुसार श्री बी० एल० माथुर वरिष्ठ निरीक्षक को इस निवेशालय के अधीन खण्डवा में तारीख 14-8-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए-19025/32/80-प्र०- —विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को तारीख 11-8-80 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है:—

1. श्री बी० बी० पाटिल
2. श्री सी० बी० सिंह
3. श्री एन० जी० मणि
4. श्री अम्बुज रहीम
5. श्री टी० वेकटेश्वरलू

6. श्री आर० सेलवराज
7. श्री हरदयाल सिंह

दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० ए-19025/51/80-प्र०-III—संघ लोकसेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भरत मूर्ति मेहरोत्ता को इस निवेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 1-8-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० ए-19025/38/80-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को, जो तवर्ध आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 9-8-80 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है:—

1. श्री के० पी० तिथारी
2. श्री बी० एम० हदाऊ

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए० 19026/2/79-प्र०-III—श्री आई० एन० चहाँडे, अनुभाग अधिकारी (के० स० सेवा) की मंजी विनियोजन और डिजाइन केन्द्र नागपुर में प्रतिनियुक्त आधार पर प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति को 5-9-80 से आगे तक और जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनीहार  
निवेशक प्रशासन  
हृते कृषि विषयन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० पी० ए०/61 (2)/80 आर०-IV—परमाणु ऊर्जा विभाग के राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना से स्थानांतरण होने पर, नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना में अर्धस्थायी सब आफीसर श्री राधेश्वर सिंह को, दिनांक 27 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्टेशन आफीसर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 सितम्बर, 1980

सं० बी० ए० आर० सी०/चिकित्सालय/जी०/66—सक्षम अधिकारी, डा० (श्रीमती) पूर्णिमा कृष्णमूर्ती को इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में दिनांक 27 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से 26 सितम्बर, 1980 अपराह्न तक पूर्णतः अस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० बी० ए० आर० सी०/चिकित्सा/एच०/67—सक्षम अधिकारी, डा० (कु०) सावंत ऊरा रघुनाथ को इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में दिनांक 18 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से 15 नवम्बर, 1980 अपराह्न तक पूर्णतः अस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० बीक्षित,  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० एम०/1921/एफएसएस/स्था० 11-नियंत्रक—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री आर० पी० मलहोत्रा अस्थाई स्टेशन आफीसर द्वारा इस अनुसंधान केन्द्र में प्रदत्त सेवाओं से दिये गये त्यागपत्र को 5-7-1980 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास-6, दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० एम आर पी य०/200(18)/80—प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 28 अप्रैल, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, अस्थाई भंडारी श्री बी० दण्डपानी की सहायक भंडार अधिकारी के रूप में नियुक्ति की अवधि को 9 मई, 1980 तक बढ़ाया जाता है।

सं० एम आर पी य०/200(150)/80—प्रशासन—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने अस्थाई भंडारी श्री पी० बी० प्रभाकरन को 13 मई, 1980 से 21 जून, 1980 तक की अवधि के लिए उसी निदेशालय के रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के भंडार में रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

टी० एस० बी० अथवा  
प्रशासन अधिकारी-II

बम्बई-400001, दिनांक सितम्बर 1980

सं० डी० पी० एस०/23/3/79/ई एम आई—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० डोर्फोडे

को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थाई भंडारी एस० एच० बाणवे को स्थानापन्थ रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 3 मार्च, 1980 से अप्रैल, 1980 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० वि० गोपालाच्छाणन  
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्षम-603102, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० एम ए पी पी०/3(606)/72—प्रशासन—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० श्री बी० भास्करन ने, अपना त्यागपत्र स्वीकार कर लिया जाने पर, 'एस बी' ग्रेड में अपने पद का कार्यभार 16 अगस्त, 1980 के अपराह्न में छोड़ दिया।

आर० पी० हरन  
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-4/2/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई छ्रिल प्रभालक एवं अस्थाई तकनीशी सहायक 'सी' (ड्रिलिंग) श्री ए० आर० खान को उसी प्रभाग में 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-1/6/79—प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थाई सिलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री जी० सी० सक्सेना को परमाणु खनिज प्रभाग में 23-7-80 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बश्वर्द्ध-दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 05000/बा/141/41120—श्री कल्लीदंकुरिच्ची राम-कृष्णन बालमुबमणियम, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक को 25 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० शंकरनारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० ए० 19012/1/80—हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एन० सिंह को दिनांक 8 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, नागर विमानन विभाग, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया गया है।

हरबंस लाल खोहली,  
निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० ए० 44013/1/80—इ० डब्ल्यू०—नेशनल थरमल पावर कार्पोरेशन लिमि० में प्रतिनियुक्ति की समाप्ति पर श्री विश्वाम सिंह ने दिनांक 5 जुलाई, 1980 से इस विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

श्री विश्वाम सिंह को उसी तारीख से क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता-52 के कार्यालय में तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जौहरी,  
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/4/79—इ० एस०—राष्ट्रपति ने सर्वश्री एन० जयसिंहा और आर० सी० गुप्ता की वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 13-2-80 के बाद दिनांक 13-8-1980 तक जारी रखने की अनुमति दी है।

दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/5/79—इ० सी०—इस विभाग की दिनांक 19 जुलाई, 1980 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/8/79—इ० सी० और दिनांक 29 अगस्त, 1980 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/2/80—इ० सी० के ऋम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को जो फिलहाल तदर्थ आधार पर स्थानापन्न तकनीकी अधिकारी हैं, दिनांक 2-7-80 से तथा अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

ऋग्रह	नाम	तैनाती स्टेशन
सं०		
1.	श्री बी० सी० रेहडी	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद
2.	श्री टी० आर० शास्त्री	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
3.	श्री एम० असलदोस	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
4.	श्री जे० एल० पूरी	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली
5.	श्री के० चन्द्राचूडन	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
6.	श्री एन० आर० एन० अर्थंगर	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली
7.	श्री सी० एल० मलिक	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
8.	श्री के० एन० एस० मनी	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
9.	श्री एच० ए० मोटी	वै० सं० स्टेशन, बैलगांव
10.	श्री बी० के० डे	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली
11.	श्री ए० मामामूर्खम	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
12.	श्री के०आर०रामानुजम	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
13.	श्री ओ० पी० छाबरा	वै० सं० स्टेशन, पालम
14.	श्री बी० एस० मित्रा	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली
15.	श्री के० रंगाचारी	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
16.	श्री एम० एल० घर	के० रे० भ० डिपो, नई दिल्ली
17.	श्री बी० सुब्रामनियम	क्षे० नि०, बम्बई

आर० एन० दास,  
सहायक निदेशक, प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 16/247/76-स्थापना-I—श्री सिद्धीक अहमद (रा० व० से० गुजरात), सहायक शिक्षक, केन्द्रीय वन राजिक महा-

विधायक, चन्द्रपुर, महाराष्ट्र की सेवायें दिनांक 30-6-80 के अपराह्न से राज्य सरकार को पुनः सौंपी गई।

२० न० महन्ती  
कुल सचिव  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय

बड़ौदा, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 9/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ ” के अधीक्षक श्री एच० ज० मेहता बृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-1980 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

सं० 10/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय के उप समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ ” के अधीक्षक श्री ज० अं० सुर्वें बृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-80 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

बी० बी० कुमार,  
समाहर्ता;  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० II/3 ई-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-II के समूह “ख” के अधीक्षक श्री ए० डी० तर्झड़कर का दिनांक 28-6-80 को देहावसन हो गया।

सं० II/3 ई-6/80—श्री अं० ए० सहस्रबुद्धे, कार्यालय अधीक्षक ने पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-II में प्रशासनिक अधिकारी वर्ग “ख” के रूप में 17-5-1980 पूर्वी में कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० II/3 ई-6/80—निम्नलिखित वरिव श्रेणी निरीक्षकों में उनके पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय-II में स्थानापन्थ अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के रूप में उनके नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम संख्या	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री डी० सी० वारंदे	11-2-80 मध्याह्न से
2.	श्री अं० ए० सार्वत	24-1-80

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
3.	श्री ए० डी० हवाल	30-1-80
4.	श्री डी० एन० पिलाई	30-1-80 मध्याह्न से
5.	श्री डी० एन० गोगटे	25-1-80
6.	श्री डी० की० वाध	25-1-80
7.	श्री के० एस० सालवी	24-1-80
8.	श्री बी० एल० विजलानी	24-1-80
9.	श्री अं० सी० सालगांवकर	3-7-80
10.	श्री पी० ओ० जोसेफ	4-7-80
11.	श्री के० एन० चैनी	3-7-80
12.	श्री एन० एच० दसाल	15-7-80
13.	श्री एम० आर० केकरे	29-8-80
14.	श्री एम० जे० मिरचंदानी	11-7-80
15.	श्री एस० जी० वागळे	10-7-80
16.	श्री आर० एन० स्वामी	23-8-80 मध्याह्न से
17.	श्री बी० ए० नांदुडीकर	23-7-80
18.	श्री एफ० ए० सिकवेरिया	4-7-80
19.	श्री एस० आर० गणकुले	4-7-80
20.	श्री के० एम० जोशी	10-7-80
21.	श्री एम० एन० मोरगांवकर	21-7-80
22.	श्री जी० अं० कुड्डलकर	7-7-80
23.	श्री एस० बी० सार्वत	14-7-80
24.	श्री अं० जी० आठस्ये	15-7-80
25.	श्री एस० वाय गडकरी	15-7-80
26.	श्री आर० एस० कनाल	17-7-80

सं० II/3 ई-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-II के निम्नलिखित समूह “ख” के राजपत्रित अधिकारी सहायक मुख्य लेखा अधिकारी अधिवार्षिक/वैचिल्लक आधार पर उनके नामों के आगे अंकित तिथियों को अप० में सेवा निवृत हो गये हैं।

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	सेवा निवृति की तिथि	
1	2	3	4
1.	श्री एल० एल० अडवानी, अधीक्षक	2-1-80 स्वेच्छा से	
2.	श्री एम० के० विजयकर, अधीक्षक	31-1-80	
3.	श्री डी० जे० मालवणकर, अधीक्षक	31-1-80	
4.	श्री एस० जी० रिजबूड, अधीक्षक	31-1-80	
5.	श्री पी० एन० ग्रसोनी, अधीक्षक	29-2-80	

1	2	3	4
6.	श्री एच० एम० दावलाभी, अधीक्षक	4-3-80 स्वेच्छा से	
7.	श्री आर० जी० देशपाण्डे, अधीक्षक	30-4-80	
8.	श्री व्ही० जी० निमकर, अधीक्षक	31-5-80	
9.	श्री व्ही० सी० सांबड़, अधीक्षक	31-5-80	
10.	श्री व्ही० डी० नाडकर, स०म० स०ग्र०	31-5-80	
11.	श्री एम० बी० सोगवसन, अधीक्षक	1-6-80 स्वेच्छा से पूर्वाई०	
12.	श्री व्ही० ए० महस्त्रबुद्धे, प्रशासनक अधिकारी	31-7-80	

विजयकुमार गुप्ता,  
समाहर्ता,  
के० उ० या०, बम्बई-II

मद्रास-1, दिनांक 13 जून, 1980

सीमाशुल्क/मिव्बन्दी

सं० 4/80:—सर्वश्री जि�० केशवन, आर० एफ० राहुजियस, जे० संतानम, आर० बालकृष्णन, सी० ई० एतिराजन, जे० ए० एस० तवपालन को ता० 2-6-1980 के पूर्वाह्नि से मद्रास सीमाशुल्क घर में सीमाशुल्क अध्यक्ष (निवारक) के पद पर नियमित रूप में पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 8/80:—सर्वश्री वि० जयरामन और एम० गोपाल को ता० 27-6-80 के पूर्वाह्नि से स्थानापन्थ अध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया जाता है।

श्री एन० सुन्दरराजन मूल्यनिरूपक को जो पदावनति पर निवारक केढ़र में हैं, ता० 27-6-1980 से सीमाशुल्क अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 सितम्बर 1980

सीमाशुल्क/स्थापना

सं० 9/80—श्री पि० रनास्वामी को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 5-9-80 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप में सीमाशुल्क घर में मीधी भर्ती अप्रैसर, (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 10/80—मोमाशुल्क घर, मद्रास के अस्थायी मल्यनिरूपक (विशेषज्ञ नहीं) श्री आर० मुरलीदर ने 12-9-1980 के अपराह्नि से मूल्यनिरूपक के पद से त्याग पत्र दे दिया।

ए० सी० सल्लाहा,  
सीमाशुल्क समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 16/80—उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री जे० आर० लारोड्या ने केन्द्रीय उत्पाद शत्र्क एवं सीमा शुल्क समाहर्ता इन्दौर की भुगतान तथा लेखा शाखा में भुगतान तथा लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप दिनांक 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्नि में भुगतान तथा लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० के० भर,  
समाहर्ता

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए०-32014/1/80—प्रशासा० पांच :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर उनके नाम के सामने दी गई तिथियों से छः माह की अवधि के लिए अथवा इन पदों को नियमित रूप से भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	श्र० स० निवेशक/सहा० इंजीनियर के रूप में कार्य- भार ग्रहण की तारीख
-------------	-----------------------------	---

1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	पी० पी० सिंह, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
2.	मधन लाल सोनी, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
3.	प्रमोद कुमार, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
4.	उमेश कुमार, अभिकल्प सहायक	8-9-80 (पूर्वाह्नि)	
5.	मंगल वत्त, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
6.	हेमंत कुमार, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
7.	विनय कुमार शर्मा, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
8.	वी० के० मिष्टा, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
9.	जे० एस० तेजा, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
10.	नकुल देव, अभिकल्प सहायक	6-9-80 (पूर्वाह्नि)	
11.	एम० के० बब्बर, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
12.	आर० के० बाथला, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
13.	वी० के० मलहोदा, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	
14.	टी० सी० सिवकुमार, अभिकल्प सहायक	5-9-80 (पूर्वाह्नि)	

1	2	3
<b>सर्वश्री</b>		
15.	देवकुमार सिंह, प्रभिकल्प सहायक	8-9-80 (पूर्वाह्न)
16.	बी० जी० दिवानी, मुख्य प्राख्यकार	5-9-80 (पूर्वाह्न)
17.	कली राम गुप्ता, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्न)
18.	एस० के० चक्रादासार, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्न)
19.	एस० डी० एस० हौड़ा, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्न)
20.	कान्ता प्रकाश, पर्यवेक्षक	8-9-80 (पूर्वाह्न)
जे० के० साहा, अवर सचिव		

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

#### कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मेसर्स पेरेमाउन्ट बीजनेस  
सर्विसेज प्रायवेट लिमिटेड के विषय में  
बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 14470/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा  
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान  
पर मेसर्स पेरेमाउन्ट बीजनेस सर्विसेज प्रायवेट लिमिटेड का  
नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया हो तो रजिस्टर से  
काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

#### प्रूति एवं पुनर्वास मंत्रालय

#### (प्रूति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० जी०-65/बी० (गोपनीय)—महानिदेशक, राष्ट्रीय  
परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री राजत घोष दस्तीदार,  
वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता,  
को दिनांक 30-6-80, पूर्वाह्न से इसी कार्यालय में, वैज्ञानिक  
अधिकारी (भौतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण  
गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री प्रशान्त कुमार कुन्डू वैज्ञानिक  
सहायक (रसायन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता  
को दिनांक 30-6-80 पूर्वाह्न से इसी कार्यालय में वैज्ञानिक  
अधिकारी (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० जी०-318/ए०—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह  
अलीपुर कलकत्ता श्री बी० के० माइन, प्रधान लिपिक, राष्ट्रीय  
परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, को इसी कार्यालय में दिनांक  
20-8-1980 (पूर्वाह्न) से सामयिक रूप से सहायक निदेशक  
(प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० बनर्जी,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

कृति महानिदेशक,  
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स हुसेनी मिल्क  
एन्ड सिल्क पावरलूम ओनर्स, एसोसिएशन (बोम्बे)  
लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० 9832/560 (5) कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना  
दी जाती है कि मेसर्स हुसेनी सिल्क एन्ड सिल्क पावरलूम  
ओनर्स एसोसिएशन (बोम्बे) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से  
काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० गुप्ता,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिमका आटो प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० एच०/6320—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा  
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी  
जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिमका आटो  
प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया  
गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित  
कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुशम फाइनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० एच०-2648:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुशम फाइनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और डोलागुरी काथोनी दि स्टेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 16162/560 (3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डोलागुरी काथोनी दि स्टेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उड्स एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 25587/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर उड्स एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नियोगी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 28227/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नियोगी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बंगाल इलेक्ट्रो काफ्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 29229/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बंगाल इलेक्ट्रो काफ्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिनडि हाईड कारबनस् लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29265/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिनडि हाईड कारबनस् लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेस कुटी (वेस्ट) लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 29794/560(5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेस कुटी (वेस्ट) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० वि० विसाम कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईश्वरदास फाइनेंस एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 9297/1035—एस० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईश्वरदास फाइनेंस एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रडिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

ओ० पी० चढ़ा रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज पू० पी०, कानपुर

आय-कर व्यापील अधिकरण,  
बम्बई-400020, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० एफ० 48-ए डी(एटी)/80—श्री नारंजन दास, स्थाना-  
पन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली  
न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण  
दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता  
में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 17 अगस्त, 1980  
से 16 सितम्बर, 1980 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने की  
अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये इस कार्यालय के दिनांक  
19 अगस्त, 1980 की अधिसूचना सं० एफ-48-AD  
(AT)/80 को अब आयकर अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ  
नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक

पंजीकार के पद पर और एक महीने की अवधि अर्थात् दिनांक  
17 सितम्बर, 1980 से 16 अक्टूबर, 1980 तक या  
तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक  
सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो,  
स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री  
नारंजन दास को उसी श्रेणी में अनियमित नियुक्ति के लिए  
कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर  
प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में  
परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत  
किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० शुर्ला  
अध्यक्ष

प्रधन शाह० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० ए०आर०-१/4356-14/जन.'80—अतः मुझे  
मुद्राकर वर्मा

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1125 है, तथा जो भाल रोड,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
15-11-1980 विलेख नं बम्बई/2101/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एसे दूष्यमान प्रतिफल का  
पक्का ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
मन्त्रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में  
मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) वाली इब्राहिम पटेल,  
(2) दाऊद मोहम्मद पटेल  
वाली उमेरजी मुरावाला।

(अन्तरक)

2. मिसेम अभिना अब्दुल्ला मुसा,  
मिसेस रशीदा मोहम्मद अब्दुल्ला मुसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2101/79/बम्बई उप-  
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 15-1-1980 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

मुद्राकर वर्मा  
मध्यम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, बम्बई

तारीख: 26-9-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. पट्टा.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निदेश मं० एम० ग्राम० एस०/१२/८०-८१—अतः मुझे  
गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 149 कनाल, 6 मरले हैं तथा  
जो ग्राम चत्तरगढ़ तहसील सिरसा में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16') के अधीन दिनांक जून, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिस-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पार्याप्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सर्वथ्री शान्ति प्रशाद, सत नारायण  
पुत्रान श्री गंगा विश्वन गोप्यल,  
निवासी गली जसनाका बाली, सिरसा।

(अन्तरक)

2. दी सिरसा प्रेम नगर को०आपरेटिव हाउस बिल्डिंग  
सोसायटी लिमिटेड, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
व्यक्तियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

संपत्ति भूमि क्षेत्रफल 149 कनाल 6 मरले महिन द्यूब-  
बैल, जोकि ग्राम चत्तरगढ़ (मिरसा) में स्थित है तथा जिसका  
और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता मिरसा के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 2111, दिनांक 11-6-1980 में दिया गया  
है।

मो० मि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 16-9-1980

मोहर: .

प्राप्त प्राई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

निवेश सं० एच० एन० एस०/1/80-81—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हपार में अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि रक्का 85 कनाल 5 मरले हैं, तथा  
जो ग्राम घिराये तहसील हांसी में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हांसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन दिनांक अप्रैल, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क्रौं)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच में प्रनतरण के लिए  
तथा पांच वर्ष प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अन 1. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धि (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात्:—

1. श्री फत्तन पुत्र श्री दाता राम पुत्र श्री माई धन,  
निवासी घिराये, तहसील हांसी।

(अन्तरक)

2. श्री होशियार सिंह पुत्र श्री रलदु राम  
निवासी ग्राम घिराये, हाल आबाद नमाना तहसील  
हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वय में कोई भी आक्षेप:—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्तियों पर  
सूचना जो तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, या गोउन्नाथी के पाम  
लिखित में किए जा भजेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें ग्रुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्का 85 कनाल 8 मरले, जोकि ग्राम  
घिराये, तहसील हांसी में स्थित है तथा जिकसा और अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 96,  
दिनांक 10-4-1980 में दर्ज है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 16-9-1980

मोहर:

प्रलूप भाई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निवेश सं० जे० डी० प्रार./21/79-80—ग्राम: मुझे गो० सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान तथा प्लाट नं० 20-ए, व 19 है, तथा  
जो प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर, में स्थित है (और इससे  
उपांचढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जगद्वारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का  
एन्हाइट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तर याया गया गतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
नियित में वास्तविक रूप से नियन्त्रित किया गया है :—

(\*) अन्तरण से दृइं किसी आय की वावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आक्षियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्,—

1. सर्वश्री अर्जन दास खुराना तथा हरबन्स लाल खुदाना  
पुत्रान श्री भगवान दास खुराना  
निवासी ए-2/66, जनकपुरी, नई दिल्ली,  
मार्फत : श्री चमनलाल पुत्र श्री राज चन्द  
मकान नं० 61-बी, शिवाजी पार्क, यमुनानगर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री नन्द लाल  
(2) श्रीमती हरबन्स देवी पत्नी श्री नन्द लाल  
निवासी प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी अविकल्पों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में नापाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविकल्पों में ने किसी अकिन द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षित आयकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान जो प्लाट नं० 20-ए तथा 19 पर बना है  
तथा जो प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर, में स्थित है तथा जिसका  
और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधीकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 4929 दिनांक 30-1-1980 में दिया गया  
है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक  
तारीख : 16-9-1980  
मोहर :

प्रस्तुप आहि० ढी० एम० एस० —————

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निदेश सं० के एन एल/50/79—80अतः मुझे गो० मि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 109 कनाल 12 भरले हैं तथा  
जो मुंडी गढ़ी, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और जो पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त के बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विकास रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने ये  
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

4—276GT/80

1. श्री असीटा पुत्र श्री निजामुद्दीन,  
निवासी गढ़ी मुंडी, तहसील करनाल।  
(अन्तरक)
2. श्री अर्जन दास पुत्र श्री तथा राम  
निवासी बरसत, तहसील करनाल।

बो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी वे  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उभत  
अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्राप्त्याय  
में दिया गया है।

गोपाल

सम्पत्ति भूमि रकबा 101, कनाल 12 भरले जोकि ग्राम मुंडी  
गढ़ी तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक  
2415 दिनांक 28-1-1980 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल  
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-1980

मोहर :

प्रसूप भाई० टौ० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 अक्टूबर, 1980

निदेश मं० ए० पी० नं० 2161—यतः मुझे वी० दम० दहिया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सख्त जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जोकि फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सहित किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राहनियम के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदट्ठ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यवन्ती पत्नी हरीचन्द्र पुत्र शंकर दास वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरक)

2. (1) कुलदीप राज बहल बकील रमेश कुमार सुपुत्र दिवान चन्द्र वासी फिरोजपुर शहर 1/2 हिस्सा।

(2) अमरीक राय, कवल नरेण कपूर, सुपुत्र डालीराम वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. श्री गुरबज्जन सिंह पुत्र बहाल मिह वासी बसती सुनवावाली, फिरोजपुर शहर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :—**—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है :

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5351 दिनांक फरवरी 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर लिखा है।

वी० एस० दहिया

समक्ष अधिकारी

महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 19-7-1980

मोहर :

प्रस्तुति प्राई. टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2162—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कि  
फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिरूप निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यवन्ती पत्नी हरीचन्द्र पुत्र शंकर दास  
वासी फिरोजपुर शहर  
(अन्तरक)
2. (1) कुलदीप राज बहल बकील, रमेश कुमार सुपुत्र  
दिवान चन्द वासी फिरोजपुर शहर 1/2 हिस्सा।  
(2) अमरीक राय, कंबल नरेण कपूर सुपुत्र डालीराम  
वासी फिरोजपुर शहर।  
(अन्तरिक्ती)
3. श्री गुरुबल्ला सिंह पुत्र बहाल सिंह वासी वसती सुनवावाली  
फिरोजपुर शहर।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन  
के लिए कार्यालयीय पुरुष करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5397 दिनांक  
फरवरी, 1980 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा  
है।

बी० एस० दहिया  
सकाम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, जालन्धर,

तारीख : 19-7-1980

मोहर :

प्रश्न प्रार्थी० ठी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अगस्त, 1980

निदेश नं० ए० सी० नं० 2187—यतः मुझे भी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
कशमीरी बाजार, हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वाक्तव्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी, करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1).  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणितः—

1. श्री मोहर लिहु पुन्न सतनाम सिंह पुन्न जयराम सिंह  
मोहल्ला शेरखां, हुशियारपुर याकूट शाप नं० बी आठ  
एम० सी० एच० 495 कशमीरी बाजार, हुशियारपुर  
(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह पुन्न गंगा सिंह पुन्न अत्तर सिंह  
गली नं० 3 मोहल्ला कमालपुर हुशियारपुर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्याद्विधांशु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहके प्रयत्नः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासंबंधी अवधियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्पाकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरणः—**—इसमें प्रमुखता और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही  
वर्ण होगा; जो उस अध्याय में विद्या भव्य है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3862 जनवरी,  
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीखः 22-8-1980

मोहरः

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त, 1980

निदेश सं० ०० पी० न० २१८८—यतः मुझे भी० एस०  
दहिया

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली  
तहसील वारांवाली, फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1980  
को पर्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
फलद्वय प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से नियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनांकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अवर्ति :—

1. श्री बाहुल सिंह पुत्र सौदागर सिंह  
वासी तहसील वारांवाली, फिरोजपुर शहर।  
(अन्तरेक)

2. श्री खान चन्द पुत्र गहला राम और श्रोमप्रकाश पुत्र माहला  
राम वासी गली तहसील वारांवाली, फिरोजपुर शहर।  
(अन्तर्स्ती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह अविक्ष, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अविक्ष सम्पत्ति में शब्द रखता हो।  
(वह अविक्ष, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रबोचन सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षयी पर  
मूल्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत  
अविक्षयों में से किसी अविक्ष द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्ष द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविक्ष जैसा कि विलेख नं० ५६२९ फरवरी,  
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

भी० एस० दहिया

सक्रम अधिकारी

सहायक मायकर [आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-8-1980

मोहर :

प्रकाश भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त, 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2189—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा  
269-ए को अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो समाधि  
रोड, जीरा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रमत्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन पा घन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छत्तीकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ  
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के  
अनुसरण में, यै; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की  
उपराना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपौतुः—

1. श्री बद्री दास पुष्प सुन्दर दास आसी जीरा अब  
लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री गनेशीलाल पुत्र शांती प्रकाश, युधिष्ठिर लाल पुत्र  
तारा चन्द, केवल कृष्ण पुत्र जगदीश चन्द और  
राजीव कुमार उर्फ खजान चन्द पुत्र श्रीमप्रकाश और  
श्रीमती कुशलिया देवी पत्नी लोक राम पुत्र फकीर चन्द,  
आसी जीरा, जिला फिरोजपुर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तरसंबंधी अवित्यों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

### मनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5790 दिनांक  
जनवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा ने लिखा  
है।

बी० एस० दहिया  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-8-1980  
मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2190—यह: मुझे बी० एस० दहिया प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव भालाना, जिला कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरबन्स कौर विश्वा लाल सिंह, गांव भालाना जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह, निशान सिंह बलवंत सिंह सुपुत्र सरदारसिंह वासी भालाना, जिला कपूरथला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृषि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हृष्टबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वद्वीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

जायदाद तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2997 जनवरी, 1980 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 25-8-1980

मोहर :

प्रह्लद आई० ई० एस० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28-8-1980

निदेश सं० ए० पी० 2191—यतः मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी संख्या जसा कि अनुसूची में है लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपावद्व में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन कारणी, 1980

क्षे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए असत्स्थित की प्रई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पदापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीप्त ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में अस्तित्व रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अल्लारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उस कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं हुआ गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशासन (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः—

1. शान्ती देवी पत्नी मबोहर लाल आहुजा  
वासी तहसील रोड, अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री नरिजन सिंह टेक सिंह, हरनेक सिंह, सुपुत्र करनैल सिंह, वासी सामने उनवीप थियेटर, मकान नं० 6806, आना रोड, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यन्त के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप :—

(क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन तक अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2599, फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
संशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 28-8-1980

मोहर:

प्रस्तुत आईटी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2192—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली नं० 17-बी मण्डी, अबोहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोत्तमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों घर्यात्:—

5—276GI/80

1. पूरनचन्द्र पुत्र चन्द्र भान  
वासी गली नं० 1-बी, मण्डी, अबोहर।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती चन्द्र रानी पत्नी राज किशन  
वासी सरकूलर रोड, अबोहर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2490, जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 25-8-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईवी टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269—व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर  
जालन्धर, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निवैश सं० ए० पी० नं० 2193—यथा मुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—व के अधीन सजाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में वर्ण है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पचवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण नियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घर्षण या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहन लाल नानक चन्द्र झाँसी लक्ष्मी वाई वासी गेट, हाजी रत्न, भटिण्डा।  
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती करनैल कौर पत्नी थमन सिंह पुत्र थागर सिंह 1/2 हिस्सा  
(2) आलमसिंह पुत्र बच्चन सिंह 1/4 हिस्सा  
(3) मोहिन्दर कौर पत्नी दरबारा सिंह 1/4 हिस्सा वासी भटिण्डा।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 पर लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4666 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर  
तारीख: 1-9-1980  
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2194—यतः मुझे थी० एस० दहिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव भीरापुर,  
तहसील फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यह प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

1. श्री करतार सिंह पुत्र मंगल सिंह, जी० ए० बलकार सिंह  
पुत्र मंगल सिंह गांव पदी, जगीर तह० फिल्लौर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह पुत्र निरन्जन सिंह  
गांव पदी, जगीर, फिल्लौर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील जो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाटे में समात होती हो, के भीतर दूरांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निलिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही ग्रंथ होंगा जो उस अध्याय में विचा-  
रण की गयी है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसाकि विलेख नं० 123 अप्रैल 1980  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 3-9-1980

मोहरः

प्रख्य प्राईंटी० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर  
जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2195—यतः मुझे बी० एस० दहिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
सुलतानपुर रोड, कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाखद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्वाह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी फरने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अर्जन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह  
वासी सुलतानपुर रोड, कपूरथला।  
(अन्तरक)
2. श्री राम नाथ, जान घन्द हरी कृष्ण, रमेश कुमार,  
सुलतानपुर राम वासी कपूरथला।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानला है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रत्यक्ष में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में  
न किसी अविक्षित हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भ  
किये जा सकेंगे।

**ध्वनि हरा**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 206 में परिभासित हैं वही  
अर्थ होगा जो उत अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3137 जनवरी,  
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 3-9-1980  
मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 3 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए०पी० नं० 2196—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री नगिन्द्र सिंह एडवोकेट पुल गुरगारन सिंह वासी कोटला तह० नकोदर, जिला जालन्धर।  
(अन्तरक)
2. श्री तेग बहादुर सिंह पुल नगिन्द्र सिंह वासी 496-आर, माडल टाउन, जालन्धर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध में है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि प्रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में साप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7543, दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14 अक्टूबर, 1980

मोहर:

प्रकल्प प्राईंट टी०एन० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
268-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2197—यत् मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) तारीख जमवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति फल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 268-व की उपलापा (1) अधीन, निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—

1. श्री करनैल सिंह पुत्र मणत सिंह  
वासी गांव रमीदां, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. मैं० हंस राज महाजन एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड  
जी० टी० रोड, जालन्धर, द्वारा सतीश कुमार  
महाजन, डाइरेक्टर कम्पनी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उपर्युक्त मान्यता अर्जन के सम्बन्ध में होई यो आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन हो व्यक्ति या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपलेख:**—इनमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अठाय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होता है। उस अठाया में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा अधिकारी जैसा कि विलेख नं० 7516 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 4-9-1980  
मोहर :

प्रेरणा प्राई ० टी० एन० एस०—————

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

आलम्बर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2198—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी०  
टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाथा गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी व्याय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय व्याय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
14 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. संतोख सिंह पुत्र भगत सिंह  
बासी गाव रमीदी, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हंस राज महाजन सन्स, प्राइवेट लिमिटेड  
जी० टी० रोड, जालन्धर  
द्वारा सतीश कुमार महाजन, डारेक्टर कम्पनी

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मानवधि में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन नी तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्प्रवाही व्यक्तियों पर  
सूचना की नामीन में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
नितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7517 दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा  
है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर:

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, महायकर भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निवेश मं० ए० पी० नं० 2199—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (प्रौद्योगिकी में और जो पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है प्रौद्योगिकी में यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूवर्कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौद्योगिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरनाम कौर विधवा भगत सिंह नासी गांव रमीदी, जिला कपूरथला।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स हंसराज महाजन एण्ड सन्स, प्राइवेट लिमिटेड जी० टी० रोड, जालन्धर द्वारा सतीश कुमार महाजन, डायरेक्टर कम्पनी (अन्तरिति)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वयं रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रायकर शब्दों प्रौद्योगिकी वर्द्धन का, और उक्त प्रधिनियम, के प्रब्लेम 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द हांग जा उक्त असाध में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7518 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-9-1980

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

नितेश सं० ए० पी० नं० 2200—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पर्याप्त ही नहीं है पौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थवाक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत प्रविधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से बहुत अन्तर लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरग में हुई किसी आप को बाबत उक्त अधिनियम के पर्यात कर देने के अन्तरक के वायिक में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य सामिलियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, उपरामें में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उल्लेखन में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—276GI/80

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र भगत सिंह वासी गांव रमीदी, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हंस राज, महाजन एण्ड सन्स, प्राइवेट लिमिटेड जी० टी० रोड, जालन्धर द्वारा सतीश कुमार महाजन, डाइरेक्टर कम्पनी

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा पाएंगे

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अधिनियम के गठाय 10-व अंतिम है, वहा अब होगा, जो उस अंताय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 8886 मार्च, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोटर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा  
269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2201—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा  
269-म के प्रधीन सम्प्रभाव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शिव  
कालोनी नजदीक बरनाला, रोड, भटिण्डा, में स्थित है (और  
इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीरकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रूप के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) धीर प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) के बीच  
ऐसे प्रत्यक्षित के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल विभिन्निक्षित  
उत्तरण से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से उचित  
नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रत्यक्षित  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्षण में  
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रविनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या  
घन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रविनियम की बारा 269-म के अनु-  
वरण में, मैं उक्त प्रविनियम की बारा 269-म की उपलब्धा-  
(1) के प्रधीन विभिन्निक्षित अधिकारी प्रवात :—

1. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पल्ली सवरनजीत सिंह साँढी  
बासी टी-15, रेलवे कालोनी, भटिण्डा।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती राजरानी पल्ली गोपाल कृष्ण  
बासी मकान नं० 4695 नजदीक एस० डी० गल्स स्कूल  
भटिण्डा।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्वन्द्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रविनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अधिकारी, जैसा कि विलेख नं० 4208 जनवरी  
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-उ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2202—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-उ(1) के अधीन संबंधी प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शिव कालोनी, नजदीक बरनाला, रोड, भटिणा में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यह उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त अन्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी घन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम द्वारा 269-उ(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इत्वर्जीत कौर पत्नी सवरनजीत सिंह सोढ़ी वासी टी-15, रेलवे कालोनी, भटिणा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज रानी पत्नी गोपाल कृष्ण वासी मकान नं० 4695 नजदीक एस० डी० गल्लू स्कूल, भटिणा।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके यूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई भी वाक्येप ---

(क) इस सूचना के राजनाम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में इवाप्त होती थी, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस पूर्वाना के राजनाम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवित्त, जैसा कि विलेख नं० 4456 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिणा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980 ;

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2203—यतः मुझे भी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिणा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिणा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिथल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री बनता सिंह पुत्र बुधा सिंह  
वासी भटिणा।

(अन्तरक)

2. श्री मलकियत सिंह, गुरबल्ला सिंह, बलदेव सिंह,  
सुखदेव सिंह, गुरमेल सिंह, गुरतेज सिंह मुपुत्र जगीर सिंह  
पुत्र भाग सिंह वासी 8040 सिरकी बाजार,  
भटिणा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वच रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही मर्य होगा, जो उस प्रधायाय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 4037 दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा  
है।

भी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त 'निरीक्षण )

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर:

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2204—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और सिजकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बन्ता सिंह पुर बुधा सिंह वासी भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री मलकियत सिंह, गुरबखश सिंह, बलदेव सिंह, सुखदेवसिंह गुरमेल सिंह, गुरतेज सिंह सुपुर जगीर सिंह पुत्र भाग सिंह वासी 8040 सिरकी बाजार, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4075 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश सं० एस० पी० नं० 2205—यतः मुझे बी० एस०  
ददिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वार्ड  
नं० II/159, बुडलाडा, में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बुडलाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम का भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्रीमती प्रकाशकीर पत्नी श्री फकीर सिंह  
बासी बुडलाडा।

(अन्तरक)

2. श्री बलविन्द्र कुमार, युवा प्रकाश चन्द  
बासी बुडलाडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां गरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में विभागित  
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1575, दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बुडलाडा में लिखा  
है।

बी० एस० ददिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रृष्ठ पा. 10 टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2206—यतः मुझे भी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
आवान खालसा, तहसील नकोदर में स्थित है (और इससे उपायद्वा  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्त्त नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामप्रकाश पुत्र श्री दीवान चन्द्र  
गांव रहीमपुर, तहसील दृश्यारपुर द्वारा श्री बाबा सिंह  
(अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह पुत्र बाबा सिंह और लक्ष्मी विधवा  
गुरमेल सिंह गांव आवान खालसा तहसील नकोदर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो वक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता रहि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिणामित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2612 दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा  
है।

दिनांक : 5-9-1980

मोहर :

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

प्रलेप आई० टी० एन०एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2207—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
मण्डी तहसील फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त:—

1. श्री मीहां सिंह उर्फ सरवन सिंह पुत्र मोती  
गांव मण्डी, तहसील फिल्लौर।  
(अन्तरक)
2. श्री चुहड़ सिंह, जसविन्द्र सिंह, सपुत्र मीहाँ सिंह  
गांव मण्डी तहसील फिल्लौर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो अक्षित सम्पत्ति में सचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4110,  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने  
लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5-9-1980  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 सितम्बर, 1980

निवेश स० ए० पी० न० 2208—यत मुझे बी० एम० दहिया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तकी मोहल्ला, फगवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (190 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, ग्रन्ततु:—

7—276GI/80

1 श्री रामप्रकाश पुत्र किशन दयाल  
बामी माहेली गेट फगवाडा।

(अन्तरक)

2 श्री ऊजागर सिंह पुत्र नन्द सिंह  
मकान न० 36, गुरदेव नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय प्रूफ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 2111 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फगवाडा में लिखा है।

बी० एस० दहिया,  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, तसर

तारीख: 9-9-1980

गोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2209—यत् मुझे बी० एम०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए तो प्रधिक है  
और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोब  
वनजोको मरवु में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप में वर्णित है' रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में दुई किसी आय को बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
करने या उसने बचते में सुविधा के लिए,  
प्रौर/गा;

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

मनः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-7 के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्ननिवित अस्तियों, प्रथमः—

1. श्री हसराज पुत्र नागर मल  
वासी लाधुका मडी तहसील फजिला,  
श्री महिनाब सिंह पुत्र दरबारा सिंह वासी  
चल्हीगढ़ मारफत किशोर चन्द मिलयामत राय  
वासी फाजिलका मुख्यारना, आम  
(अन्तरक)

2. मैसर्व गुरु राम धास राईस, जनरल  
मिलस मरवु द्वारा राजकुमार  
(अन्तरिती)
3. जैसाकि न० 2 पर लिखा है।  
(वह अविक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो अविक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह अविक्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचत के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

हठबोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविक्त, जैसाकि विलेख न० 5821 दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जीरा में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1980  
मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए० पी० सं० 2210—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव वनजोकी मरवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस वेकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति :—

1. श्री हंसराज पुत्र नागर मल वासी लाडुका मडी, तहसील फाजिल्का महिताब सिंह पुत्र दरखारा सिंह वासी चन्डीगढ़ मार्फत किशोर चन्द पुत्र नयामन राय वासी फाजिल्का मुख्तयार न-ए-आम ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरुराम दास राईस एण्ड जनरल मिल्स द्वारा राज कुमार हिसार ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोवृत्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिताबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिपालित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 5878 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी जीरा में लिखा है ।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निपुण स० ए० पी० न० 2211—यतः मुझे दी० ए० स०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
वतजोकी भखु में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 691-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हंस राज पुत्र नागर मल  
वासी लाडुका मणी तहसील फाजिलका  
श्री महिताब रिसह पुत्र दरबारा सिंह  
वासी चन्द्रीगढ़ मार्फत किशोर चन्द्र पुत्र नयामत राम  
वासी फाजिलका मुख्यार-ए-आम।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स गुरु राम दास राईस एण्ड जनरल मिल्स  
भखु द्वारा राज कुमार हिस्सेदार  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्धि  
बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि लिखा न० 5972, जनवरी  
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता जीरा में लिखा है।

वी० एस० दहिया  
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० --

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2212—यतः मुझे बी० एस० दहिया

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आक्षितियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्री गुरदयाल सिंह पुत्र बूटा सिंह  
गांव अलोवाल।

(अन्तरक)

2. श्री तीरथ राम पुत्र तेलु राम, प्रीतम सिंह टाईगर पुत्र  
मन्ता सिंह, जसपरीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह, श्रीमती  
शशीकान्ता सन्धू पत्नी कलवन्त सिंह नकोदर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे पै अधीकृताकारी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीकृताकारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**एष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2646 दिनांक जनवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्रम प्राधिकारी

सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2213—यतः मुझे बी० ए० स०  
दहिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव  
बबथ तहसील नकोदर में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अंतर्गत दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है पोर प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अस्तियों, अथवा:—

1. कुमारी अन्नो पुढ़ी बुझा  
गाँव व डाकखाना बाथ तहसील नकोदर।  
(अन्तरक)
2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र करम सिंह  
गाँव व डाकखाना पंडोरी खास,  
तहसील नकोदर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके 'पूर्वोक्त' सम्पत्ति के प्रज्ञन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी घावेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तर्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवित बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि लिखा नं० 2709  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर ने लिखा है।

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

बी० ए० स० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 भित्तम्बर, 1980

निवेश मं० ए० प० न० 2214—यह मुझे जे० एम०  
आहलूवालिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभी ग्राहितारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अन्यसूची में लिखा है तथा जो गांव कोहाला, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाध्य अन्यसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

1. मुन्ना मिह पुत्र चन्दा मिह गांव कोहाला, तहसील जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. श्री जगर्जत मिह, मुरग्जीत मिह, जमकन्त मिह, बलबीर मिह, मलकियत सिंह सुपुत्र अर्जन मिह गांव नागवाल, तहसील जालन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में ममानि है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अन्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति, तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7395 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एम० आहलूवालिया  
सम्पत्ति प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 12-9-1980  
मोहर :

प्रस्तुत आई•टी•एन•एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश मं० ए० पं० नं० 2215—यत्. मुझे ज० ए० म०  
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गंव  
पूरनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तर से उक्त प्रतिशत लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आव या किसी बन या अन्य आवितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की संपादना  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी वर्षांति :—

1. श्री पूर्ण मिह पुत्र धन सिंह, ज०० ए० हजुर मिह मन्त्रोद्ध  
मिह, मध्यग्रन मिह मुपुत्र धनना मिह गांव पूरनपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री गुरपरीत मिह पुत्र मोहिन्दर मिह  
बासी पूरनपुर, तहसोल जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है।]  
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरिंश्च व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अधिकारी में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; ]

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अवृं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलोक्त नं० 7556 दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रेशन अधिकारी जालन्धर में लिखा  
है।

ज० ए० आहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर  
तारीख : 12 मितम्बर 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेखा, भालन्धर

भालन्धर, दिनांक 12 मितम्बर, 1980

निदेश स० प० पी० न० 2216—यत मुझे जै० एस०  
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० जैमा कि अनुमूल्य में लिखा है तथा जो शास्त्री नगर, भालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-276 GT-80

1. श्री तरलीद चन्द्र पुत्र करतार मिह  
वामा नकोदर रोड, भालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मननाम मिह पुत्र रघुवंश मिह  
वामा पारंटा, फगवाडा।

(अन्तरिती)

3. जैगा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचित गया है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**एप्लीकेशन:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैमा कि विलेख न० 7140 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जै० एस० आहलुवालिया  
मकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन जै०, जालन्धर

तारीख : 12-9-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. बी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं. ए. पा. नं. 2217—यत्. मुझे जे. ए. सं.  
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदि विष्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

और जिसका सं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
कोट कलां में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में अग्र जो  
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के दायित्व  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत  
अधिक है प्रोटर अन्तरक (प्रन्तरकों) प्रोटर प्रस्तरिती (अन्तरितियों)  
के द्वारा ऐसे प्रस्तरण के सिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित  
महेश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में आस्तकिक कृपा के क्रियत नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने था उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधार्य  
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपशासा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्दात :—

1 श्रीमती चन्नत कीर्ति विधवा प्रीतम मिह  
गांव कोट कला, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दिव्यांग मिह, गुर्दा प मिह, गुर्वन्नम मिह, मर्जान्नमिह  
आत्मा मिह, मुख्यवर्जित मिह गुपुत्र माधु मिह  
वाम; गांव कोट कला, तहसील जालन्धर।  
(अन्तरितों)

3. जैमा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से  
किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविकल्प द्वारा, अधोहस्ताकरों के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

सम्पटीकरण :—इसमें प्रपुत्र शब्दों प्रोटर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित  
ह, वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

गमनित तथा व्यक्ति, जैमा कि, विलेय 7142 दिनांक  
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार, जालन्धर में  
मिला है।

जे. ए. सं. आहलुवालिया

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निर धन)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तार. त्र. : 12 सितम्बर, 1980

मोहर :

प्रकृष्ट पाई० टी० एन० एस०-----

१ इकबाल सिह पुल करतार सिह  
भटिणडा ।

## आधिकार प्रभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

### 269-व( 1 ) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

### कायालिय, सहायक धार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं ए० पी० नं 2218—यत मुझे आर०  
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पट्टी छोटी, भटिणा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रस्तुति-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भूमतिरी द्वारा प्रकट मही किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यद्युपरिकार की धारा 269-ग के अनुसार यह संविधान विभाग की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैध :—

१ इकबाल सिह पुत्र करतार सिह  
भटिण्डा ।

२. श्रीमती जसवन्ती देवी पुत्री सत राम, सत्या देवी पुत्री भागमल, हस राज पुत्र किशोर चन्द, प्यारा लाल पुत्र मुन्ही राम, बिरला मिल्ज क्लौनी मारफत मैसर्स मफत लाल ग्रुप श्राफ मिल्स कला मदिर, भोजी बाजार अविकाश।

दाना बाजार, गोपेश्वर  
(ग्रन्तरिति)

3 जैसा कि न० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पर्क के अर्थन के लिए कार्यवाचियां शाल करता है।

उन्नीस संषोधि के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से ५० दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में फ़िक्रबद्ध किसी ग्रन्थ व्यवस्था, प्रबोधस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सह  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसरी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं ३९५६ दिनांक  
जनवरी, १९८० को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टण्डा ने लिखा  
है।

## आर० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 25-9-1980  
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निदेश स० ए० पी० न० 2219—यत मुझे, आर० गिरधर प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव मानसा खुंदे में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीतः—

1 कुमारी सोहिन्द्र कौर पुत्री टेक सिंह पुत्र बख्शीश सिंह वासी मानसा खुंदे, द्वाग अर्जन सिंह मुख्यार-ए-आम। (अन्तरक)

2 श्री सुखविन्द्र सिंह मनदीप सिंह सुपुत्र गुरिन्दर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह वासी मानसा कलां। (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जा व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि गम्भीर हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्तवंधी अक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3800 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी ने लिखा है।

आर० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 25-9-1980  
मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 मितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2220—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा वह जो गांव फतेहगढ़, माहनेवाल, में स्थित है (आंदे इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरदुल गढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एवं प्रन्तरण के त्रिपुरा या भाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की आय 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनी राम, देवी लाल, प्रसूराम सुपुत्र पत राम वासी माहनेवाली ।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार, विनोद कुमार, शीला देवी रामप्यारी, अमर नाथ

वासी फतेहगढ़, साहनेवाल ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसाकि विलेख न० 1306 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरदुलगढ़ में लिखा है ।

आर० गिरधर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर  
तारीख : 25 मितम्बर, 1980  
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली:

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 मित्तम्बर, 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/गम० आर०-II/1-8 ०/  
6126—अत मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसको सं० 17-ई है तथा जो गजीरी गार्डन, नई दिल्ली  
में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुभुवी में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
लहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्तितः—

(1) श्री मनोहर लाल खुराना, सन आफ साहिब मिह  
खुराना ई-17, रजीरी गार्डन, नई दिल्ली, कर्ता  
आफ एच० य० एफ०।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० वर्मा, सन आफ लेट प्यारा सिंह बगा,  
31/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, कर्ता आफ  
एच० य० एफ०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन तकी अवधि, जो भी अविक्षिक द्वाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षित स्थानकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेक्क मण्डिल मकान जो कि ब्लाट नं० 17, ब्लाक ई,  
रजीरी गार्डन गांव के इलाके बम्ह द्वारा पुर्झ, दिल्ली स्टेट  
में स्थित है जिसका ऑफिस 322 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तर्फ दिल्ली, दिन 8 भितम्बर, 1980

निर्देश मं. आई० ए० सी० एक्यू/II/एम० आर०-I/1-80/  
6125—अतः मुझे, कु० आर० के चाहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं. 1351 है तथा जो वार्ड नं. III गली मुहम्मद  
जाफरिया पाठक हाविस खान दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपांडव अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के बायानिय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तथा जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
घोषणा से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा  
के (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रा. शिव राम पुत्र राम पियारा मल इराड  
विनोद कुमार पुत्र श्रा. शिव राम निवासी 259  
मौद मल ए अहाना रेलवे गोड, गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्रामति जाईदा खानुन धर्मगति मोहम्मद अब्दुल  
निवासी 1202 बारादर, नवाब बजार पाठक  
हाविस खान दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी अवित्यों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से  
किसी अवित्या द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अवित्या द्वारा, प्रधोरुस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं. 1351 वार्ड नं. 111 गला मोहम्मद  
जाकारिया पाठग हाविस खान दिल्ली में स्थित है। जिस का  
क्षेत्रफल 43-1/3 वर्ग गज है।

कु० आर० क० चाहन,  
मकान प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारंग : 8-9-80.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-II, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 8 मितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ग० म०/एक्य०/II/एम० आर०-I/1-80  
6120—अत मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिमकी स० 26 रोड न० है तथा जो 27 पंजाबी बाग बमई  
दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारंख अनवर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बिश्वन दाम पुत्र श्री जगत राम 1186 वाई  
दाना गल, न० ८ रोड वाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री मुलख राज पुत्र जगत दाम, श्रीमति जांति, देवी  
उमकी वर्गवाली और तीन बालों हर्री, चन्द्र, मुभाप  
चन्द्र और रमेश चन्द्र भाभों निवासी एफ० 13-ए  
सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली।  
(ग्रन्तिरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान न० 26 रोड न० 27 पंजाबी बाग बमई दारापुर  
दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है।

ग० आर० के० चाहल,  
सक्तम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख 8-9-80  
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/1-8०/

6117—प्रतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद उठाने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जटिल बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जे०/113 है तथा जो राजीरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाद उठाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अक्षरकों) और प्रत्यरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रता० कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वर्ती करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अनुसरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, असौतः—

9—276GI/80

(1) श्री मदन लाल हाकिम पुत्र वर्कत राम और श्रीमति ललजयावती धर्मपति मदन लाल हाकिम निवासी बी०-3/412 पश्चिम पुरी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री बजीर चन्द जे-144, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अविन द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितषद किसी अन्य अधिक द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट न० जे०/113, राजीरी गार्डन, गांव के इलाके बसई बारा पुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 311.1 वर्ग मीटर है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर	: मकान न० जे०/131
दक्षिण	: रोड
पूर्व	: मकान न० जे०/112
पश्चिम	: मकान न० जे०/114।

आर० के० चाहल,

सकाम प्राधिकारी;

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्रदूष प्राई ३० एवं दस—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-वे (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर प्रमुखत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एज ब्लाक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोक 8 सितम्बर, 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० प्रार०-I/1-8 ०/  
6109—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहूल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'धक्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वे के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है  
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिमकी सं० जी-20/2-ए, है तथा जो राजीरी गाँड़न  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रमुखत हो गई है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का  
प्रतिक्षेप अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा  
प्रतिक्षेप, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की ओर उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कभी  
करने वा उससे बदलने में सुविधा के लिए; और का

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य घाँसेंटों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या अनन्कर प्रधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगमाध्यं अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा को किया जाना चाहिए  
का, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-वे के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वे की उपाखण्ड (1) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित :—

(1) श्री भुला मल पुत्र श्री कुम्हा दाम निवासी जी-  
20/3-ए, राजीरी गाँड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र व सत्या भूसन पुत्र श्री देवकी  
नन्दन निवासी ई०-३, रसन पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के मिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५७  
दिन की अवधि वा तत्संबंधी अधिकारों वर सूचना की  
तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि  
काव में समाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से  
किसी अधिकता होता है;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितेष्वद्ध किसी  
अन्य अधिकारी, प्रबोद्धस्तानकी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्थानीयहरण :—**—इसमें प्रमुखत शब्दों मीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधान 20-क में परिवर्तित हैं,  
वही अर्थ हीमा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है

## अनुबूति

एक महान जो कि प्लाट नं० 2-ए छाक जी-20  
(जी-20/2-ए) कलोनी राजीरी गाँड़न गांव के इलाके बसाई  
दारापुर दिल्ली स्टेट विलों में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 140  
घर्ग गज है। जो कि निम्न लिखित प्रकार से विरा हुआ  
है :—

उत्तर	: मकान प्लाट नं० जी०-20/1-ए
दक्षिण	: मकान जो कि प्लाट नं० जी०-20/3-ए
पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: सर्विस लेन।

कु० आर० के० चाहूल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी० हन० इस०—

अमंत्रकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की आरा

२६९ घ(१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

सहै दिल्ली, दिनांक ४ सितम्बर, १९८०

निवेश सं० आर०० ए० सी०/एक्य०/II/एम० आर०-१/१-८०:—

६१०७:—अतः मुझे, तुम् आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
२६९-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य २५,०००/- रु० से प्रधिक हैऔर जिसकी सं० डी-१२ है तथा जो राणा प्रताप बाग दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाखद मनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,  
तारीख ४-१-१९८०पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कुम्भमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे भह किस्तस्त करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पक्ष ह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतर्ष के लिए तथ पार्वत क्या प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आक्षितयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अमंत्रकर  
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, इसमें में सुविधा  
के लिए।अतः अन्तरक अधिनियम, की आरा २६९-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा २६९-घ की उपाधा (१) के  
अधीन, निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—(१) श्री राम रत्न सिंह जुवा स्वर्गीय स० आस्मा सिंह  
नामधारी डी०-३५ राणा प्रताप बाग दिल्ली ।

(अन्तरक)

२) श्री राम नायक बता पुत्र श्री पंजू आर०-४७, पे०-III,  
ग्रामोक विहार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यकालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई सी बाबौप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अनितयों पर सूचना की  
तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितयों में से  
किसी अधिन द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तम  
किसी धर्म अद्वितीय द्वारा अधिकारी के पास स्थिति  
में किए जा सकें।एकलोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के प्रधायाय २०-क में  
परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस  
प्रधायाय में दिया गया है।

मनुसूची

एक मकान नं० डी-१२ राणा प्रताप बाग, दिल्ली गांधी  
सदोरा कलीनी दिल्ली में स्थित है। जो कि निम्नलिखित  
प्रकार से है।

उत्तर : रोड़ ३०

विभाग : दोवार बार जैन कालोनी की।

पूर्व : लान

परिवर्तन : ब्लाट नं० डी०/१३

तु० आर० के० चाहल,  
मक्षम अधिकारी,महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००

तारीख : ४ सितम्बर, १९८०।

बोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस०--

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 मितम्बर 1980

निदेग सं० आई० ए० सो०/एक्स०० /II/एम० आर०-I/1-  
8 0/6132:—ग्राम मुझे, कु० आर० के० चाहल,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से  
अधिक है।और जिसकी सं० XII/6514 है तथा जो डी-32, कमला नगर  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
22-1-1980 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
घटेश्वर से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः ग्राम उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—1) श्रीमतो सूरज बाई धर्मपत्नी श्री रतन लाल जैन  
1040 माली बाड़ा नई मड़ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2) श्रीमती राधा बाई धर्मपत्नी श्री बुशारका दास  
3/67 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में  
से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़  
किसी अन्य वर्तिन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20व में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट जो कि पहली मंजिल में जिसका नं० XII/  
6514, प्लाट नं० डी०-32 कमला नगर में स्थित है।कु० आर० के० चाहल,  
सक्षम प्राधिकारी,सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/1-  
8 0-6142:—ग्राम. मुझे, कु० आर० के० चाहल,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 9697-9698 है तथा जो गली नीम वाली  
नवाब गंज दिल्ली, में स्थित है (आंदे हमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), राज्यस्त्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में राज्यस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
अर्थ/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
मया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

ग्राम: ग्राम उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नंद लाल पुत्र श्री तरसोक चन्द निवासी  
9694 गली नीम वाली नवाब गंज दिल्ली; (2)  
श्री सुरेन्द्र नाथ पुत्र श्री नंद लाल निवासी 81 गुजरां  
वाला शहर पार्ट-II, ज० टी० करनाल रोड़,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदेश प्रसाद पुत्र राम नाथ निवासी 6177  
कुत्ता शिव मंदिर गली वातामा खारी बाबली,  
दिल्ली-6,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानों की संख्या नं० 9697-9798 गली नीम वाली नवाब  
गंज दिल्ली में स्थित है।

कु० आर० के० चाहल,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रज़न रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सो००, एक्य०/II, एस० आर०-I/1-8 ०/  
6160:—प्रतः मुझे, कु० आर० के० चाहूँ,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है  
और जिसका सं० एच/90-ए है, तथा जो कीर्ति नगर नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायमूल्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीज़री अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा  
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यात्:—

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री लाल मिह निशासी एम०-ओ०  
कीर्ति नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनीता रानी धर्मपत्नी अरविंद पाल सिंह  
दुग्लत निवासी 13-ए/21, डल्लू ई० ए०, करोल  
बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रज़न  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पृथ्ये व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्याकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

ल्पवडीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचायित है, कहीं  
प्रयोग होगा, जो उस प्रधायाय में विद्या गया है।

अनुसूची

हाई मंजिला मकान जोकि ब्लाट नं० 90-ए, ब्लाक एच,  
कीर्ति नगर, गोदा के इलाके बसाई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली  
में स्थित है।

कु० आर० के० चाहूँ,  
संभव अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रज़न रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8 सितम्बर, 1980।  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जेन रेज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस०प्रार०-I/1-80/  
6170—प्रतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,  
प्रोटेक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व  
के प्रधीन सर्कारी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० XII/9120 है तथा जो नवाब गंज आजाद  
मार्किट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर केने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थोरा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्वातः :—

(1) श्री कृष्ण लोल पुत्र वंसदा राम 9119-20, नवाब  
गंज दिल्ली अपने आप और जर्नल अटोरनी श्री  
भगवान शास और संत लाल वंसदाराम।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या रानी विधवा राम सरन भाटिया  
निवासी XII/9120 (जी० एफ०) नवाब गंज  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायात नं० /9120, नवाब गंज आजाद मार्किट  
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 132 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू/JJ/एस० आर०-I/1-80/

6174:—म्रतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 2/3 का XI है तथा जो 3630 सरक नकार खाना पटौदी हाउस दरया गंज दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम कौर धर्म पत्नी स्वर्गीय बकशी गुरचरन सिंह (2) बकशी ग्रलामगीर सिंह पुत्र स्वर्गीय बकशी गुरचरन सिंह (3) बकशी दीरी रंग सिंह (4) बकशी जगतार सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री गुरचरन सिंह निवासी लाल कोठी दरया गंज दिल्ली, (5) श्रीमति अमर कौर धर्मपत्नी और धर्मपत्नी बकशी बरकत सिंह ऐडवोकेट निवासी चौक फरीद, अमृतसर। (6) बकशी अफताब सिंह पुत्र स्वर्गीय बकशी गुरचरन सिंह जिला और सैशन जज गुरदासपुर (7) श्री गुरपरीत सिंह पुत्र बकशी अफताब सिंह (8) मास्टर बीरेंद्र परीत सिंह और मास्टर हरेन्द्र सिंह माईनर उसके पिता द्वारा श्री बकशी अफताब सिंह जिला और सैशन जज गुरदास पुर (पंजाब)। (अन्तरक)

(1) स० साधू सिंह पुत्र स० भगत सिंह निवासी ई-155 अकत नई दिल्ली-17, (2) श्री ईशर सिंह पुत्र स० कृष्णल सिंह निवासी 265 सैकटर 15 फरीदाबाद, हरियाणा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

2/3 हिस्सा कोठी का लाल कोठी वैरिंग म्यूनिसिपल नं० XI/3830 सरक नकार खना पटौदी हाउस दरया गंज दिल्ली में स्थित है। जोकि निम्न लिखित प्रकार से है।

उत्तर : नकार खना रोड।

दक्षिण : डेविट स्ट्रीट।

पूर्व : बिल्डिंग जानी जाती है हैंपिंग ब्रिज (मंडारी होमपोर्टेस)।

पश्चिम : लाल कोठी का बचा हुआ 1/3 हिस्सा।

कु० आर० के० चाहल  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रह्ल आई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
काय सिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/1-80/  
3045:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो 18 बीघा 6 बिश्वानी  
और 4 बीघा और 2 बिश्वा गांव नंगली पूना दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाखद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कायलिय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1980  
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री लखीराम पुत्र श्री अमय राम निवासी गांव  
नंगली पूना दिल्ली।

(प्रकाश)

(2) मैसर्स के० के० रबड़ इंडिया कम्पनी लिमिटेड  
सेमीपुरा बाबली, बिल्डी-42।

(गन्तव्यती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आक्षेप:—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना  
करी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से  
बहुध किसी अन्दर अन्तरिती इवारा अप्राप्यताकालीन  
पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हुपि भूमि जो कि खसरा नं० 20/7(18 बिश्वा 8  
बिश्वानी और खसरा नं० 20/6 (4 बीघा 2 बिश्वा गांव नंगली  
पूना, दिल्ली।

आर० के० चाहल  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृति:—

प्रह्लाद प्राईंटी ८० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)<sup>1</sup>

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विमानक 8 सितम्बर 1980

निवेदित सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस आर-II/1-80  
3060—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहूल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० ए०-1/49 है तथा जो पंखा रोड, रेजीडेन्शियल  
स्कीम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में क्यों करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

(1) श्री चितन्या कुमार रामपाल सन आफ हंस राज राम  
पाल ए-1/49 पंखा रोड, रेजीडेन्शियल स्कीम,  
जनक पुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार एण्ड उमेश कुमार सन आफ शादी  
लाल साहनी बी०-4/8, राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी बिल्डिंग जो की प्लाट नं० 49, ब्लॉक नं०  
ए-1, पंखा रोड, रेजीडेन्शियल स्कीम, जनक पुरी, नई दिल्ली  
में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 126 वर्ग मीटर है।

कु० आर० के० चाहूल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/1-80/

3073.—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-70 है तथा जो फतेह नगर मौहल्ला गुरु  
नानक पुरा नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 22-1-1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवृद्धि था, छिपाने में सुविधा  
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष को उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक:—

(1) श्री हरिन्द्र सिंह पुन श्री करतार सिंह बी०-70  
फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलराज कौर धर्मपत्नी श्री गुरबक्ष सिंह  
6444-41, बागीची ईमारी प्रसाद बाजार हिन्दु  
रामो, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तियां  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यम  
रखा है।

## अनुसूची

एक मकान घूनिसिपल नं० बी०-70 फतेह नगर नई  
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है जो कि  
निम्नलिखित है।

उत्तर :	रोड 15' चौड़ी।
दक्षिण :	रोड 25' चौड़ी
पश्चिम :	बना हुआ मकान जो प्लाट नं० 69
पूर्व :	बना हुआ मकान जो प्लाट नं० 71।

कु० आर० के० चाहल,  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण,  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

दृष्टप डॉ. दी. ए. एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/II/एस० आर०-II/1-80/

3081:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सी०-75 है तथा जो इंद्र पुरी नई विस्ती  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूरी रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी,

1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री मेजर के० सी० आनन्द पुरी श्री चानन दास  
आनन्द डी०-210 मालविया नगर ऐक्स्टैन्शन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कान्ता धर्मपली श्री पी० सी० चौधरी  
मार्केत के० सी० पुरी 55/1, पुराना राजन्द नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवधि:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना द्वारा भी अर्जन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्त-  
धृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**लक्षणीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित  
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि का एक हिस्सा जो कि प्लाट नं० सी०-75 इन्द्र  
पुरी कालोनी नई दिल्ली में स्थित है जोकि निम्नलिखित  
प्रकार से है। जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

पूर्व : प्लाट नं० सी०-74

पश्चिम : मकान प्लाट न० सी०-76

उत्तर : लेन

दक्षिण : रोड

कु० आर० के० चाहल  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/II/एस० आर०-II/1-80/

3081:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से प्रधिक है  
और जिसकी सं० 20/44 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली  
में स्थित है और (इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख जनवरी, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐड दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से प्रधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उदैश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुचित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिनते में सुविधा के लिए;

बता, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन  
निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात्

(1) सं० निर्मल सिंह पुन्न स० गंगा सिंह कापसहेड़ा,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र मोहन श्रेष्ठ पुन्न श्री मोती राम  
श्रेष्ठ, 20/44 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायंबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इसी सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में  
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित  
से किये जा सकेंगे।

एठी हरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रायांग 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिल मकान नं० 20 रोड न० 11 पंजाबी बाग  
नई दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 277.80 वर्ग  
गज है।

कु० आर० के० चाहल  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रस्तुप आई० ठी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू/II/एस० आर०-II/1-80/  
3083:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गा० पा०-208 है तथा जो हरी नगर कलाक टावर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचद्वारा अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), जिसकी रूपर्ता अधिकारी, के कार्यालय, नई दिल्ली:  
में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, नाम खा जनवर, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
वा कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया या  
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
धार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(1) श्री महिन्द्र नाथ, सन आफ नाधु राम, नव्यर,  
7/7, रेनवे क्षेत्र किशन गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री केसर मिह मन आफ सन्ता सिंह, मकान नं०  
16/139, गला नं० 2, टेन्क रोड, करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के सिए;

एक प्लाट जिम्यना नं० ३०३, गा० न० ५०, हरा नगर  
कलाक टावर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल २२० वर्ग  
मीटर है।

कु० आर० के० चाहल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002  
तारेख : 8-9-1980  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व् के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व् की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक:

प्रृष्ठ प्रृष्ठ आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्प०/II/एस० आर०-II/1-80/

3084:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहूल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 53-वी०/2 (हिस्मा) है तथा जो पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली में विथत है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायलिय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अधिनान प्रतिफल से ऐसे अधिनान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः:—(1) श्रोहन सिंह एण्ड चरण दाम, मन आफ हजार  
मल, 83, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल, सन आफ धरत राम, डब्ल्यू०-  
124, मेट्रो कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भे हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित भे किए जा सकते।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 2 है जो कि रोड नं० 53-वी०,  
पंजाबी बाग, मादीपुर स्टेट में स्थित है।कु० आर० के० चाहूल,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002तारीख : 8-9-1980  
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एव० एस०—--—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की ओरा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-I/1-80/  
6115:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की ओरा 269-ए  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० के०-4/20 है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतर (प्रत्यक्षरकों)  
और अन्तरितीयों (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए  
उपर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ब) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन बर देने के प्रत्यक्षर के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
मनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ए के अनुसरण  
में, ऐसे उक्त अधिनियम की ओरा 269-ए की उपमार (1)  
के 'अधीन' निम्नलिखित अधिकारी, अवैतः:—

(1) श्री उनी॒ न कुमार अग्रवाल पुत्र श्री इन्द्र जीत अग्रवाल  
वा०-49, गुजराती वाला टाऊन-I, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री मुरजित मलोता, श्रीमति मीहनी मलोता,  
और श्रीमति ऊषा मलोता निवासी के०-4 (के०-4)  
माडल टाऊन, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में नीई भी घटेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी के अधिकारी की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा, अधोहस्ताकरी के वास  
निवित में किए जा सकेंगे।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वैद्यतव्य  
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताकरी के वास  
निवित में किए जा सकेंगे।

प्रधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिपालित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक फो होल्ड प्लाट नं० 20 ब्लाक के०-14 जो कि  
माडल टाऊन कासीनी के नाम से जानी जाती है, गांव के  
इलाके मलोकपुर वडानी दिल्ली स्टेट दिल्लों में स्थित है।  
जो कि निम्नलिखित प्रकार से विवर हुआ है:—

ऊपर : प्लाट नं० के०-4/21

दक्षिण : प्लाट नं० के०-4/19

पूर्व : रोड

पश्चिम : प्लाट नं० के०-4/17

कु० आर० के० चाहल,  
सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रार्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री गुर चरण सिंह पुत्र फूला सिंह 5560 गली नं० 4, चन्द्रबल रोड, सज्जी मन्डी, दिल्ली।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सावित्री देवी धर्मपत्नी तुलसी राम गुप्ता  
नं० 3 2657 बसती पंजाबी बाग, सज्जी मण्डी,  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निवेदण सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-1/1-8 0/

6146:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ड०-०-१/५ बी० है तथा जो राणा प्रताप बाग  
विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वों संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आदि की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आदि या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बता: उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुदर्श  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरीय अधर्ता:—

11-276 GI/80

को यह सूचना आर० करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

सूचना सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नं० ड०-१/५ का आधा हिस्मा जो कि इस सम्बन्ध  
से ड०-१/५ बा से जाना जाता है। गाव सदौरा कलान महाल  
दार गाँड़न आवादी राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है।  
जो कि निम्नलिखित प्रशार में दिया हुआ है:—

उत्तर :	रोड
दक्षिण :	मकान थोःमति लीला वर्ती।
पूर्व :	मकान मं० ड०-१६
पश्चिम :	प्लाट नं० ड०-१/५ का आधा हिस्मा।

कु० आर० के० चाहल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-9-1980

मोहर :

प्रलेप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० प्रार०-1/1-80/  
६147—अतः मुझे कु० आर० के० बाहल

आयकर प्रविनियम, 1981 (1981 वा 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित वाजार पूर्ण 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं ० डी०-1/5-ए है तथा जो राणा प्रताप बाग दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में स्थित  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से एवं के दृग्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भव्यरक (भव्यरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण निम्नत में  
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के भव्यरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

१ श्री गुरुचरण सिंह पुत्र श्री फूला सिंह नं० 5560  
गली नं० 4, नई चंद्रावल सड़ी मण्डी दिल्ली।  
(अन्तरक)

२ श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी गौरी शंकर जिंदल 2675  
बन्ती पंजाबिन सड़ी मण्डी दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें के  
तिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घरें के समेत में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

साझे हरण ——इसमें प्रयुक्त अद्यां भीर पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-ए में परिमापित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

एक फीहोलड नं० ३१-1/5-ए गांव सदौरा कलान, महालदार  
गाउंत आवादी राणा प्रताप बाग में स्थित है। जिसका क्षेत्र-  
फल 148 वर्ग गज है जो कि निम्नलिखित प्रकार से विरा-  
हुआ है।

कु० आर० के० बाहल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II दिल्ली-10002

तारीख: 3-9-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एस. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, विनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं. प्राई. ए. सी. ०/एक्यू. II/एस. ० प्रार. ०-।/  
१-८०/६१५—अतः मुझे, कु. ० आर. ० के० चाहल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व(1) के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विवाद करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्रौंड जिसकी सं. ९०६२ का आधा हिस्सा राम बाग रोड  
दिल्ली में स्थित है (ग्रौंड इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन विनांक 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, तिभनिक्षित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या व्यव्यासितियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के घनसूचण  
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपलापा (1)  
के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1. मैसर्स वर्तानिया इण्डस्ट्रीज लिमिटेड श्री पी. सी. ०  
खन्ना डारेक्टर के द्वारा, 15 तारातोला रोड कलकत्ता  
(अन्तरक)

2. श्री संबल राम गुप्ता पुत्र श्री हरभूमारी लाल  
निवासी वी-२/१७ अशोक विहार फेज-II, मई  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५ दिन  
की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तापील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद किमी अन्तरित द्वारा, अधीक्षणात्मकी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचारित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं. ९०६२ का आधा हिस्सा राम बाग रोड  
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल २१५१.५० वर्ग मीटर  
है।

कु. ० आर. के० चाहल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीखः 8-9-1980

मोहूः

इच्छा आई० दी० एव० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी० /एच्य०/II/एस० आर०-1/  
1-80/6156—यह॑: मुझे, कु० आर० के० चाहल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उन्ना अधिनियम' कहा गया है), की आदा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा 9062 का राम बाग रोड  
दिल्ली में स्थित है (प्रौर इसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रति-  
कल के लिए प्रत्यक्षित की यहै है और मुझे यहू विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
सक्सके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया यथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रतिफल विविध में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिफल से तुर्हि किसी आय की वादत उक्त प्रवि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) तेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या  
अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः प्रब्र, उक्त प्रविनियम की आदा 269-ए के अनुसरण  
में, उक्त प्रविनियम की आदा 269-ए की इष्टाका (1)  
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स बत्तीनिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड पी० सी० आदा  
डायरेक्टर के द्वारा 15 तारासोला रोड, कलकत्ता।  
(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र गुप्ता एच०-22 प्रशोक विहार, दिल्ली-  
52।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आर० आर० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्द्धे के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्याप्त के संबंध में कोई भी विवेदः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवालि या तासंन्तरी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रदायि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों  
में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितवद्धि किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रथोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

**अन्तरिकरणः**— इसमें प्रदूषत अव्याय और पर्दों का, जो उक्त  
प्रविनियम के अव्याय 20-ए में  
परिवर्तित है, वही पर्यंत होगा जो उक्त  
अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 9062 का आधा हिस्सा जो कि राम  
बाग रोड दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 2151 वर्ग  
मीटर है।

कु० आर० के० चाहल  
सहायक आयकर प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)-  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 8-9-1980

मोहरः

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1980

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/  
I-80/6159—यतः, मुझे कु० आर० के० चाहू०,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०-72 है, तथा जो सी० सी० कालोनी  
राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्टमान प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, इक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ को संपादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत:—

1 श्री अमरीक निह पुत श्री हजूर मिह निवासी 72-  
बी० सी० सी० कालोनी अपोजिट राणा प्रताप  
बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रकला धर्मपत्नी श्री उमा शंकर 790  
कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, यशोदस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही  
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिंगल भकान नं० 72 बी० सी० सी० कालोनी  
अपोजिट राणा प्रताप बाग में स्थित है। जिसका ऑफिसल  
84 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहू०  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई टी. एन एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-III/।-८०/८९२—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० खाली भूमि है तथा जो 5 बिंदा गांव खानपुर  
देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपार्वक अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

(1) सुदर्शन जौहर धर्मपत्नी ब्रिगेडियर आई० जे० एस०  
जौहर राजिन्द्र पाल सिंह जौहर पुत्र ब्रिगेडियर  
आई० जे० एस० जौहर और श्रीमती रोहनी  
जौहर पुत्री ब्रिगेडियर आई० जे० एस० जौहर  
सी०-150 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलशन कौर पुत्री श्री ज्ञान सिंह धर्म-  
पत्नी श्री अमरजीत सिंह निवासी आर-211  
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्बाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुलिपिः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघा खसरा नं० 594 ऐरिया 3 बीघा  
18 बिस्ता खसरा नं० 601 ऐरिया 10 बीघा 2 बिस्ता  
गांव खानपुर देवली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/  
1-80/891—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो 5 बीघा गांव खानपुर  
देवली, दिल्ली में स्थित है (अग्र इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकेशन अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980  
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लाए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की आवत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सुदर्शन जौहर धर्मपत्नी लिंगेडियर आई० जे०  
एस० जौहर, राबिन्द्रपाल सिंह जौहर पुत्र लिंगेडियर  
आई० जे० एस० और श्रीमती रोहनी जौहर पुत्री  
लिंगेडियर आई० जे० एस० जौहर, निवासी सी०-  
105, डिफैस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश कोरपुत्री मनी सिंह धर्मपत्नी जय सिंह,  
आर-211, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर उक्त सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 5 बीघा कमपैरिंजिंग पार्ट  
का हिस्सा नं० 601 ऐरिया 3 बीघा 14 बिंशवा खसरा नं०  
602 ऐरिया 1 बीघा 6 बिंशवा, गांव खानपुर देवली,  
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1980

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं. आई.ए. 10 सी.ए.एम्यू. 1/एस.आर. 11/  
1-80/889—यतः, मुझे, आर. बी.ए.एल. प्रग्वाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19 बीघा 19 विश्वा  
गांव खानपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी 1980  
को पूर्वोक्त गांति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमाम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमाम प्रतिफल से, ऐसे दरमाम प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर्ती (अन्तरिती)  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंटी किस, दाय न; 1922 का या अन्य आस्थियों  
को, जिन्हें उक्त अधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारों—

1. श्रीमती सुदर्शन जौहर धर्मपत्नी ब्रिगेडियर आई. जे.एस.  
जौहर श्री रविंद्र पाल सिंह जौहर पुत्र ब्रिगेडियर  
आई. जे. एस. जौहर और श्रीमती रोहनी जौहर  
पुत्री ब्रिगेडियर आई. जे. एस. जौहर निवासी  
सी. 105 डिफेंस कालेजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जिन्दर कौर पुत्री श्री अवतार सिंह निवासी  
आर-211 प्रेटर कैलाश नई दिल्ली और सं. ०  
मनमोहन सिंह आर-211 प्रेटर कैलाश-०, नई दिल्ली  
और धर्मवीर सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह ई. १४१ प्रेटर  
कैलाश-१, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप्—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि गांव खानपुर देवली नई दिल्ली में स्थित है  
जिसका क्षेत्रफल 19 बीघा 19 विश्वा है।

आर. बी.ए.एल. प्रग्वाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-80

मोहर:

प्रकाशन आई० टी० एन० एस०--

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निवेदित सं० आई० ए० सी०/एस्य०-ए०/एस० आर०-III/  
1-80/899—ग्राम: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ई-170 है तथा जो कालका जी  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, सारीख 23 जनवरी 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, तथे दृष्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रमाणक  
(प्रमाणकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रत्यरोपण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्राम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुदरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

12-276GI/80

1. श्री सत्या देव, ई-170, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्री बलवंत सिंह नाग, ई-170, कालकाजी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के  
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या उससम्बन्धी अवित्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधिकृताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 1/2 मंजिल मकान जो कि फी होल्ड नं० ई०-170  
कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है जो कि निम्न प्रकार से  
घिरा हुआ है।

East : 30 ft. wide lane  
West : Park & lane  
North : House No. E-171  
South : House No. E-169

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,)  
अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक: 10-9-1980

मोहर:

प्र० प्र० आ० टो० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आ० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/  
1-80/886—यतः, मुझे, आर० बी० एस० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-193 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18 जनवरी 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री राज के मेहरा पुन्न श्री सर्व दयाल, सी०-189,  
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डॉक्टर आशा प्रकाश, ए-193 डिफेंस कालोनी नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० ए०-193, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में  
स्थित है जिसका क्षेत्रफल 216.66 वर्ग गज है। जोकि  
निम्न लिखित प्रकार से है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 10-9-1980  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III  
1-80/875—यतः, मुझे, आर० वी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एस-264 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 15 जनवरी 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनंतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती श्रावा मेहता, के०-९, कृष्णा नगर, दिल्ली उसके  
जनरल अटोरनी श्री दीपक मलोता, निवासी 4/12  
निवासी 4/12 मर्व प्रिया विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार उपल, निवासी एच-17/5, मालवीया  
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में, दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट नं० 264, ब्लाक एस०, ग्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 299 वर्ग गज है। जो-  
कि निम्न लिखित प्रकार से है।

आर० वी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/

1-80/867—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० I/45 है तथा जो जंगपुरा, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 14 जनवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, म<sup>4</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती धर्म देवी मेहता, ए-15/2, बसंत विहार, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लाल चंद, फ्लैट नं० 23, जंगपुरा मार्किट, जंगपुरा  
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धृत  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

2½ मंजिल बिल्डिंग म्यूनिसिपल नं० I-45, जंगपुरा  
एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है जो कि निम्न प्रकार से है:—

पूर्व:—सर्विस लेन

पश्चिम:—रोड

दक्षिण:—सर्विस लेन

उत्तर:—मकान नं० I-44।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-80

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

गवर्नर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नईदिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/पक्य०-१/एस० आर०III/  
1-80/885—यत्., मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भी०-443 है तथा जो डिकेंस कालोनी, नई  
दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 10 जनवरी 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और आतंरिकी (अंतरिकियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण रे नई नियो आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को,  
जिन्हें पार्सीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,  
या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया या या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

1. श्री किशन कुमारधर 159-डी, राजपुर रोड, देहरादून  
(यू० पी०)।

(अन्तरक)

2. श्री के० प्रकाश आनन्द और श्रीमती एस० रानी,  
दोनों निवासी 35/14 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2½ मर्जिल विलिंग जमा एक गैरज और नौकर  
क्वाटर, प्लाट नं० सी०/433, डिकेंस कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०ए० क्य०-१/एस० आर०-III

1-80/883—यतः मुझे आरा० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
स्ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एग्रीकल्चर है तथा जो 5 बीघा 7 बिंदा, गांव  
हौज रानी, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी

1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवाब पुद्र मौजी, निवासी गांव हौज रानी, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मंसर्स जी० एस० दुगल व कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,  
ए-12, वस्ट एराड नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख और  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

वकृत्युती

कृषि भूमि खसरा नं० 407(2-05), 408(2-09),  
1/24th (0-04) और 1/2 423 (3-10) 1-15 और  
पूरा हिस्सा 420(3-08) जमा 5-07 गांव हौज रानी  
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

आरा० बी० एल० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विमांक: 10-9-1980  
मोहर:

प्रस्तुप् बाई<sup>१</sup>, टी. एन्. एन्.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आरा० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आरा०-III  
1-80/854—यतः, मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-42 है तथा जो प्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती रीटा आनन्द घर्मपत्नी श्री वेद प्रकाश आनन्द  
निवासी Nil-74/A, मालवीया नगर  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबीबा सिंह खुराना, निवासी E-118, ईस्ट प्रेटर  
कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाधरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मर्पिताधित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममूसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० 42 ब्लाक नं० एस०, प्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज  
है।

पूर्वः सर्विस लेन

पश्चिमः रोड

उत्तरः प्लाट नं० एस-40

दक्षिणः प्लाट नं० एस-49।

आरा० बी० एल० अग्रवाल,  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 10-9-1980

मोहरः

## प्रकप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-व (1) के प्रयोग सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III  
1-80/858—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिम्ना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० I है तथा जो सैर्किंड फ्लौर  
कम्पशियल कम्पलैक्शन ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं छिया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापसी, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्ननिवित अवक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० विलहम 21-22 नरेन्द्रा  
प्लैंग पालियामेट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. दी० इन्दरी प्राह्वेट लिमिटेड डब्ल्यू०-I, ग्रेटर कैलाश-I,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा द्वारा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिचालित है,  
वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, सैर्किंड फ्लौर कम्पशियल कम्पलैक्शन ग्रेटर कैलाश  
, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
मध्यम प्राधिकारी  
'सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेज I, नई दिल्ली'

तारीख : 8-9-1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०——  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य० II/एस० आर-III/80  
857—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' रहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० फ्लैट सं० 1 है तथा जो सैकिंड फ्लौर कमर्शियल  
कम्प्लैक्स ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तत्पर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाब्दिक उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण धन या अन्य पास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के प्रा-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, घास्ति:—

13—276GI/80

- (1) डी० एल० एफ० बिलडर  
21-22 नरणा प्लैश पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली  
(अन्तरक)  
(2) दी इंद्री प्राइवेट लिमिटेड  
डब्ल्यू-I, ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्वच्छीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधान 20-व में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6 सैकिंड फ्लौर कमर्शियल कम्प्लैक्स ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, विल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 8 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन आई०पी०ईस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/1-80/  
861—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'इकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के शधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण द्वारा इकाई संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वैशमेंट नं० 2 है तथा जो वैशमेंट फ्लौर कम्पशियल कम्पलेक्शन ग्रेटर कैलाश-II में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथोपर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिकारी के द्वारा देने के अन्तरक के बायक्ति में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

यहां अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्ज 21-22 मैरेन्ड्रा पलेश पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. दी इन्डियन प्राइवेट लिमिटेड इल्लू-I, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

की यह सूचना आरोप सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहियी पुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अधिकारियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर सम्पत्तियों में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी अन्य अधिकता द्वारा, पूर्वोहन्नाकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

लक्ष्यांकन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैशमेंट नं० 2 ; वैशमेंट फ्लौर कम्पशियल कम्पलैक्शन ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तु आहू, टी. एन. एस. ——————

बायकुत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकुत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III

1-80/896—यस: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 17 बिधा 18 विश्वा  
गांव सतवारी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यगान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यगान प्रतिफल से, ऐसे दस्यगान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक  
लक्ष्य से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या बन्द आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
मेरी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्री अशोक कुमार थापर पुत्र श्री प्रेम नाथ थापर  
और प्रेम नाथ थापर पुत्र श्री कुंज बिहारी थापर  
निवासी अशोक थापर फार्म छत्तर पुर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री अमृत लाल सरना पुत्र डाक्टर विद्या प्रकाश  
सरना निवासी बी०-४/३९ सफदरजंग इनकलेव  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 518 (4—16) 519 (4—16)  
520 (4—16) 523/2 (3—12) i.e. 17 बीचा 18  
विश्वा उसके साथ द्यूबैल गांव सतवारी तहसील महरौली  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सहायक आयकर बायकुत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः 10-9-1980

मोहरः

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/  
1-80/890—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।  
और जिसकी सं० कृषि भूमि 5 बीघा गांव खानपुर देवली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनूसूची में और  
पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जनवरी 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प्र के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

(1) श्रीमती सुर्देशन जौहर धर्मपत्नी विग्रेड्यर आई० जी०  
एस० जौहर राविन्द्रपाल सिंह जौहर पुत्र विग्रेड्यर  
आ० जे० एस० जौहर व रोहिन्द्रा जौहर पुत्री विग्रेड्यर  
आई० जे० एस० जौहर निवासी सी-105  
डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमणी हरदीत कौर पुत्री धर्म सिंह धर्मपत्नी नारायण  
सिंह ई-141 गेटर कैलाश-I नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहृस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त्त होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनूसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा कमपराईजिंग खसरा  
का हिस्सा सं० 593 एरिया 3 बीघा 11विस्ता खसरा नं० 605  
एरिया 1 बीघा 9 बिस्ता गांव खानपुर देवली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, विस्ती, नई दिल्ली-110002

दिनांक 10 सितम्बर 1980  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एन ब्लाक

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निवेंग सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-III/1-80  
869—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एन-16 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 15-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे असारण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
रहेंगे से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन छार देने के अस्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-  
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एम० भन्डारी निवासी-140 ग्रेटर कैलाश  
पार्ट-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र सिंहठंडन नं० 16 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्येक द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही  
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक संजिल मकान जो कि प्लाट नं० 16 ब्लाक एन ग्रेटर  
कैलाश-I नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 635 वर्ग  
गज है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8 सितम्बर 1980  
मोहर :

प्रेस्प्र आई० टी० एन० एस० —————

1. श्रीमती चन्द्र ढाढ़ा निवासी 654/1 गुरदेव नगर  
पखोवाल, लुधियाना  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) ने अधीन सूचना

2. मैसर्स दिलजीत एक्सपोर्ट्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड  
5/70 डल्लू एफ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/  
1-80/897—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-45 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 22 जनवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अनुसूणा लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की वादत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) यूसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयान्हां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी अकिञ्चित द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-45 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है। जिसका  
क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन एच ब्लॉक,  
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8 सितम्बर 1980  
मोहर :

प्रस्तुत आद्दे. डी. एन. एस. —————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/१-८०/  
४७६—प्रतः मुझे आर० बी० ए० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ९ बीघा २/३ बिस्वा (कृषि भूमि) गांव  
देवली तहसील में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली महरौली दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-१-८०

को पूर्वांकित सम्पैते के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित डूड़ेव में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री साहिब सिंह पुत्र श्री नेकी निवासी गांव देवली  
तहसील महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री हरविंद्र पाल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह आनन्द  
एन-३ एन० डी० एस० है० पाट-१ नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध विक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रत्यक्षत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कृषि भूमि गांव देवली तहसील महरौली नई दिल्ली जिसकी  
प्राच्या निम्नलिखित है।

रेजूलेशन नं० रैक्ट नं० खसरा नं० एरिया बीघा विस्वा  
18/114 50 3 4 15  
4 4 4 10  
5 4 12  
6 4 16  
7 4 15  
8 4 16  
26 0 0 5  
28 0 9  
1/3rd share being 9 Bigha 9-2/3 biswas

आई० बी० ए० अग्रवाल  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,  
इन्डप्रस्थ इस्टेट दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-९-१९८०  
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/  
1-80/877—थतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक] है,  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 1 बीघा 9-2/3  
विस्ता गांव देवली तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 16 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूसर्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल,  
विस्तारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कहित नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में  
कमी करने पर उससे वधुमें सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन विस्तारित अन्तरिती—

1. श्री मोहिंद्र सिंह कन्स्टीट्यूट अटारनी करतार सिंह गौव  
देवली तहसील महरौली, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरविंद्र पाल सिंह आनन्द एन०-3, एन० डी०  
एस० ई० पार्ट-I, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से  
किसी अविक्षय द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रथम अविक्षय द्वारा, अप्रोक्स्टाशनी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अड्याय 20-क में परिचालित  
हैं, उन्हीं अन्य होगा जो उस अड्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि गांव देवली तहसील महरौली, नई दिल्ली जिस  
की आख्या निम्नलिखित है:—

रेजूलैशन नं०	रेक्टर नं०	खसरानं०	बीघा एक्या	विस्ता
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05

28 09

1/3rd share being 9 बीघा 9-2/3 विस्ता

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

## प्रस्तुति आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/  
1-80/878—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ९ बीघा ९-२/३ विश्वा गांव देवली तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 जनवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जीत सिंह पुत्र श्री नेकी निवासी गांव देवली तहसील महरौली दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरविद्र पाल मिह पुत्र मोहन मिह आनन्द एन०-३ एन० डी० एस० ई०-१ नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव देवली तहसील महरौली नई दिल्ली में है। जिसकी आव्याय निम्नलिखित है:—

रेजिस्ट्रेशन	रेकट नं०	खसरा नं०	बीघा	विश्वा
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
				28
				09

1-3rd share being 9 bigha 9-2/3 biswas

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-80

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० पन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य००-/एस० आर०-III/1-80/1734—यहां, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उत्तरात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की घारा 269-व (1) विभीत भ्रम प्राधिकारी द्वारा, यद् विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि (8 बिंदा 16 बिंदा) है तथा जो मुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वरापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचतें में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किछी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, उपासे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों अर्थात् :—

1. श्री बलबीर सिंह मेहराज सिंह, आशा राम पुत्र श्री राम लाल गांव मुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री नथू राम केयर आफ इन्डो स्वीस टाईम लिंग गांव लूडेरा, गुडगांव (हरयाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का नस्तम्बन्धी अधिकारों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधिकार द्वारा अघोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बिंदा और 16 बिंदा खसरा नं० 64 जोकि गांव मुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 26७-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 निसंबर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/  
1-80/1731—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
26७-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि है तथा जो 19 विधा 16  
जिस्वा है तथा जो गांव मुलानपुर तहसील महरौली नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुभूति में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16),  
के अधीन, दिनांक 25 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26७-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 26७-ष की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री रामजी लाल पुन्न श्री नाथन सिंह गांव सुलतान  
पुर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द गुप्ता पुन्न श्री नथू राम केयर आफ  
इन्डो स्वीस टाइम लिंग गांव दूडेहरा गुण्डांव  
(हरियाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वये व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 विधा 18 विस्वा  
खसरा नं० 65 है तथा जो गांव मुलानपुर तहसील महरौली  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्रलेप आई०टी०एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-III/  
1-80/1760—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है जो कि स्ट्रीट नं० 1, शान्तिपथ  
एक्स्ट्रेन्यून नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है;—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजमार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डाक्टर कंवर सैन और श्रीमती शुशीला देवी द्वारा  
126 पंचशीला पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधा जजोदिया धर्मपत्नी श्री एम० के०  
जजोदिया व सनदीप कुमार जजोदिया पुत्र एट०  
के० जजोदिया बी०-62 पश्चमी मार्ग वसंत विहार  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

फो यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 17 स्ट्रीट नं०-1 शान्ति पथ एक्स्ट्रेन्यून  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/  
1-80/866—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- सरपे से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 9 से 11 फ्लैट प्लौर कमर्शियल कम्प-  
लैक्स ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980  
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा या या प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से दृई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आविष्ट था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरेन्द्र प्लैस  
पालियामैट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाईन (नई दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड  
डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कायंवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में निर्मायित है, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एक फ्लैट नं० 9 से 11, फ्लैट प्लौर कमर्शियल कम्पलैक्स  
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-9-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002,

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-१/एस० आर०-III/  
1-80/865—अतः, मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 17 है, तथा जो ग्राउंड फ्लौर  
कर्मिशयल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दूसराने प्रतिफल से ऐसे दूसराने प्रतिफल के पञ्चव  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभव  
में, भै०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० विल्डर्स 21-22, नेट्रिट  
प्लैस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स डिजाइन (न्यू दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड कम-  
शियल कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक दुकान नं० 17 ग्राउंड फ्लौर, कर्मिशयल कम्पलैक्स,  
ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली।

आर० बी० ए८० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० ८८० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्यू०/१/एस० आर०- /  
1-80/864—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ए. भे अधिक है।

और जिसकी मं० पैटेंट नं० 7 व 8 फस्ट फ्लौर है तथा जो कर्मशियल  
कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उग्रबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल गे, एसैं दूर्घात प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अन्तरण  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उत्तर अव उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यवितरण, अधोतः—

1. मैसेस डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरेन्द्रा प्लैस  
पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसेस डिजाइन (नई दिल्ली) प्रैवेट लिमिटेड,  
डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यनाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

**अनुमति**

एक फ्लैट नं० 7 व 8 फस्ट फ्लौर कर्मशियल कम्प्लेक्स  
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुति आई. दी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ए०स० आर०-III/  
1-80/862/ —यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो सैकिंड फ्लौर कम-  
शियल कम्पलैक्शन ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपांचाल अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की आवत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तीर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरेन्द्र  
प्लैश पालियामैट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाइन (न्यू दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड इक्यू०-  
I, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिं-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### बनाम

फ्लैट नं० 7 सैकिंड फ्लौर, कमर्शियल कम्पलैक्शन ग्रेटर  
कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-III/

1-80/863—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसको पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बैसमैट नं०-1 बैसमैट फ्लौर कमर्शियल  
कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी

1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण भे ज्ञन अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से काँधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की 'उपबारा (1) के  
अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

15-276 GI/80

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरेन्द्र  
प्लैन पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाईन (न्यू दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड उद्योग  
, ग्रैटर कैलाश-I नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

**अनुसूची**

एक मकान बैसमैट नं०-1 बैसमैट फ्लौर कमर्शियल कम्प-  
लैक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० प्रत० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/

1-80/860—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ग के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय विभाग, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 1 है तथा जो सैकिंड फ्लौर कर्मिशायन कम्पलेक्स प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रदृढ़ प्रतिगत में प्रधिक है और अन्तरक (सम्पत्तियों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के सिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया विन्मतिविहित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित में दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आन्तरिकों को जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 ए० सैकिंड फ्लौर कर्मिशायन कम्पलेक्स, प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तररूप में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन विन्मतिविहित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रकप आई० टी० एम० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के पश्चीन सूचना

सारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/  
1-80/859—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन समान प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय संपत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो सैकिंड फ्लौर कम-  
शिल कम्पलैक्शन ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावस्था अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्डहृ  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अवतरण तिथित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की शाष्ट उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी  
करने या उससे उत्तर में दुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रधानार्थ अस्वार्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अवृत्त:—

1. मैसर्सी डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरेन्द्र पलेस  
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. दी इंदुरी प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू-I, ग्रेटर कैलाश-I,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्याद्विधान करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मा. आक्रम।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि ताकि उससंबंधी अवित्तियों पर सूचना  
को वामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों  
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अवधि संपत्ति में दिस-  
बदू किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहुस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट नं० 3, सैकिंड फ्लौर कमशिल कम्पलैक्शन  
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
संकेत प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/  
1-80/1703—यतः, मूले आर० बी० एल० अग्रवाल,  
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिस की सं० 7/21 बी० है सथायों जो नई रोहतक रोड नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक  
5-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूषणात् प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूले यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूषणात् प्रतिफल से, ऐसे  
दूषणात् प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
भवतरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
प्रयोग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अस्ति।—।

(1) श्री चन्द्रलाल 7/21 बी० नई रोहतक रोड  
नई दिल्ली-5।

(अन्तरक)

(2) वैशा को० प० आदर्श बैंक लि०  
3-नेताजी सुभाष मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक छाई मंजिला मकान जो प्लाट नं० 7 ब्लाक नं० 21-बी पर बना है क्षेत्रफल 315 वर्ग गज है नई रोहतक रोड नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर : मैन रोहतक रोड

दक्षिण : पार्क व सर्विस लेन

पूर्व : प्लाट नं० 6

पश्चिम : प्लाट नं० 8

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-I, दिल्ली-110002

दिनांक : 10 सितम्बर 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एव० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 1/एस० आर० III/1-80/  
1735—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 169 है तथा जो गोल्फ लिंक्स नई दिल्ली में स्थित  
है (ग्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रतिरक्षण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया जाया  
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए।

(1) श्रीमती शशुन्तला भंडारी, ए-274 न्यू फेरेन्स कालोनी  
नई दिल्ली व कुसुम लता चोपड़ा एच-4/9 माउल  
टाउन दिल्ली ।।

(अन्तरक)

(2) भारत कन्सलटेन्ट्स प्रा० लि० 15/96 सिविल लाइन्स  
कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के  
पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लाट व विलिंग नं० 169 गोल्फ लिंक्स नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिनांक : 10-9-80

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुदरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रृंग प्रस्तुति एवं एकान्तरण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० मी०/एक्य० - /एस० आर० IV/1-80/  
1277—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सकारा अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है।

और जिसकी मं० डी० 3/20 है तथा जो कृष्ण नगर नई विल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुमूली में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
23-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी ढन या अन्य प्राप्तियों  
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रतीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथति :—

- (1) श्रीमती दुर्गेश मेहता पत्नी हरीश मेहता डी-5/20  
कृष्ण नगर नई दिल्ली-5। (अन्तरक)  
(2) श्रीमती शीला वन्ती पत्नी कीमती लाल 322 रामनगर  
दिल्ली

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई सी घाषेव।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास सिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान प्लाट नं० 20, थेट्रफल 200 वर्ग गज ब्लाक डी-3,  
कृष्ण नगर नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन

पूर्व : मकान नं० डी-3/21

पश्चिम : मकान नं० डी-3/19

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रलेख आई० टी० ए० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/-I/एस० आर० IV/  
1-80/1285—यतः मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो चन्द्रावली कबूल नगर शाहदरा में  
स्थित है (प्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रक्षरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अधिकारी के  
धार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगशार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रर्षतु :—

(1) श्रीमती ग्रामारानी पत्नी सुभाष चन्द निवारी 6791

बी०/१ कबूल नगर शाहदरा दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतोष कुमारी जैन पत्नी रमेश कुमार जैन

2367 छता शाहजी चावड़ी बाजार दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अधिकत हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में द्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य अधिकत हारा, अधीक्षिताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त पार्वते और पर्वते का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ हीरोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो प्लाट नं० 6 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज,  
खसरा नं० 1919/26 खेड़ठ नं० 1734 खतूनी नं० 1882 पर  
बना है गांव चन्द्रावली, कबूल नगर शाहदरा दिल्ली में स्थित  
है।

आर० बी० ए८० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रदूष प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-1-80/1761—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एल०-18 है तथा जो एन० डी० एस० ई० भाग II नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपायदृ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 जनवरी 1980

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढोके से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(अ) अन्तरण से ही किसी प्राय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य प्राप्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदृढ़ नहीं किया जाय या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः दब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ के अनुचरण में, वै, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्तः—

1. श्रीमती जसवन्त सैनी पत्नी श्री जगदीश सैनी निवासी मुकरेन जिला होशियारपुर (पंजाब)  
(अन्तरक)

2. श्री रघुबीर मिह पुत्र जोध सिंह निवासी 674 नार्थ ब्रिज रोड सिंगापुर और श्रीमती भगवन्त कौर पत्नी रघुबीरसिंह एल० 18 डी० एस० ई०, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाइ देश में समाप्त होती हो, के लोनर और उक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशों की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रथ्य अवित्य द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वारा जो उप अ.पा. में दिया गया है।

अनुसूची

एक छाई मजिला मकान नं० एल०-18 जिसका क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर है तथा जोकि नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन भाग-II नई दिल्ली में स्थित है।

पूर्व—सर्विस लेन

परिवर्तन—रोड

उत्तर—प्लाट नं० एल०/18 प.

विक्षिपण—रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सहायक अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/I/एस० आर०-  
1-80/1702—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि (18 बीघा 4 विश्वा)  
है तथा जो गांव छत्तर पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11  
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या हिया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-276GI/80

1. श्री प्रेम कुमार सहगल पुत्र स्व० महर चन्द्र सहगल  
निवासी बी-3 महारानी बाग नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री रेनू नरायण पत्नी श्री अमरीत नारायण मास्टर  
उक्त सेठमास्टर वस्तन सेठ दोनों पुत्र श्री अनिल  
सेठ केयर आफ/1 ए राजहंस 33 पृष्ठी रोड  
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतानुसारी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

उपलब्धोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जोकि 18 बीघा 4 विश्वा खसरा नं०  
727, 728, 729 और 730 जोकि गांव छत्तर पुर में  
स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० ठी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्कलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III  
1-80/1713—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थान सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एपए से अधिक है

और जिसकी सं० XVI/10272 है तथा जो अल्य० ई० ए०  
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 16 जनवरी 1980  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपर्युक्त अनुलूप से कम के वृथमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की वावस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपर्याका (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमली कुण्डा वसी पत्नी श्री महर अन्द  
1/50 अल्य० ए० करोल बाग और मोतिया देवी  
पत्नी स्व० श्री महर अन्द सराफ 6/51 अल्य०  
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. 1. श्री पुरी लाल पुत्र श्री रामलाल  
(2) श्री हरिश  
(3) श्री सुरेन्द्र कुमार और  
(4) श्री राजन्दर पाल श्री चुनी लाल निवासी  
4868 गली नं० 36 रेगरपुरा करोल बाग  
नई दिल्ली।

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवृत्ति या तरसम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी  
प्रवृत्ति वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितुकड़  
किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**उपर्युक्त :**—इसमें प्रस्तुत शब्दों प्राय वदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं  
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अर्द्ध मंजिला मकान नं० XVI/10272 जो कि अल्य०  
ई० ए० करोल बाग में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 234 खंड  
गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भू-विज्ञानी परीक्षा, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

सं० 4/2/80-प I (ख) — भारत के राजस्व दिनांक 11 अक्टूबर 1980 में इस्पात और ज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अग्रसरता, अहमदाबाद, एजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बृहदी, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, विल्सोन (गोहाटी), हैदराबाद, इस्फाल, इटानगर, झग्गुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, मागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेंद्रम में 24 मार्च, 1981 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रीय तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख से परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जायेगा (देखिये अनुच्छेद I पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पदों के बारे के लिये भर्ती की जानी है वे तथा विविध पदों के लिये रिक्तियों की अनुमानित संख्यायें नीचे दी जाती हैं :—

वर्ग I : (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और ज्ञान मंत्रालय के पद)

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) 107 (इनमें अ० जा० के शुप "क") उम्मीदवारों के लिये 16 और अ० ज० जा० के लिये 8 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।

(ii) सहायक भू-विज्ञानी 40 (इनमें अ० जा० के उम्मीदवारों) के लिये 6 और अ० ज० जा० के लिये 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।

वर्ग II : (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, कृषि मंत्रालय के पद) सहायक जल भू-विज्ञानी, 8 (इनमें अ० जा० के शुप "ख") उम्मीदवारों के लिये 1 और अ० ज० जा० के लिये 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारम्भ में नियुक्तियाँ अस्थाई आधार पर की जाएंगी। स्थाई रिक्तियाँ उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने क्रमानुसार स्थाई रूप से नियुक्ति के पास होंगे।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सभी या किसी एक पद पर नियुक्ति के लिये परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। उसे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिये उम्मीदवार माना जायेगा जिसके/जिनके लिये वह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक वर्ग के पदों के उम्मीदवार की हीसियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक पद के लिये अलग-अलग नहीं जिसके लिये वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन-पत्रों में उन पदों का स्पष्टतया उल्लेख करें जिन पर वे वरीयता कम में विधार किये जाने के इच्छुक हों।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण वो रूपये देकर आयोग [से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर, द्वारा भेजी जानी चाहिये। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायेगी।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भू-विज्ञानी परीक्षा, 1980 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1980 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रत्येकों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 8 दिसम्बर, 1980 (8 दिसम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से बिदेशों में तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्ष्मीप, असम, मेघालय, ग्रहणाचल

प्रदेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 22 दिसम्बर, 1980) तक या उससे पहले डाक अवश्य मिजवा दिया जाये या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाये। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्ष्मीपूर, असम मेघालय अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो उस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 8 दिसम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्ष्मीपूर, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम [मणिपुर, नागालैंड त्रिपुरा सिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंटर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च अपर्युक्त राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह “051 सोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिये।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाये पूरी नहीं होनी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारों पर लाग नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है, जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (झज्जर बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्षा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद

भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी किन्तु यदि नियम 7 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हक दान नहीं होगा।

उपर्युक्त उभयन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार 1980 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बैठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव का प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1980 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुरोधी हो जाती है, तो 1981 के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुल्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1980 की परीक्षा के अन्तिम परिणाम की घोषणा के 30 दिन के भीतर प्राप्त हो जाए।

10. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विवार नहीं किया जाएगा।

11. जैसाकि नियमावली के परिशिष्ट 1 में निर्दिष्ट है सभी विषयों के प्रश्नपत्र ‘वस्तुपरक’ होंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तु परक परीक्षण से सम्बन्धित विवरण के लिए कृपया “उम्मीदवार सूचना विवरणिका” का अनुबन्ध II देख लिया जाए।

अनुबन्ध Iउम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भरने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अनिम रूप से चुन लेना चाहिए। समान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सबध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावरी कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है;

सभी उम्मीदवारों को चाहे वहाँ से पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपकरणों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह सब लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर व्यायी या अस्थायी हैं सियत में कार्यप्रमाणित कर्मचारियों की हैं सियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्तन (ग्रंडरेटिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है, कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क माफी हेतु दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए : नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।

(ii) आयु के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी.  $\times$  7 सें. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पूछ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(v) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ सलग) विधिवत भरा हुआ।

(vi) लगभग 11.5 सें. मी.  $\times$  27.5 सें. मी. आकार के विना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिनपर आपका पता लिखा हो।

(vii) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(viii) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए, नीचे पैरा 5)।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vii) और (viii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु उन्हें साक्षात्कार के लिए अंतता प्राप्त कर लेते हैं उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जून, 1981 किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए संयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं। और मद (vii) और (viii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित इंडियन-पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर “सचिव, सब लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर हीनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखाकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना नुरक्षित नहीं है।

#### (अ) निर्धारित शुल्क के लिए रेखाकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय हो, तथा विधिवत् रेखाकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र : आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संधारित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदर्शकों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के बाक्याश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती। या आयु को केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और गहने हो दिए द्वाते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की 3 अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से निए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र भे उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदर्शों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में वी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

टिप्पणी 1 :—जिन उम्मीदवारों के पास फढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो; उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रबिल्ड वाले पूछ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आपसे द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(II) योग्यता का प्रमाण-पत्र : उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक मोम्पता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अस्त्रौलिक विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी

जाएगी और यदि वे प्राह्लंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 जुलाई, 1981 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) **फोटो की दो प्रतियाँ:** उम्मीदवार को अपने हाल ही के प्राप्तपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × ७ सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपरिक्तांपत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्वाही के हस्ताक्षर करने चाहिए।

**उल्लङ्घन होने के बेताजनी दी जाती है कि** यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(II), 3(III) और 3(IV) में दर्शित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी वहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र [अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माताननिता (या जीवित माता या पिता) अम्म सौर से रहते हों, जिस धरिकारी उप-मण्डल धरिकारी या किसी अन्य ऐसे धरिकारी से जैसा कि भीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम धरिकारी के रूप में भागित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के धरिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

**भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने काले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों हारा प्रस्तुत किया जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।**

..... सुपुत्र/सुपुत्री\* ..... जो  
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
जीव/जीवा\* ..... जिला/मण्डल .....  
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र ..... के/की  
निवासी हैं ..... जाति/जन\*

जाति के/की\* जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (प्राशोधन) आदेश, 1956; बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970; उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971; और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों प्रावेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संक्षेपित संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950,\* संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेश, 1950,\* संविधान (भनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र), \*आदेश, 1951, संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956\*।

**अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ (संक्षोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।**

**संविधान (अन्जमान और निकोबार द्वीप-समूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959\***

**संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962\***

**संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962\***

**संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964\***

**संविधान (अमुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\***

**संविधान (गोआ दमन और दियू) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1968\***

**संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968\***

**संविधान (नालालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970\***

## 2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*

प्रौढ़/या\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा

जिला/मण्डल\*

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

में रहते/

रहती\* हैं।

हस्ताक्षर

\*\*पदनाम

(कार्यलय की मोहर सहित)

स्थान

विभाग

राज्य/संघ\* राज्यक्षेत्र

\*जो भव्य लाभ न हों उन्हें छापवा काट दें।

टिप्पणी :— यहां प्रयुक्त आमतौर से रहते/रहती हैं वाक्यांश का अर्थ वही होगा जो “स्ट्रिजेटेशन आफ वि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*जातियां/जन जातियां प्रमाण-पत्र जारी करने के सक्षम प्राधिकारी

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलंकटर/डिप्टी कमिशनर / ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलंकटर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर (\*प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।
- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और / या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्ष्यीप।

5. (i) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भारतीय भू-वैज्ञान सर्वेक्षण और केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में नियोजित व्यक्तियों को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष से निम्नलिखित रूप में प्राप्त मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए :—

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत कए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

“प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* ————— भारतीय भू-वैज्ञान सर्वेक्षण/केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में दिनांक ————— से ————— के स्थायी/अस्थायी पद पर कार्यरत है।”

हस्ताक्षर —————  
पदनाम —————  
मंत्रालय/कार्यालय —————

कार्यालय की मुहर

\*जो लागू न हो उसे काट दें

(ii) नियम 6 (ग) ( ) या 6(ग) ( ) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और /या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से विस्थापित व्यक्ति

को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 वीच की अवधि के दौरान प्रवासन पर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विमान राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल प्रफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास-आयुक्त पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(iii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय का प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iv) नियम 6(ग) (vi) अथवा 6(ग) ( ) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और / या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूताधास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 6(ग) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रवासन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के

जिन्होंने मैजिस्ट्रेट से जहा वह इस समय निवाम कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवासन कर आया है।

(vi) नियम 6(ग) (ix) अथवा 6(ग) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रायाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में अथवा अर्णांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ————— के रैक नं० ————— श्री ————— रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी देश शत्रु के साथ संघर्ष में / अर्णांतिप्रस्त \*क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————  
पदनाम —————  
दिनांक —————

\*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दे।

(vii) नियम 6(ग) (xi) अथवा 6(ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल, गृह में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल मंत्रालय में नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ————— के रैक नं० ————— सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए मन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————  
पदनाम —————  
दिनांक —————

(viii) नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले वियतनाम में प्रत्यावर्तित मलत-भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

6 जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ii), 5(iii) और 5(iv) में से किसी भी वर्ग से सम्बद्ध है तथा नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद मदस्य या राज्य विधान मंडल के मदस्य में, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रायाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7 जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) या कृषि मंत्रालय (कृषि तथा सहकारिता विभाग) जैसी भी स्थिति हो द्वाग आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई झूठा घोरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तोड़ीकरे न उसमें कोई परिवर्तन करे और न कोई फेर बदल करे और न ही कोई फेर बदल किए गए/अूठे प्रलेख प्रस्तुत करे। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के मंदंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर में प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10 यदि उक्त परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख में एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती की सूचना न मिले तो उसे पावती सूचना प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

11. इम परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उपके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक मेंवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम को जानकारी के लिए उसे आयोग से तकाल नम्पक स्थापित करना नाहिं। यदि उम्मीदवार ने ऐसा न किया तो वह अपने सामने में विचार किए जाने के दावे में वंचित हो जाएगा।

12. भू-विज्ञानी परीक्षा, 1978 में इस परीक्षा को योजना में सम्मिलित समस्त प्रश्न-पत्रों के लिए वस्तुपरक प्रश्नों के लागू किए जाने पर इस परीक्षा के लिए नियमावली और प्रश्न-पत्रों महित पुस्तिका का मुद्रण बंद कर दिया गया है। फिर भी जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं 1977 तक भू-विज्ञानी परीक्षा के प्रश्न पत्रों का व्यौरा सम्मिलित है, उनकी विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिलिनाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हे वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग, 'सी' फ्लाइट, बाबा खड़क मिहमार्ग, नई दिल्ली-110011 और (ii) प्रकाशन घास्ता का विक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 में भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफिस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार—आवेदन पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक मेंवा आयोग, धौलपुर हाउस, नाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाएः—

- (i) परीक्षा का नाम।
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

ध्यान दें (i):—जिन पत्रों आदि में उपर्युक्त व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें (ii):—यदि परीक्षा की जमाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र ब्रेष्ट प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार की इस बास की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु वह इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## अनुबंध II

### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

#### क वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है, जिसमें कि परीक्षा के स्वरूप में निर्दिष्ट न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

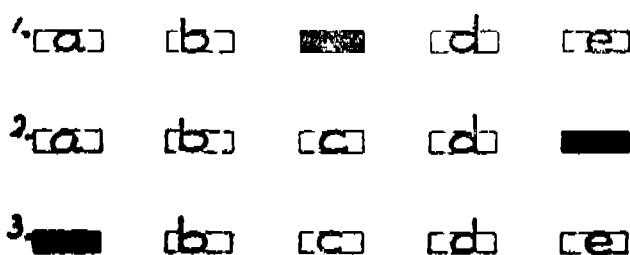
#### ख परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 . . . . . के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c . . . . . क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही तथा यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर मही है, तो उनमें से मर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख ले) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक में अधिक चुन लेने हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपका शलग स एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इम उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जाने नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नाशों की संख्या 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नाश के सामने a,b,c,d,e 3 के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे? परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाशों को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौनसा प्रत्युत्तर महीं वा सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के प्रधार को दर्शाने वाले आयत को पेसिल से काला बनाकर उसे अक्षित कर देना है, जैसा कि सलग उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



इमनिए यह ज़रूरी है कि —

1 आप प्रश्नाशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेसिल (पेसिलो) ही लाए और उन्हीं का प्रयोग करे।

2 अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दे। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3 उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असाधारणी न होजिससे वह खगब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाये और वह टेका हो जाए।

घ कुछ महत्वपूर्ण नियम

1 आपकी परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2 परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3 परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4 परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दे, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5 उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्थाही से साफ लिखे। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6 परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। सभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविठि सदिध है, तो उस प्रश्नाश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दे तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रबड़, एक पेसिल शार्प-नर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक किलप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जबरत नहीं होगी। यदि आप मार्गे तो कच्चे काम के लिए आपको एक शलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शास्त्र करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखे और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के माथ पर्यवेक्षक को पास कर दे।

झ विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दे। यह काम पूरा होने के बाव निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख ले कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा ले। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका को खोलने को न कहे तब तक उसे न खोला जाए।

च कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा मुद्रूता को जानना है, फिर भी यह ज़रूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़, पर लापरवाही न हो

अगर आप सभी प्रश्नों के उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें, और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सभी प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जायेंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जाएंगे।

#### छ परीक्षण का समाप्तन

जैसे ही परीक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप तब तक अपने स्थान पर बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर सभी आवश्यक सामग्री न ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

#### नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौनसा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमज़ोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठ्याना के छात्र के लिए पाठ्योत्तर कार्य क्लाप का मुख्य प्रयोगन।

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

सूर्य के सबसे निकट ग्रह हैं।

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का शरण उतना अधिक होता है, जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही गाद से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़-पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़-पौधे जितने कम होते हैं, उतनी ही धीमी गति से अर्क पिघल जाती है, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th September 1980

No. A. 35014/2/80-Admn. II.—In supersession of this office Notification of even number dated 21-6-1980, Shri V. Ramachandran, Accounts Officer of the Accountant General Orissa, has been allowed to continue on deputation as Accounts Officer in the Office of Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 13-7-1980 or until further orders, whichever is earlier. Shri Ramachandran will not be entitled to any Deputation (Duty) Allowance during the period mentioned above.

S. C. JAIN,  
Section Officer,  
for Secretary  
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 30th August 1980

No. A-11/12/80—Shri B. R. Dalvi, Assistant Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Bombay zonal office is appointed to officiate as Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Bombay zonal office w.e.f. 31-7-80 (AN) and until further orders.

D. C. MANDAL,  
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th September 1980

I

No. F. 2/33/80-Estt(CRPF)(Pers.IV).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sheopory, IPS (U.P. : 1948) Inspector General ITBP to hold charge of the post of Director General CRPF in addition to his present charge with effect from the afternoon of 3rd September, 1980, until further orders.

II

On relief by Shri R. N. Sheopory, Shri Birbal Nath IPS (Punjab : 1950) relinquished charge of the post of Director General CRPF on the afternoon of 3rd September, 1980 on repatriation.

NARENDRA PRASAD  
Director

SARDAR VALLABHBHAI PATEL  
NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 20th September 1980

No. 15014/77-Estt.—On completion of his tenure of deputation with Government of India, Shri Pratap Singh, IPS (SPS-AP) relinquished charge of the post of Assistant Director in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad with effect from 15-9-80 A.N.

B. K. ROY  
Director

MINISTRY OF LABOUR  
LABOUR BUREAU

Simla-4, the 4th October 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by three points to reach 397 (three hundred and ninety

seven) during the month of August, 1980 Converted to base 1949=100 the index for the month of August, 1980 works out to 483 (four hundred and eighty three).

A. S. BHARADWAJ,  
Joint Director  
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 12th September 1980

P. F. No. 7(53)/6013.—In continuation of this office Notification No. E/1/3268 dated 24-6-80, the *ad-hoc* appointment of Shri B. R. Barmaiya, Foreman (Electrical) as Asstt. Engineer (Electrical) is hereby continued upto 31-12-1980 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK,  
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 2nd September 1980

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt.'s Notifications of even number dated 30-7-80 the *ad-hoc* appointments of the following Officers are hereby extended upto the dates shown against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Post to which ad-hoc appointment is made	Date upto the ad-hoc appoint- ment continued
S/Shri			
1.	M. Ponnuthurai	Technical Officer (Printing & Platemaking)	30-9-80
2.	D. R. Kondawar	Do.	Do.
3.	Y. Janardhan Rao	Do.	Do.
4.	Samarendra Dass	Do.	Do.
5.	Rampal Singh	Do.	Do.
6.	N. R. Jairaman	Do.	21-8-80
7.	V. Venkataraman	Do.	30-9-80
8.	Mridul Dutta	Technical Officer (Designing & Engraving)	Do.

M. V. CHAR  
Deputy General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 15th September 1980

No. Admn. I/O.O./5-6/Promotion/79-81/276.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers with effect from the dates shown against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
Sarvashti		
1.	G. C. Jain (On deputation)	The promotion will take effect from the dates they revert to this office from deputation.
2.	P. S. Gambhir (On deputation)	
3.	P. D. Aggarwal (On deputation)	
4.	R. C. Batra	4-9-1980 (A.N.)

(Sl.) ILLEGIBLE  
Lt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 12th September 1980

No. Estt.(A)/GO/1046.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri R. Parthasarathy and K. Venkataraman, permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 30-8-80 F.N. until further orders.

The above promotions have been made on ad hoc basis and subject to the final orders of Gujarat High Court in Special Civil Application No. 735 of 1980.

A. KRISHNA RAO  
Sr. Deputy Accountant General (Adm.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 19th September 1980

No. 23012/80/AN-II.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the cases shown against each :—

Sl. No.	Name	Organisation where Serving	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1.	Mahendra Singh	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut	10-1-77
2.	Ram Krishan Sharma	Factories, Calcutta	1-11-79
3.	M. Balasubramanian	Central Command, Meerut	1-1-80
4.	Sat Prakash Soni	Western Command, Meerut	1-1-80
5.	L. C. Sachdeva	Northern Command, Jammu	1-1-80
6.	H. S. Hariharan	Navy, Bombay	1-1-80
7.	S. Arunachalam	Officers, Pune	1-1-80
8.	L.S. Narayanan	(ORs) South, Madras	1-1-80
9.	H. S. Kohily	(ORs) North, Meerut	1-1-80
10.	J. D. Mehar	(ORs) North, Meerut	1-1-80
11.	P. M. John	(ORs) South, Madras	1-1-80
12.	Dhanna Ram Kalra	Central Command, Meerut	1-1-80
13.	Nirmal Chand Chadha	Air Force, Dehradun	1-1-80
14.	Manjit Singh Chohan	Pensions, Allahabad	1-1-80
15.	M. P. Sharma	Funds, Meerut	1-1-80
16.	K. B. Lahiri	Air Force, Dehradun	1-1-80
17.	D.D. Sharma	Pensions, Allahabad	1-1-80
18.	V. N. Date	Officers, Pune	1-1-80
19.	A.S. Narasimhan	Southern Command, Pune	1-1-80

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
20.	Sodesh Chander Gandhi	Factories, Calcutta	1-1-80
21.	Ram Charan Mohta	Western Command, Meerut	1-1-80
22.	J.V. Champaneria	Southern Command, Pune	1-1-80
23.	S. Ponniah	Officers, Pune	1-1-80
24.	Madan Mohan	Air Force, Dehradun	1-1-80
25.	K. C. Neralia	Patna	1-1-80
26.	Rati Ram	C.G.D.A. New Delhi	1-1-80
27.	Mahendra Singh	(ORs) North, Meerut	1-1-80
28.	Jagan Nath	Central Command, Meerut	1-1-80
29.	Amrit Lal Puri	Patna	1-1-80
30.	Parshotam Lal Bhatia	Central Command, Meerut	1-1-80
31.	G. S. Ranachandran	Funds, Meerut	1-1-80
32.	Sant Ram Sayal	(ORs) North, Meerut	1-1-80
33.	Satya Dev Sharma	Funds, Meerut	1-1-80
34.	Om Prakash Vohra	Western Command, Meerut	1-1-80
35.	S. Janaki Raman	Central Command, Meerut	1-1-80
36.	Dharam Pal Luthra	Western Command, Meerut	1-1-80
37.	T. K. Ramanathan	(ORs) South, Madras	1-1-80
38.	K.T. Ramanujachari	Pensions, Allahabad	1-1-80
39.	V. G. Datar	Patna	1-1-80
40.	S. D. Sharma	Pensions, Allahabad	1-1-80
41.	K. V. Ramanan	Factories, Calcutta	1-1-80
42.	T. S. Madhavan	Air Force, Dehradun	1-1-80
43.	Puran Singh Bedi	(ORs) North, Meerut	1-1-80
44.	P.M.S. Subba Rao	Factories, Calcutta	1-1-80
45.	N.R. Ramanathan	Factories, Calcutta	1-1-80
46.	R. M. Joshi	Southern Command, Pune	1-1-80
47.	Surinder Mohan Malhotra	Western Command, Meerut	1-1-80
48.	S.R. Khan	Factories, Calcutta	1-1-80
49.	B.V. Borgaonkar	Southern Command, Pune	1-1-80
50.	A. K. Raha	Factories, Calcutta	1-1-80
51.	S. K. Lahiri	Pensions, Allahabad	1-1-80
52.	B. N. Saran	Air Force, Dehradun	1-1-80
53.	P. K. Narayanaswamy	Officers, Pune	1-1-80
54.	P. R. Ramasubbu	(ORs) South, Madras	1-1-80
55.	V. S. Vaidya	Factories, Calcutta	1-1-80
56.	D. C. John	Officers, Pune	1-1-80
57.	V. S. Undale	Factories, Calcutta	1-1-80
58.	S. Ramu	(ORs) South, Madras	1-1-80
59.	Brahma Swarup	Pensions, Allahabad	1-1-80
60.	P. Annaji Rao	(ORs) South, Madras	1-1-80
61.	Arun Kumar Basu	Factories, Calcutta	1-1-80
62.	H. C. Agrawal	Western Command, Meerut	1-1-80

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri				S/Shri			
63. S. M. Kumar . . .	Patna	1-1-80	106. G. C. Hasija . . .	Western Command, Meerut	1-1-80		
64. Kadar Nath Agrawal . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	107. R. N. Dutta . . .	Central Command, Meerut	1-1-80		
65. A. Natarajan . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	108. S. Nagasubramaniam . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
66. Bohrlal Kapila . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	109. B. M. Sarkar . . .	Patna	1-1-80		
67. Omkar Dutt Sharma . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	110. C. N. Subramanian . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
68. R. Subramaniam . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	111. N. L. Sengupta . . .	Factories, Calcutta	1-1-80		
69. V. Seshadri . . .	Western Command, Meerut	1-1-80	112. Jagan Nath Bedi . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80		
70. G. Viswanathan . . .	Southern Command, Pune	1-1-80	113. M. P. Tardé . . .	Navy, Bombay	1-1-80		
71. Ramjit Rai . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80	114. A. R. Mehra . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
72. Nityananda Mukherjee . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	115. B. S. Arjunwadkar . . .	Officers, Pune	1-1-80		
73. S.B. Karmarkar . . .	Patna	1-1-80	116. R. N. Patankar . . .	Navy, Bombay	1-1-80		
74. Ramkrishan Sharma . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	117. V. N. Tillak . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80		
75. Raj Kumar Kapur . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	118. K. Ganesan . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
76. Manghe Ram Nagpal . . .	Central Command, Meerut	1-1-80	119. Kartar Singh . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80		
77. R. Rangarajan . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80	120. Ram Saran . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80		
78. G. L. Mehta . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80	121. D. R. Sharma . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80		
79. Sadanand . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	122. Kali Prasanna Sen . . .	Factories, Calcutta	1-1-80		
80. I. R. Trivedi . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80	123. V. G. Ranade . . .	Officers, Pune	1-1-80		
81. N. R. Malagi . . .	Officers, Pune	1-1-80	124. Ram Kishore . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80		
82. S. Swaminathan . . .	Central Command, Meerut	1-1-80	125. Jaswant Singh . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80		
83. P. V. Chaudhari . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	126. D.P. Kulkarni . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
84. Pritham Dass Khanna . . .	Funds, Meerut	1-1-80	127. Gurbachan Singh . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80		
85. M. Cecil Yesudian . . .	Southern Command, Pune	1-1-80	128. Dalip Singh Bewali . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80		
86. Om Prakash Sharma . . .	C.G.D.A. New Delhi	1-1-80	129. L. J. Bhatia . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80		
87. Resham Singh . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80	130. P. Sanjeevarayulu . . .	Officers, Pune	1-1-80		
88. M. Chidambara Rao . . .	Southern Command, Pune	1-1-80	131. L. R. Balutkar . . .	Officers, Pune	1-1-80		
89. Om Prakash Chugh . . .	Western Command, Meerut	1-1-80	132. J.N.V. Narasimha Rao . . .	Air Force, Dehradun	1-1-80		
90. M.K.S.S. Rama Rao . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	133. J. Subba Rao . . .	Factories, Calcutta	1-1-80		
91. P. R. Sarangapani . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80	134. Inder Kumar Kapila . . .	Navy, Bombay	1-1-80		
92. Khem Raj . . .	Western Command, Meerut	1-1-80	135. K. C. Dole . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
93. G. Ramachandrar . . .	Patna	1-1-80	136. K. I. Govindan Kutty . . .	Navy, Bombay	1-1-80		
94. K. B. Menon . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80	137. Dhan Rao Narang . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80		
95. M. L. Mukherjee . . .	Patna	1-1-80	138. S. N. Biswas . . .	Central Command, Meerut	1-1-80		
96. Santosh Kumar Mukherjee . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	139. Mohammed Mumtaz Ahmed . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80		
97. V. Pattabhiraman . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	140. Vijaya Pal Singh Yadav . . .	Patna	1-1-80		
98. N.K. Srinivasan . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80	141. S.B.S. Chauhan . . .	Patna	1-1-80		
99. S. K. Beri . . .	Officers, Pune	1-1-80	142. R. Daivasigamani . . .	Patna	1-1-80		
100. J. B. Saxena . . .	Western Command, Meerut	1-1-80	143. K. V. Joseph . . .	Central Command, Meerut	1-1-80		
101. K. Chandrasekhara Pillai . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	144. S. SeshaGiri Rao . . .	Navy Bombay	1-1-80		
102. D. R. Midha . . .	Officers, Pune	1-1-80	145. M. S. Venkataraman . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
103. M.R. Rajwadey . . .	Western Command, Meerut	1-1-80	146. K. V. Subramanian . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
104. N. K. Malhotra . . .	Factories, Calcutta	1-1-80	147. R. C. Sachdev . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80		
105. Madanmohan Popli . . .	(Ors) North, Meerut	1-1-80	148. B. V. Kulkarni . . .	Officers, Pune	1-1-80		
	Funds, Meerut	1-1-81	149. K. S. Rangaswamy . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
			150. K. Venkatasubramanian . . .	(Ors) South, Madras	1-1-80		
			151. B. S. Biwalkar . . .	Factories, Calcutta	1-1-80		
			152. N. Srinivasan-II . . .	Pensions, Allahabad	1-1-80		

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
153.	P. V. Venkateswaran	Central Command, Meerut	1-1-80
154.	Krishan Lal Chuni	Patna	1-1-80
155.	T. V. Vasudevan	Southern Command, Pune	1-1-80
156.	Sita Ram Bansal	Patna	1-1-80
157.	P. S. Raman	(Ors) South, Madras	1-1-80
158.	N. R. Navaneethan	Factories, Calcutta	1-1-80
159.	Y. Satyanarayana	Air Force, Dehradun	1-1-80
160.	V. A. Belhc	Officers, Pune	1-1-80
161.	Ravinder Kumar	Pensions, Allahabad	1-8-8
162.	Vasudev	Air Force, Dehradun	1-1-80
163.	T. K. Chatterjee	Patna	1-1-80
164.	T. C. Pandey	(Ors) North, Meerut	1-1-80
165.	G. P. Swaminathan	Factories, Calcutta	1-1-80
166.	T. R. Krishnamurthy	Southern Command, Pune	1-1-80
167.	Jia Lal Vuthoo	Northern Command Jammu	1-1-80
168.	Ram Nath Gupta	Western Command, Meerut	1-1-80
169.	S. B. Ghosh	Patna	1-1-80
170.	Kirpa Ram	Western Command, Meerut	1-1-80
171.	Ruma Shanker	Patna	1-1-80
172.	Tej Pal Singh Harit	Central Command, Meerut	1-1-80
173.	Shib Prasad Dhusiya	Air Force, Dehradun	1-1-80
174.	Banshilal	Pensions, Allahabad	1-1-80
175.	Behari Lal	Central Command, Meerut	1-1-80
176.	Balak Ram	Patna	1-1-80
177.	Tulsi Ram	Pensions, Allahabad	1-1-80
178.	Kaley Singh	Patna	1-1-80
179.	Maha Ram Singh	Patna	1-1-80
180.	Khachermal	Patna	1-1-80
181.	Hari Chand	Patna	1-1-80
182.	Chandra Pal Singh	Patna	1-1-80

R. R. BAKHSI  
Addl. Controller General of Defence Accounts.

#### MINISTRY OF DEFENCE

##### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

##### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 16th September 1980

No. 62/80/G.—The President is pleased to appoint Shri Sanat Kumar RATH as Assistant Manager (Prob) w.c.f. 16th July, 1979 (F/N).

V. K. MEHTA,  
Assistant Director General Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

##### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th September 1980

##### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLIS@MFNT)

No. 1/2/80-Admn(G)/5478.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Haldar, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from 18th February, 1980 (FN) until further orders.

2. The above appointment of Shri M. M. Haldar in Grade I of the CSS and as Dy. Chief Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Court in Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Sharma and other versus Union of India.

3. This supersedes this Office Notification No. 1/7/280 Adm(G)/3155 dated the 20th May, 1980.

MANI NARAYANSWAMI  
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 15th September 1980

No. 6/927/171-Admn(G)/5514.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Seh. Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, relinquished charge of the post in that office on the afternoon of the 31st January, 1980.

P. C. BHATNAGAR,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

##### DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

##### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

##### (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 17th September 1980

No. 12/379/63-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. M. Raol, Assistant Director (Gr. I) (Chemical), Small Industries Service Institute, Srinagar as Deputy Director (Chemical) on ad-hoc basis in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 21st August, 1980 until further orders.

No. A.19018/87/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Mathura Prasad, Assistant Director (Gr. I) (Chemical), Small Industries Service Institute, Ludhiana as Deputy Director (Chemical) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 30th August, 1980 and until further orders.

No. A.19018(229)/75-Admn.(G)-Vol II.—Consequent upon his appointment as production Officer in the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, Shri S. G. Prasad relinquished charge of the post of Ad-hoc Assistant Editor (Hindi) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the forenoon of 30th August, 1980.

The 18th September 1980

No. A.19018/110/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri H. Sringeswara as Deputy Director (Electrical) at Regional Testing Centre, Bombay with effect from the afternoon of 14th August, 1980 until further orders.

The 19th September 1980

No. A-19018/64/73/Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri A. N. Ganatra, Assistant Director (Gr. I) (Mech.), Extension Centre, Bhavnagar as Dy. Director (Mech.) on *ad hoc* basis in Branch Small Industries Service Institute, Rajkot with effect from the forenoon of 30-6-80, until further orders.

No. A.19018/435/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Natarajan as Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 21st, August, 1980 until further orders.

No. A.19018/485/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Neog, Project Evaluation Officer (PEO) in Planning Commission, Gauhati as Deputy Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 20th August, 1980 until further orders.

The 20th September 1980

No. 12/450/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. Somasundram, Substantive Small Industry Promotion Officer (Electrical) and officiating Assistant Director (Gr. I) (Electrical) as Deputy Director (Electrical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 27-8-80 until further orders.

No. A-19018(111)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. Agarwal, Assistant Director (Gr. II) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gd. I) (Economic Investigation/Production Index) on *ad hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 27th August, 1980, until further orders.

No. A-19018/420/79-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Deputy Economic & Statistical Adviser in the Directorate of Economics & Statistics, Department of Agriculture and Cooperatives, New Delhi. Shri M. L. Bhardwaj a Gr. III Officer of Indian Economic Service relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi in the forenoon of 8th September, 1980.

No. A.19018/438/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. S. Pandey, substantive Small Industry Promotion Officer, Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (Food/Fruit preservation) in the Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 18th August, 1980, until further orders.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 11th September 1980

No. A-1/1(1107).—On his reversion as Junior Progress Officer, Shri Jaishi Ram relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi on the afternoon of 30th August, 1980.

No. A-1/1(1157).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. D. Kulasekharam, Superintendent in the office of Director of Inspection, Madras to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 1-8-1980 vice Shri Paul Xavier, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) retired from service.

Shri Kulasekharam is placed on probation for a period of 2 years from 1-8-80.

18—276GI/80

The 18th September 1980

No. A-1/1(1154)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Manoharlal J. Tahilian, Superintendent in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 28-8-1980.

2. The appointment of Shri Manoharlal J. Tahilian as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1156)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri T. V. Pote, Superintendent in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 1-9-1980.

The promotion of Shri Pote as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA**

(KHAN VIBHAG)

**GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 9th September 1980

No. A-32014(1-Asstt.Geo.)/78-19A6652B.—Shri B. M. Datto, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th June 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General.

**INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 12th September 1980

No. A.19011(209)/79-Estt.A.—On his selection to the post of Deputy Director of Mines Safety in the Directorate General of Mines Safety, Dhanbad, the name of Shri K. R. Reddy, Junior Mining Engineer, on *ad-hoc* in the Indian Bureau of Mines is struck off from the strength of this department with effect from the afternoon of 22-3-1980.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

**DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY**

**NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING  
ORGANISATION**

Calcutta-700019, the 17th September 1980

No. 35-2/80/Estt.—Shri S. S. Biswas is appointed substantively in the post of Administrative Officer (Group B—Scale Rs. 650—1200) in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation w.e.f. 11-9-1980.

S. P. DAS GUPTA  
Director

## ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 18th September 1980

No. F.92-170/80-Estt./15567.—Dr. Bijan Kumar Biswas is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the Scale of Rs. 650—1200) in Zoological Survey of India in the Headquarters Officer in Calcutta in a temporary capacity with effect from 10th September, 1980 (Forenoon) and until further orders.

DR. K. K. TIWARI  
Director

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th September 1980

No. 2/29/80-SI.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri T. N. Sinha, Head Clerk, Doordarshan Kendra, Lucknow to officiate as Administrative Officer, on ad-hoc basis All India Radio, H.P.T., Aligarh with effect from 29-7-1980 (FN).

The 17th September 1980

No. 4(43)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Dhirendra Kumar Rabha as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 27-8-80 and until further orders.

No. 4(64)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Prayaga Vedavathi as Programme Executive, All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from 30-8-1980 and until further orders.

No. 4(65)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. Madhusudan Rao as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 22-8-80 and until further orders.

No. 4(66)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. Bhimaiah as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 23-8-80 and until further orders.

No. 4(76)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri H. V. Krishnamurthy as Programme Executive, All India Radio, Mysore in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(78)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. N. Thyagarajan as Programme Executive, All India Radio, Mysore in a temporary capacity with effect from 28-8-80 and until further orders.

No. 4(86)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Yusuf A. Sheikh as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from 28-8-80 and until further orders.

The 18th September 1980

No. 4(30)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Archana Rajkumar as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(46)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Nayyer Sadruddin as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from 4-9-80 and until further orders.

The 22nd September 1980

No. 4(17)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Arun Mohan Sakat as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(39)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Usha Burie as Programme

Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 5-9-80 and until further orders.

H. C. JAYAL  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 18th September 1980

No. A-12020/3/79-SII.—The following officers of the office of the Controller General of Accounts, Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi, are appointed on deputation basis as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—1200 in the office indicated against them with effect from the dates mentioned against each for a period of two years :

## S. No., Name, Date of joining and Office :

1. Shri Ram Babu, 14-7-80 (FN), Office of the Controller of Sales, Doordarshan, New Delhi.
2. Shri A. L. Syngol, 1-8-80 (FN), Office of the Station Engineer, Central Purchase & Stores, Doordarshan, New Delhi.

The Pay and allowances of the above officers will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Dept. of Expenditure) O.M. No. 10(24)E-III/60 dated 4th May, 1961 as amended from time to time.

C. L. ARYA  
Dy. Director of Admin.  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th September 1980

No. A.19012/2/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. M. Pathare in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot Bombay on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19th August, 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL  
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 16th September 1980

No. A.12023/1/80/Admin.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. K. M. Pillai to the post of Administrative Officer at Kalawati Saran Childrens' Hospital, New Delhi on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th August, 1980 and until further orders.

No. A.12026/7/77(NTI)/Admin.I.—Shri R. Palaniswamy relinquished charge of the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the afternoon of the 22nd August, 1980.

The 18th September 1980

No. A.12025/10/79(CL/TRI)/Admin.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Gopalakrishnan to the post of Administrative Officer in the Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, with effect from the forenoon of 1st August, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

The 20th September 1980

No. A.12026/16/79(CRI)/Admin.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sobha Ram Kashiv, Section Officer in the Office of the Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh, Simla, to the post of Assistant Accounts Officer (Costing) at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 29th August, 1980 and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 15th September 1980

No. A.19023/3/78-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri S. P. Bhasin, Marketing Officer of this Directorate at Faridabad, has retired from Govt. service in the afternoon of 31-8-80.

No. A.19023/4/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri B. D. Sherkar, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur in the forenoon of 3-7-80, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer Shri Sherkar relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Nagpur in the forenoon of 3-7-80.

No. A.19025/29/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri B. L. Mathur, Senior Inspector has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Khandwa with effect from 14-8-80 (FN), until further orders.

No. A.19025/32/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the undermentioned officers have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 11-8-80, until further orders :—

1. Shri B. B. Patil
2. Shri C. B. Singh
3. Shri N. G. Mani
4. Shri Abdul Rahim
5. Shri T. Venkateswarlu
6. Shri R. Selvaraj
7. Shri Hardial Singh.

The 16th September 1980

No. A.19025/51/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Bharat Murty Mehrotra has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 1-8-80 (Forenoon) until further orders.

The 17th September 1980

No. A.19025/38/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the undermentioned officers, who are officiating as Assistant Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 9-9-80, until further orders :—

1. Shri K. P. Tiwari.
2. Shri V. M. Hadaoo.

The 18th September 1980

No. A.19026/2/79-A.III.—The appointment of Shri L. N. Chahande, Section Officer (C.S.S.) to the post of Administrative Officer, Market Design and Planning Centre, Nagpur, on deputation basis, has been extended beyond 5-9-80 and till the post is filled in on regular basis.

B. L. MANIWAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd September 1980

No. PA/61(2)/80-R-IV.—On transfer from Rajasthan Atomic Power Project of the Department of Atomic Energy, Controller, BARC appoints Shri Radhey Shyam Singh, a quasi-permanent Sub-Officer in RAPP, as Station Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of August 27, 1980 until further orders.

The 6th September 1980

No. BARC/Hosp/G/66.—The Competent Authority appoints Dr. (Smt.) Poornima Krishnamoorthy as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of August 27, 1980 to the afternoon of September 26, 1980.

No. BARC/Med/H/67.—The Competent Authority appoints Dr. (Kum.) Sawant Usha Raghunath as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of August 18, 1980 to the afternoon of November 15, 1980.

A. S. DIKSHIT  
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 18th September 1980

No. M/1921/FSS/Estt.II/4789.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri R. P. Malhotra, a temporary Station Officer in the same Research Centre with effect from 5-7-1980 (AN).

KUM. H. B. VIJAYAKAR  
Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600006, the 11th September 1980

No. MRPU/200(18/80-Adm).—In continuation of this office notification of even no. dated 28-4-80 the officiating appointment of Shri B. Dhandapani a temporary Storekeeper as Assistant Stores Officer is extended up to 9-5-1980.

No. MRPU/200(103)/80-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri P. V. Prabhakaran a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis in the Reactor Research Centric Stores of the same Directorate with effect from May 13, 1980 to June 21, 1980.

T. S. V. AIYAR  
Administrative Officer II

Bombay-400001, the 9th September 1980

No. DPS/23/3/79/Est./15883.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. H. Bagwe, Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from March 3, 1980 (FN) to April 19, 1980 (AN) vice Shri K. P. Doipode granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN  
Assistant Personnel Officer

## MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 9th September 1980

No. MAPP/3(606)/72-Adm.—Consequent on acceptance of resignation Shri V. Bhaskaran, a temporary Scientific Officer/Engineer SB in Madras Atomic Power Project relinquished charge of his post in Grade SB on the afternoon of August 16, 1980.

R. P. HARAN  
Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 16th September 1980

No. AMD-4/2/80-Rcctt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A.R. Khan, permanent Drill Operator and temporary Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.

The 18th September 1980

No. AMD-1/6/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. C. Saxena, permanent Selection Grade Clerk in Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-7-1980 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 18th September 1980

No. 05000/B/141/4120.—Shri Kallidaikurichi Ramakrishnan Balasubramanyam, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre is appointed to officiate as an Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office), w.e.f. July 25, 1980 (FN) until further orders.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer  
for Officer-on-Special Duty

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th September 1980

No. A.19012/1/80-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. N. Singh, as Hindi Officer in the Civil Aviation Department, with effect from 8th September 1980 (Forenoon) on purely ad-hoc basis and until further orders, and to post him in the Office of the Regional Director, Bombay Region, Civil Aviation Department, Bombay Airport, Bombay.

H. L. KOHLI  
Director of Administration

New Delhi, the 12th September 1980

No. A.44013/1/80-EW.—On expiry of deputation in the National Thermal Power Corporation Ltd., Shri Vishram Singh assumed charge of the post of Assistant Fire Officer in this department with effect from the 5th July, 1980.

Shri Vishram Singh is posted in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta-52 from the same date.

V. V. JOHRI  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 12th September 1980

No. A.32013/4/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued adhoc appointment of S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta to the grade of Senior Aircraft Inspector beyond 13-2-1980 and upto 13-8-1980.

The 19th September 1980

No. A.32013/5/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/8/79-EC of 19th July, 1980 and No. A.32013/2/80-EC of 29th Aug., 1980 the President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers at present officiating as Technical Officers on *ad-hoc* basis to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 2-7-80 and until further orders :—

## S. No., Name &amp; Station of posting

- S/Shri
1. V. C. Reddy—A.C.S., Hyderabad.
  2. T. R. Shastri—A.C.S., Bombay.
  3. M. Aruldas—A.C.S., Madras.
  4. J. L. Suri—A.C.S., New Delhi.
  5. K. Chandra Chudan—RC & DU, New Delhi.
  6. N. R. N. Iyengar—RC & DU, New Delhi.
  7. C. L. Malik—A.C.S., Bombay.
  8. H. A. Shetty—A.C.S., Belgaum.
  9. K. N. S. Mani—A.C.S., Madras.
  10. B. K. Dey—RC & DU, New Delhi.
  11. A. Shammugham—A.C.S., Madras.
  12. K. R. Ramanujam—A.C.S., Bombay.
  13. O. P. Chabra—A.C.S., Palam.
  14. V. S. Mitra—RC & DU, New Delhi.
  15. K. Rangachari—A.C.S., Madras.
  16. M. L. Dhar—CRS Depot, New Delhi.
  17. V. Subramaniam—R.D., Bombay.

R. N. DAS,  
Assistant Director of Administration

## VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dchra Dun, the 18th September 1980

No. 16/247/76-Ests-L.—The services of Shri Siddique Ahmed, (SFS-Gujarat) who was working as Assistant Instructor, Central Forest Rangers College, Chandrapur (Maharashtra) has been replaced at the disposal of the Government of Gujarat w.e.f. the afternoon of 30-6-1980.

R. N. MOHANTY,  
Kul Sachiv,

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 15th September 1980

No. 9/80.—Shri H. J. Mehta, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Ahmedabad Dn. III has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-8-80.

No. 10/80.—Shri P. A. Surve, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office, Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-8-1980.

B. V. KUMAR,  
Collectr of Central Exvise, Baroda

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE  
BOMBAY-II

Bombay, the 9th September 1980

F No II/3E-6/80—Shri A D Tarkhadkar, Superintendent, Central Excise Group 'B' in Bombay-II Central Excise Collectorate has expired on 28-6 1980.

F No II/3E-6/80—Shri V A Sahasrabudhe, Office Superintendent on promotion assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate II with effect from 17-5-1980 F.N.

No II/3E 6/80—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as Officiating Superintendents, Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-II, with effect from the dates shown against their names.—

S. No	Name	Date of Assumption of Charge
1	Shri D C Waidande	—11-2-1980 A.N.
2	Shri V L Sawant	—24-1 1980 F.N.
3	Shri A D Hawal	—30-1-1980 F.N.
4	Shri D N Pillai	—30-1-1980 A.N.
5	Shri D N Gogate	—25-1-1980 F.N.
6	Shri D B Wagh	—25-1-1980 F.N.
7	Shri K S Salvi	—24-1 1980 F.N.
8	Shri B L Bijalani	—24-1-1980 F.N.
9	Shri V C Salgaonkar	—3-7-1980 F.N.
10	Shri P O Joseph	—4-7-1980 F.N.
11	Shri K N Chait	—3-7 1980 F.N.
12	Shri N H Dalal	—15-7-1980 F.N.
13	Shri M R Kekre	—29-8-1980 F.N.
14	Shri M J Murchandani	—11-7-1980 F.N.
15	Shri S G Wagle	—10-7 1980 F.N.
16	Shri R N Swami	—23-8-1980 A.N.
17	Shri B A Nandurdikar	—23-7-1980 F.N.
18	Shri F A Sequeira	—4-7 1980 F.N.
19	Shri S R Ganpule	—4-7-1980 F.N.
20	Shri K M Joshi	—10-7-1980 F.N.
21	Shri M N Morgaonkar	—21-7 1980 F.N.
22	Shri G V Kudchadkar	—7-7-1980 F.N.
23	Shri S B Sawant	—14-7-1980 F.N.
24	Shri V G Athalye	—15-7-1980 F.N.
25	Shri S Y Gadkari	—15-7 1980 F.N.
26	Shri R S Kanal	—17-7 1980 F.N.

No II/3E-6/80—The following Group 'B' Gazetted Officers (Superintendents/Administrative Officers/Assistant Chief Accounts Officers) in Bombay-II Central Excise Collectorate have retired on Superannuation/Voluntarily in the Aftinecn of the dates shown against their names

Sr. No	Name and designation	Date of Retirement
1	2	3
1.	Shri L L Advani, Superintendent	2-1-1980 (Voluntarily)
2.	Shri M K Vijaykar, Superintendent	31-1-1980 A.N.
3.	Shri D J Malwankar, Superintendent	31-1-1980 A.N.
4.	Shri S G Risbud, Superintendent	31-1-1980 A.N.
5.	Shri P N Aloni, Superintendent	19-2-1980 A.N.
6.	Shri H M Dadlani, Superintendent	4-3-1980 A.N. (Voluntarily)

1	2
7. Shri R G Deshpande, Superintendent	30-4-1980 A.N.
8. Shri V G Nimkar, Superintendent	31-5-1980 A.N.
9. Shri V. C. Tambad, Superintendent	31-5-1980 A.N.
10. Shri V. D. Nadka, Assistant Chief Accounts Officer	31-5-1980 A.N.
11. Shri S B Sogavson, Superintendent	1-6-1980 F.N. (Voluntarily)
12. Shri V. A. Sahasrabudhe, Administrative Officer	31-7-1980 A.N.

V. K. GUPTA  
Collector of Central Excise,  
Bombay-II

Madras-1, the 13th June 1980

## CUSTOMS/PUBLISHMENT

No 4/80—S/Shri G Kesavan, R R Rodrigues, J. Santhanam, R Balakrishnan, C E Ethuajan and J. A S. Thavapalan are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Prev) on a regular basis with effect from 2-6-80 F.N. in Madras Custom House

The 30th July 1980

No 8/80—S/Shri V Jayaraman and M Gopal, Senior Grade Preventive Officers are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Preventive) with effect from 27-6-80 F.N.

Shri N Sunderarajan Appraiser on revision to Preventive cadre is posted as Superintendent of Customs (Preventive) with effect from 27-6-1980 F.N.

The 10th September 1980

No 9/80—Shri P Rangaswamy, a Union Public Service Commission candidate is appointed in Direct Recruit Appraiser (Export) in this Custom House with effect from 5-9-80 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 15th September 1980

No 10/80—Shri R Muralidhar, Deputy Appraiser (Non-Expert) in the Madras Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 12-9-1980 F.N.

A. C. SAIDANHA,  
Collector of Customs

Indore, the 16th September 1980

No 16/80—Consequent upon his appointment as Pay and Accounts Officer in the Pay and Account Unit of Central Excise Collectorate, Indore, Shri J. R. Jaisiva, Junior Accounts Officer of the Ministry of Finance took over charge as Pay and Accounts Officer, Central Excise, Indore in the forenoon of 11th July, 1980.

S. K. DHAR,  
Collector

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 18th September 1980

No. A-32014/J/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- or a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE
1	2	3
S/Shri		
1. P. P. Singh, Supervisor	5-9-80 (forenoon)	
2. Madan Lal Soni Design Assistant	5-9-80 (SCIENCE)	
3. Pramod Kumar, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)	
4. Umesh Kumar, Design Assistant	8-9-80 (SCIENCE)	
5. Mangal Dutt, Design Assistant	5-9-80 (SCIENCE)	
6. Hemant Kumar, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)	
7. Vinay Kumar Sharma, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)	
8. V. K. Midha, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)	
9. J. S. Taneja, Design Assistant	5-9-80 (SCIENCE)	
10. Nakul Dev, Design Assistant	6-9-80 (SCIENCE)	
11. S. K. Babbar, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)	
12. R. K. Bathb. r, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)	
13. V. K. Malhotra, Design Assistant	5-9-80 (SCIENCE)	
14. T.C. Siva Kumar Design Assistant	5-9-80 (SCIENCE)	
15. Deo Kumar Singh, Design Assistant	8-9-80 (SCIENCE)	
16. B. G. Dewani, Head Draughtsman	5-9-80 (SCIENCE)	
17. Kali Ram Gupta, Supervisor	5-9-80 (forenoon)	
18. S. K. Chakladar, Supervisor	5-9-80 (forenoon)	
19. S.D.S. Hooda, Supervisor	5-9-80 (forenoon)	
20. Kanta Prakash, Supervisor	8-9-80 (forenoon)	

J. K. SAHA  
Under Secy.  
Central water Commission

## MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 21st August 1980

No. G-65/B(CON).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Rajat Ghosh Dashtidar, Scientific Assistant (Physical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Physical) in the same office on an *ad hoc* basis w.e.f. 30-6-80 (F/N) until further orders.

No. G-65/B(CON).—The Director General, National Test House Alipore, alculta has been pleased to appoint Shri Prasanta Kumar Kundu, Scientific Assistant (Chemical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Chemical) in the same office on an *ad hoc* basis w.e.f. 30-6-80 (F/N).

The 2nd September 1980

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri B. K. Pyne, Head Clerk, National Test House, Alipore, Calcutta as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the same office on an *ad-hoc* basis w.e.f. 20-8-80 (F/N) until further orders.

A. BANERJEE,  
Deputy Director (Admn.)  
for Director General, National Test House.

## MINISTRY OF JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

## DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Paramount Business Service, Private Limited.\**

Bombay, the 5th September 1980

No. 14470/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Paramount Business Service, Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the oCompanies Act 1956 and of M/s. Husaini Silk and Art Silk Powerloom Owners Association (Bombay) Limited.*

Bombay-2, the 6th September 1980

No. 9832/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Husaini Silk and Art Silk Powerloom Owners Association (Bombay) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. C. GUPTA,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Simca Auto Private Limited*

New Delhi, the 10th September 1980

No.H/6320/19418.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Simca Auto Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Susham Finance Company Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 17th September 1980

No. H-2648/20004. -Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expuation of three months from the date hereof the name of the M/s. Susham Finance Company Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi and Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Dolagari Kathoni Tea Estate Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 16162/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of the Dolagari Kathoni Tea Estate Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Wood's Agencies Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 25587/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Wood's Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Neogy Chemicals Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 28227/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Neogy Chemicals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bengal Electro Craft Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29229/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Electro Craft Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sindri Hydro Carbons Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29265/560(3). Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sindri Hydro Carbons Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Parakh Kothi (West) Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29794/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, the name of the Parakh Kothi (West) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. B. BISWAS,  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Ishwardas Finance and Investment Private Limited  
(In Lqn.)*

Kanpur, the 8th September 1980

No. 9296/1035LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Ishwardas Finance and Investment (Pvt.) Limited (in Lqn.) has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA,  
Registrar of Companies, U.P.  
Kanpur

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th September 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for the period from 17-8-1980 to 16-9-1980 *vide* Notification No. F.48-Ad(AT)/80, dated 19th August, 1980, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a further period of one month with effect from 17-9-1980 to 16-10-1980 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is earlier.

2. The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,  
President

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Shanti Parshad, Sat Narain, sons of Sh. Ganga Bishan Goel, r/o Street Jamanaka Wali, Sirsa.

(Transferor)

(2) The Sirsa Prem Nagar Co-operative House Building Society, Ltd., Sirsa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. SRS/12/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 149 kanal 6 marla situated at Vill. Chhatargarh Teh. Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 149 kanal 6 marla along-with Tubewell situated in Vill Chhatargarh (Sirsa) and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2111 dated 11-6-1980 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Fatan s/o Sh. Data Ram s/o Shri Maidhan  
r/o Vill Gheraye Teh. Hansi.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. HNS/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 85 K 8 M. situated at Gheraye Vill. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hansi in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 4 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being house on plot No. 20-A, & 19 situated in Professor colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4929 dated 30-1-1980 with the Sub Registrar, Jagadhri.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—276GI/80

Date : 16-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. HNS/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 20-A and 19, situated at Professor Colony, Yamunanagar and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagadhari in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Dass Khurana & Harbans Lal Khurana sons of Shri Bhagwan Dass Khurana r/o A-2/66, Janakpuri, New Delhi through Shri Chaman Lal, s/o Sh. Raj Chand r/o H. No. 61B Shivaji Park, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Shri Hoshiar Singh s/o Shri Raldu Ram R/o Village Gheroye Hall Nayana Teh. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 85 kanal 8 marlas situated in village Gheroye Teh. Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 96 dated 10-4-1980 with Sub Registrar, Hansi.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ghasita S/O Sh. Nizamuddin  
R/O Mandi Garhi, Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Arjan Dass S/O Sh. Ladha Ram  
R/O Barsat Teh. Karnal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. KNL/50/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 109 K 12 M situated at Mundi Garhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 109 kanal 12 marlas situated at Vill. Madi Garhi Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2415 dated 28-1-80 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2161.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A<sub>5</sub> per Schedule situated at Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Satya Wanti W/o Hari Chand  
S/o Sh. Shankar Dass  
R/o Ferozepur City.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kuldip Raj Behal Advocate,  
Sh. Romesh Kumar SS/o Dewan Chand  
R/o Ferozepur City, 1/2 share  
2. S/Sh. Amrik Rai, Kanwal Narain Kapur  
SS/o Sh. Dhali Ram R/o Ferozepur City,  
1/2 share  
(Transferee)
- (3) Sh. Gurbux Singh  
S/o Sh. Bahal Singh  
R/o Basti Sunwa Wali, Ferozepur City.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used hereof as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5351 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur,

B. S. DEHIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 19-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1)D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2162.—Whereas, 1 B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Ferozepur City situated at Penderghast Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Satya Wanti W/o Hari Chand  
S/o Sh. Shankar Dass  
R/o Ferozepur City.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kuldip Raj Behal Advocate,  
Sh. Romesh Kumar SS/o Dewan Chand  
R/o Ferozepur City. 1/2 share  
2. S/Sh. Amrik Rai, Kanwal Narain Kapur  
SS/o Sh. Dhali Ram R/o Ferozepur City.  
(Transferee)
- (3) Sh. Gurbux Singh  
S/o Sh. Bahal Singh  
R/o Basti Sunwa Wali, Ferozepur City.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5397 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 19-7-1980  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 22nd August 1980

Ref. No. A.P. No. 2187.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kashmiri Bazar, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohar Singh S/o Satnam Singh S/o Jai Ram Singh, Mohalla Sheikhan, Hoshiarpur.  
or Boot Shop No. : BVIII MCH 495 Kashmiri Bazar, Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh S/o Ganga Singh S/o Attar Singh, Gali No. 3, Mohalla Kamalpur, Hoshiarpur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3862 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2188.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali Tehsildaranwali, Ferozepur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bahal Singh S/o Sodagar Singh  
R/o Gali Tehsildaranwali, Ferozepur City.  
(Transferor)
- (2) Shri Khan Chand S/o Gahela Ram and  
Sh. Om Parkash S/o Mahala Ram  
R/o Gali Tehsildaranwali, Ferozepur City.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5629 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-8-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2189.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Samadhi Road, Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Zira on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Badri Dass S/o Sunder Dass  
Adopted son of Smt. Parvati  
R/o Zira Now Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Yudhishter Lal S/o Tara Chand,  
Kewal Krishan S/o Jagdish Chand and  
Rajiv Kumar alias Khazan Chand S/o Om Parkash  
and Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Lok Ram  
S/o Sh. Faqir Chand,  
R/o Zira Distt, Ferozepur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5790 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Zira.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names :—

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur  
Date : 25-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME TAX  
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2190.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- an bearing No.

25,000/- an bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Harbans Kaur Wd/o Lal Singh  
Vill. Bhalana Distt. Kapurthala.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Darshan Singh, Nishan Singh,  
Balwant Singh SS/o Sardar Singh  
R/o Vill. Bhalana Distt. Kapurthala.  
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2997 of Jan 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 20—276GI/80

Date : 25-8-1980  
 Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2191.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Shanti Devi W/o Manohar Lal Ahuja R/o Tehsil Road, Abohar. (Transferor)
- (2) Shri Niranjan Singh, Tek Singh, Harnek Singh SS/o Sh. Karnal Singh R/o Opposite Sandeep Theatre, H. No. 6806 Thana Road, Abohar. (Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2599 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 28-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Puran Chand S/o Chander Bhan  
R/o Gali No. 1-B, Mandi Abohar. (Transferor)
- (2) Shrimati Chand Rani W/o Raj Kishan  
R/o Circular Road, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1980

Ref. No. A.P. 2192.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali No. 1-B, Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2490 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 1st September 1980

Ref. No. A.P. No. 2193.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohan Lal, Nanak Chand and Lachhmi Bai R/o Gate Haji Rattan, Bhatinda. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Karnail Kaur W/o Thimman Singh S/o Jaggar Singh 1/2 share  
2. Atma Singh S/o Bachan Singh 1/4 share  
3. Smt. Mohinder Kaur W/o Darbara Singh 1/4 share R/o Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4666 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 3rd September 1980

Ref. No. A.P. No. 2194.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Miranpur Teh. Phillaur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Mangal Singh  
G.A. of Sh. Balkar Singh s/o Mangal Singh  
Vill. Paddi Jagir Teh. Phillaur.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurnam Singh s/o Naranjan Singh  
Vill. Paddi Jagir Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 123 of April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 31st September 1980

Ref No A P No 2195—Whereas, I,  
B S DEHIYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Sultanpur Road Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Arjan Singh S/o Inder Singh R/o Sultanpur Road, Kapurthala.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Ram Nath, Gian Chand, Hari Krishan, Ramesh Kumar S/o Chhaju Ram R/o Kapurthala.  
(Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 3137 of Jan 1980 of the Registering Authority Kapurthala

B S DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 3-9-1980  
Seal .

**FORM ITNS—**

(1) Shri Naginder Singh Advocate S/o Sh. Gursharan Singh R/o Village Kotla Tehsil Nakodar District Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Teg Bahadur Singh S/o Sh. Naginer Singh R/o 496-R, Model Town, Jullundur

(Transferee)

(3) As per Sr No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 3rd September 1980

Ref No A P 2196 —Whereas, I,  
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Model Town,  
Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7543 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Karnail Singh S/o Bhagat Singh R/o Vill.  
Ramidi Distt. Kapurthala.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2197.—Whereas, I,  
B. S. DEHIIYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T. Road, Jullundur through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7516 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. S. DEHIIYA  
Competent Authority/  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Santokh Singh S/o Bhagat Singh R/o Vill.  
Ramidi Distt. Kapurthala.  
(Transferor)
- (2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T.  
Road, Jullundur, through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2198.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road, Jullundur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 7517 of Jan. 1980 of the Registering Authority,  
Jullundur.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
21—276GI/80

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2199.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/80 and bearing No.

As per Schedule situated at G T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Harnam Kaur Wd/o Bhagat Singh R/o Vill. Ramidi Distt. Kapurthala.  
(Transferor)
- (2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T. Road, Jullundur through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7518 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gurbant Singh S/o Bhagat Singh R/o Vill.  
Ramidi Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T.  
Road, Jullundur through Sh. Satish Kumar Ma-  
jan, Director Co.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the under signed knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2200.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8886 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2201.—Whereas, I,  
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Shiv Colony near Barnala Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Inderjit Kaur W/o Shri Swarnjit Singh Sodhi R/o T-15, Railway Colony, Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani W/o Gopal Krishan R/o House No. 4695 near S.D. Girls School, Bhatinda.  
(Transferee)
- (3) Asper Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4208 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2202.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Shiv Colony near Barnala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Inderjit Kaur W/o Swarnjit Singh Sodhi R/o T-15, Railway Colony, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani W/o Gopal Krishan R/o H. No. 4695 near S.D. Girls School, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4456 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Banta Singh S/o Bugha Singh R/o Bhatinda.  
(Transferor)

(2) Shri Malkiat Singh, Gurbus Singh, Baldev Singh,  
Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Gurtej Singh S/o  
Sh. Jagir Singh S/o Bhag Singh, R/o 8040 Sirki  
Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2203.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4037 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1980

Seal :

**FORM ITNS—**(1) Shri Banta Singh S/o Bugha Singh R/o Bhatinda.  
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2204.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA,**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(2) Shri Malkiat Singh, Gurbux Singh, Baldev Singh, Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Gurtej Singh S/o Jagir Singh S/o Bhag Singh, R/o 8040 Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4075 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Parkash Kaur W/o Faqir Singh R/o Budhlada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2205.—Whereas, I,  
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ward No. 11/159, Budhlada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Budhlada on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Balwinder Kumar S/o Parkash Chand R/o Budhlada.

(Transferee)

\*(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 1575 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Budhlada.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.Dated : 4-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Parkash S/o Diwan Chand through Sh. Bawa Singh, G.A. Vill. Rahimpur, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferor)

(2) Shri Piara Singh S/o Bawa Singh and Lachmi Wd/o Gujmel Singh Vill. Awan Khalsa, Teh. Nakodar.  
(Transferee)

\*(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2206.—Whereas, I,  
B. S. DEHIYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Awan Khalsa Teh. Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar on Jan. 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2612 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 5-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Mihān Singh alias Sarwan Singh S/o Moti  
Village Mandi Teh. Phillaur.  
(Transferor)
- (2) Shri Chuhar Singh, Jaswinder Singh SS/o Mihān  
Singh Vill. Mandi Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1980

Ref. No. A.P. 2207.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Mandi Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4110 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

**B. S. DEHIYA.**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 5-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2208.—Whereas, I,  
B. S. DEHIYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

As per Schedule situated at Takki Mohalla, Phagwara  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Phagwara on Jan. 1980  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Parkash S/o Kishan Dyal, R/o Maheli Gate, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Shri Ujjagar Singh S/o Nand Singh H. No. 36, Gurdev Nagar, Ludhiana.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 2111 of Jan. 1980 of the Registering Authority,  
Phagwara.

B. S. DEHIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th September 1980

(1) Shri Hans Raj S/o Nagar Mal R/o Laduka Mandi, Teh. Fazilka, Sh. Mohtab Singh S/o Darbara Singh R/o Chandigarh, C/o Sh. Kishore Chand S/o Niamat Rai, R/o Fazilka, Mukhtiar-i-am.  
(Transferor)

(2) M/s Guru Ram Dass Rice & General Mills, Makhu Through Sh. Raj Kumar, Partner.  
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. A.P. No. 2209.—Whereas, I,

**B. S. DEHIYA,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Vill. Vinjoke, Makhu (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ZIRA on Jan. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5821 of Jan. 80 of the Registering Authority, ZIRA.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION, RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2210.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA**,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
As per Schedule situated at Vill. Vinjoke, Makhu  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
ZIRA on Jan. 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent or such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Hans Raj S/o Nagar Mal R/o Laduka Mandi, Teh. Fazilka, Sh. Mehtab Singh S/o Darbara Singh R/o Chandigarh C/o Sh. Kishore Chand S/o Niamat Rai R/o Fazilka, Mukhtiar-i-am.  
(Transferor)
- (2) M/s Guru Ram Dass Rice & General Mills, Makhu through Sh. Raj Kumar, Partner.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 5878 of Jan, 1980 of the Registering Authority,  
ZIRA.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2211.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Vinjoke, Makhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ZIRA on Jan. 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hans Raj S/o Nagar Mal R/o Lakuka Mandi Teh. Fazilka, Sh. Mehtab Singh S/o Darbara Singh R/o Chandigarh C/o Sh. Kishore Chand S/o Niamat Rai R/o Fazilka, Mukhtiar-i-am.  
(Transferor)

(2) M/s Guru Ram Dass Rice & General Mills, Makhu Through Sh. Raj Kumar, Partner.  
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5972 of Jan. 1980 of the Registering Authority, ZIRA.

**B. S. DEHIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1980

Ref No A P No 2212—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurdial Singh S/o Buta Singh, Vill. Alowal (Transferor)
- (2) Shri Inath Ram S/o Telu Ram, Sh. Pritam Singh Tiger S/o Santa Singh, Sh. Jasprit Singh S/o Pritam Singh, Smt Shashi Kanta Sandhu W/o Sh. Kalwant Singh, Nakodar (Transferee)
- (3) As per Sr No 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2646 of Jan 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

**B. S DEHIYA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1980  
Seal .

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**JULLUNDUR.**

Jullundur, the 11th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2213.—Whereas, I,  
**B. S. DEHIYA**,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per Schedule situated at Vill. Bath Teh. Nakodar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nakodar on Jan. 1980  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Channo D/o Buzha, Vill. & P.O. Bath, Teh. Nakodar.  
(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Karam Singh V. & P.O. Pandori Khass, Teh. Nakodar.  
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2709 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

**B. S. DEHIYA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-9-1980  
Seal ;

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 12th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2214.—Whereas, I,  
J. S. AHLUWALIA,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Kohala Teh. Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (1) Shri Munsha Singh S/o Chanda Singh Vill. Kohala  
Teh. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh, Surjit Singh, Jaswant Singh, Bal-  
bir Singh & Malkit Singh S/o Arjan Singh Vill.  
Narawali Teh. Jullundur.  
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
**Gazette.**

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
and defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration  
sale deed No. 7395 of Jan. 1980 of the Registering Authority,  
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

23—276GI/80

Date : 12-9-1980

Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

**JULLUNDUR.**

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. 2215.—Whereas, I,

J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Puranpur situated at Mouza Magadampur, Thana Silao, Dt. Nalanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Puran Singh S/o Dhana Singh G.A. of Sh. Hazura Singh Santokhi Singh Swaran Singh S/o Sh. Dhana Singh Vill. Puran Pur.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurprit Singh S/o Mohinder Singh R/o Puranpur Teh. Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7556 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****JULLUNDUR**

Jullundur, the 12th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2216.—Whereas, I,  
**J. S. AHLUWALIA**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 moveable property, having a fair market value exceeding  
 Rs 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Shastri Nagar Jullundur  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908), in the office of the Registering Officer at  
 Jullundur, in Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (1) Shri Tarlok Singh S/o Sh. Kartar Singh R/o Nakodar Road, Jullundur.  
 (Transferor)
- (2) Shri Satnam Singh S/o Raghbir Singh R/o Panchata (Phagwara).  
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
 (Person in occupation of the property)
- "(4) Any other person interested in the property.  
 (Person whom the undersigned knows  
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration  
 sale deed No. 7140 of Jan 1980 of the Registering Authority,  
 Jullundur.

**J. S. AHLUWALIA,**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

Date 12-9-1980  
 Seal .

**FORM ITNS**

(1) Shrimati Chanan Kaur Wd/o Pritam Singh Vill.  
Kot Kalan Teh. Jullundur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 12th September 1980

Re. No. A.P. No. 2217.—Whereas, I I. S. AHLUWALIA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kot Kalan (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Dilbagh Singh, Gurdip Singh, Gurcharan Singh, Sarbjit Singh, Rtna Singh, Sukhjit, Singh SS/o Sh. Sadhu Singh R/o Vil. Kot Kalan Teh. Jullundur.  
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale Deed No. 7142 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

**I. S. AHLUWALIA**  
**Competent Authority**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax**  
**Acquisition Range, Julundur.**

Date : 12-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Iqbal Singh S/o Kartar Singh Bhatinda,  
(Transferor)

(2) Kumai Jaswant Devi D/o Sant Ram, Satya Devi  
D/o Bhag Mal, Hans Raj S/o Kishore Chand,  
Pirao Lal S/o Munshi Ram, Birla Mill Colony  
C/o M/s Masat Lal Group of Mills, Kala Mandir  
Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sl No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person in occupation of the property)  
interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2218.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Pati Choti, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on J.n. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3956 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 25-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM TTNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th September 1980

Ref. No. A.P. No 2219.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Mansa Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Kumari Mohinder Kaur D/o Tek Singh S/o Bakhsish Singh R/o Mansa Khurd through Arjan Singh, General Attorney.  
(Transferor)

(2) Shri Sukhwinder Singh, Mandeep Singh SS/o Gurinder Singh S/o Inder Singh R/o Mansa Kalan.  
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3800 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
 Jullundur, the 25th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2220.—Whereas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Fatchgarh Sahnewala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sardulgarh on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mani Ram, Devi Lal, Jassu Ram SS/o Pat Ram  
 R/o Sahnewala.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar, Vinod Kumar Smt. Sheila Devi, Ram Puri, Amar Nath R/o Fatchgarh Sahnewala.  
 (Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.  
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1306 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Sardulgarh.

R. GIRDHAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1980  
 Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE.  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No. JAC/Acq-II/SR-I/1-80/6126.—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17-E, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Manohar Lal Khurana S/o Sahib Singh Khurana R/o E-17, Rajouri Garden, New Delhi. Karta of HUF. (Transferor)  
 (2) Shri B. S. Bagga S/o Late Piara Singh Bagga R/O 31/20 East Patel Nagar, New Delhi, Karta of HUF. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One and a half storeyed house on plot No. 17 in Block E, measuring 322 sq. yds. at Rajouri Garden area of village Bissai Darapu, Delhi State, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Shiv Ram S/o Ram Piara Mal & Vinod Kumar  
S/o Shiv Ram R/o 259, Bhondu Mal Ka Ahata  
Rly Road, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Saida Khatoon W/o Mohd. Abid  
R/o 1202 Baradari Nawab Wazir Phatak Habish  
Khan, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE.  
NEW DELHI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRT/1-80/6125. Whereas, I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1351 Ward III situated at Gali Mohd. Zakaria Phatak Habish Khan Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 1351 Ward No. III Gali Mohd. Zakaria, Phatak Habish Khan, Delhi area 43-1/3 sq. yds.

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—276GI/80

Date : 8-9-1980.  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Bishan Dass S/o Jagat Ram, 1186, Naiwala  
Gali No. 6, Karol Bagh, New Delhi  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/I-80/6120 --Whereas I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26 on Road No. 27, Punjabi Bagh situated at Bassai Darapuri Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property No. 26 on Road No 27 Punjabi Bagh, Bassai Darapuri Delhi State, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
Delhi/New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980.

C. J. L.

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Madan Lal Hakim S/o Pt. Barkat Ram &amp; Smt. Lajya Wanti W/o Madan Lal Hakim R/o B-3/412, Paschimpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh S/o Wazir Chand J-144, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. 1AC/Acq-II/SRII/80/6117.—Whereas, I,  
Miss R. K. CHAHAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. J/113, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House on plot No. J/113, measuring 311.1 sq. yds. situated at Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Property No. J/131  
South : Road  
East : Property No. J/112.  
West : Property No. J/114

**MISS R. K. CHAHAL,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980.  
Seal

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Shri Mula Mal S/o Sh. Bua Dass,  
R/o G-20/3A, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chander & Satya Bhushan, sons of  
Devki Nandan R/o E-3, Rattan Park, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, L. P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6119.—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No G-20/2A, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

A house built on a free hold plot of land bearing plot No. 2A in Block G-20, (G-20/2A) measuring 140 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi bounded as under :—

North : House on plot No G-20/I-A  
South : House on plot No G-20/3-A  
East : Service Lane.  
West : Service Lane.

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980.  
Seal :

FORM NO ITNS — — —

(1) Shri Rani Rattan Singh S/o Late S Atma Singh  
Nimdhari of D-35, Rana Pratap Bagh Delhi  
(Transferor)

(2) Shri Ram Nath Batra S/o Panju Ram,  
A 47, Phase III Ashok Vihar, Delhi  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,  
H BLOCK VIKAS BHAVAN I P ESTATE  
NLW DFI HI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC Asq II/SR.I, 180/6107 —Whereas I, Miss R K CHAHAL, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No No D 12, situated at Rani Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 4th January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is more said exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No D-12, Rana Pratap Bagh Delhi village Sad-har Kalan Delhi bounded as under —

North Road 30 ft  
South Wall of Veer Jum Colony  
East Proposed lawn  
West Plot No D 13

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

MISS R K CHAHAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980  
Seal

## FORM NO I I NS

(1) Smt Suraj Bai W/o Rattan Lal Jain  
1040 Mahwara Nal Sarak, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Radha Bai W/o Dwaika Dass,  
3/67, Roop Nagar, Delhi.

(Transeree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I P ESTATE,  
NEW DELHI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq-II/SRI/1-80/6132 — Whereas I, Miss R K CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No XII/6514, D-2 situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One Flat on the first floor, front side of the property No XII/6514 plot No D-32, situated in Kamla Nagar, Delhi

MISS R K CHAHAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980

Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II.  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/I-80/6142—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9697 and 9698 situated at Gali Neem Wali, Nawabganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal S/o Trilok Chand R/o 9694 Gali Neemwali Nawab Ganj Delhi (2) Surender Nath S/o Nand Lal R/o 81, Gujranwala Town Part II, G. T. Karnal Road, Delhi (3) Jngal Kushore S/o Nand Lal 170, Gujranwala town, G.T. Karnal Road, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Parsad S/o Ram Nath R/o 6177, Kucha Shiv Mandir Gali Batashaw Khari Bawri, Delhi-6.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shops No. 9697-9698 Gali Neem Wali, Nawab Ganj, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
Delhi/New Delhi.

Date 8-9-1980.  
Seal -

FORM NO. ITNS. —

(1) Shri Mohan Singh S/o Labh Singh  
R/o M-35, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anita Rani W/o Arvinder Pal Singh Dugal  
R/o 13-A/21, W.F.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I P ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6160.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H/90-A, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

2½ storied building on plot No. 90-A block H mg. 200 sq. yds. situated at Kirti Nagar area of village Bassai Deapur, Delhi State, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6170.—Whereas I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XII/9120 situated at Nawab Ganj, Azad Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Krishan Lal S/o Wasanda Ram, 9119-20, Nawabganj, Delhi himself & general attorney of Bhagwan Dass and Sant Lal S/o Wasanda Ram.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Rani Wd/o Ram Saran Bhatia, R/o XII/9120 (G.F.) Nawabganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act. 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Only ground floor bearing property No. XII/9120 at Nawabganj, Azad Market, Delhi on land measuring 132 sq. yds.

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
25—276GI/80

Date : 8-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6174.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/3rd of XI/3630 situated at Sarak Nagaar Khana, Pataudi House, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Piem Kaur W/o Late Bakhshi Gurcharan Singh.
  - (2) Bakshi Alamgir Singh S/o Late Bakhshi Gurcharan Singh.
  - (3) Bakhshi Diri Rang Singh.
  - (4) Shri Bakshi Jagtar Singh S/o Late Bakshi Gurcharan Singh all resident of Lal Kothi, Darya Ganj, Delhi.
  - (5) Smt. Amar Kaur W/o Ch. Barkat Singh, Advocate, R/o Chowk Farid, Amritsar.
  - (6) Shri Bakhshi Aftab Singh S/o Late Shri Bakhshi Gurcharan Singh, Distt. and Sessions Judge Gurdaspur.
  - (7) Shri Gurpreet Singh S/o Shri Bakhshi Aftab Singh.
  - (8) Master Birender Preet Singh and Master Harinder Singh minor through their father Shri Bakhshi Aftab Singh, District and Sessions Judge, Gurdaspur (Punjab).
- (Transferors)
2. (1) S. Sadhu Singh S/o S. Bhagat Singh, R/o E-153, Aakat, New Delhi-17.
  - (2) Shri Isher Singh S/o S. Kirpal Singh, R/o 265, Sector 15, Faridabad, Haryana.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd portion of Kothi known as Lal Kothi bearing Municipal Number XI/3830, Sarak Nagaar Khana, Pataudi House, Daryaganj, Delhi bounded as under :—

North : Nagaar Khana Road  
 South : David Street  
 East : Building known as Hanging Bridge (Bhandari Homeopaths)  
 West : Remaining 1/3rd of Kothi and beyond that Public Lane,

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Lakh Ram S/o Shri Abhey Ram R/o Vill.  
Nangli Poona, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. K. K. Rubber Co. (India) P. Ltd., Samepur,  
Badli, Delhi-42.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-JI/1-80/3045.—Whereas, I,  
MISS R. K. CHAHAL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Agrl. land 18 biswas 6 biswani and 4 bigha 2 biswas  
situated in Village Nangli Poona, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at Delhi on January 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Khasra No. 20/7 (18 biswas 6 biswani)  
and Khasra No. 20/6 (4 bigha 2 biswas) at Village Nangli  
Poona, Delhi.MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 8-9-1980

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,**

**H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-II/1-80/3060.—Whereas, I,

MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-1/49, situated at Pankha Road Residential Scheme Janakpuri New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chitanya Kumar Rampal S/o Hans Raj Rampal R/o A-1/49, Pankha Road Res. Scheme Janakpuri New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar and Shri Umesh Kumar s/o Shri Shadi Lal Sahni R/o B-4/8, Rajouri Garden New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Double storey building built on lease hold plot No. 49 in Block A-1 measuring 126 sq meters in Pankha Road Residential Scheme Janakpuri New Delhi.

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Harinder Singh S/o Shri Kartar Singh, B-70,  
Fateh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kulraj Kaur W/o Shri Gurbax Singh of 6444-  
41, Baghchi Ishwari Parshad, Bara Hindu Rao,  
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3073.—Whereas, I,  
MISS R. K. CHAHAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act)  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. B-70, situated at Fateh Nagar, Mohalla Gurunanakpura  
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on 22-1-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
**may be made in writing to the undersigned**—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. B-70, Fateh Nagar, New  
Delhi measuring 200 sq. yds., bounded as under :—

North : Road 15' wide  
South : Road 25' wide  
West : Built up House on plot No. 69.  
East : Built up house on plot No. 71.

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Maj K C Anand S/o Shri Chanan Dass  
Anand D-210, Malviya Nagar Extension New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt Chandni Kanta W/o P C Chaudhry C/o  
K C Puri 55/1, Old Rajinder Nagar New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BI OCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC/ACQ II/SR II/1 80/3081—Whereas, I, MISS R K CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No C-75 Inderpuri New Delhi situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One piece of land (Freehold) measuring 500 sq. yds. bearing plot No C-75, situated in Inderpuri Colony New Delhi bounded as under —

East	Plot No C 74
West	House on plot No C 76
North	Lane
South	Road

MISS R K CHAHAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Aquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date 8-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Shri S. Nirmal Singh S/o S. Ganga Singh of Kapashera New Delhi  
(Transferor)
- (2) Shri Sunder Mohan Arora S/o Moti Ram Arora 20/44, Punjabi Bagh New Delhi  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-JI,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3082—Whereas, I, MISS R K CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 20/44, situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A single storied building bearing No 20 on road No 44 situated at Punjabi Bagh New Delhi measuring 277 80 sq yds

MISS R K CHAHAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE-JI  
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3083.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-208, situated at Hari Nagar Clock Tower New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohinder Nath S/o Shri Sadhu Ram Nayyar R/o 7/7 Railway Qrs. Kishan Ganj Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kesar Singh S/o Shri Santa Singh R/o H. No. 16/139, Gali No. 2, Tank Road Karol Bagh New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

plot No. 208 Block A measuring 220 sq. yds. situated at Hari Nagar Clock Tower New Delhi.

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Shri Sohan Singh and Shri Charan Dass ss/o  
Shri Hazari Mal 83, Punjabi Bagh New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal S/o Shri Dhirt Ram W-124,  
Greater Kailash New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3084.—Whereas, I

MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 53-B/2 (Part) situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of Property built on plot No. 2 Road No. 53-B situated at Punjabi Bagh area of Village Madipur Delhi State Delhi.

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—276GI/80

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6115.—Whereas, J.  
MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. K-4/20 situated at Model Town Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Sunil Kumar Aggarwal S/o Shri Inderjit Aggar-  
wal B-49, Gujranwala Town I, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Surjit Malhotra,  
Smt. Monini Malhotra and  
Smt. Usha Malhotra,  
R/o K-4, Model Town Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Freehold plot of land bearing Plot No. 20 in Block K-4,  
measuring 482.17 sq. yds. situated in the colony known as  
Model Town area of village Malikpur Chhaoni Delhi State  
Delhi bounded as under :—

North : Plot No. K-4/21.  
South : Plot No. K-4/19.  
East : Road.  
West : Plot No. K-4/17.

**MISS R. K. CHAHAL**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II

Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269C of the said Act, to the following

## FORM ITNS

- (1) Shri Gurcharan Singh S/o Shri Phoola Singh,  
5560 Gali No. 4, Chandrawal Road, Subzi Mandi  
Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi W/o Shri Tulsi Ram Gupta,  
No. 2657, Basti Punjabi Subzi Mandi Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II,**

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6146.—Whereas, I,  
MISS R. K. CHAHAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1/5-B, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

½ share of the property No. D-1/5, (known as D-1/5B) situated in the area of village Sadhora Kalan in Mahaldar Garden Delhi Abadi of Rana Pratap Bagh Delhi bounded as under :—

North : Road  
South : Property of Smt. Leela Wati  
East : Property No. DO/6  
West : Portion of Plot No. D-1/5.

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
DELHI/NEW DELHI

Date : 3-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,  
 VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
 NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 3rd September 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/1-80/6147.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-1/5A, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gurcharan Singh  
 S/o Shri Phool Singh  
 No. 5560 Gali No. 4,  
 New Chandrawal Subzi Mandi, Delhi.  
 (Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi  
 W/o Shri Gauri Shankar Jindal  
 2657, Basti Punjabian Subzi Mandi,  
 Delhi.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Freehold property No. D-1/5A, Village Sadhora Kalan in Mahalda Garden Abadi Rana Pratap Bagh Delhi measuring 148 sq. yds. bounded as under :—

East : Part of Plot No. DI/5  
 West : Property No. D-1/4  
 North : Road 30 ft.  
 South : Property of Leela Wati.

MISS R. K. CHAHAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II,  
 Delhi/New Delhi

Date : 3-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,  
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/1-80/6155.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of 9062 situated at Ram Bagh Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Britannia Industries Ltd., through Shri P. C. Khanna Director, 15-Taratola Road, Calcutta-700 053.

(Transferor)

(2) Shri Sanwal Ram Gupta  
S/o Shri Hardwari Lal  
R/o B-2/17, Ashok Vihar Phase-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. 9062, Ram Bagh Road, Delhi measuring 2151.50 sq. meters.

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,  
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. I AC/Acq-II/SRI/1-80/615.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of 9062 situated at Ram Bagh Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Britannia Industries Ltd., through Shri P. C. Khanna Director, 15-Taratola Road, Calcutta-700 053.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Gupta H-22, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. 9062, Ram Bagh Road, Delhi measuring 2151. sq. meters

MISS R. K. CHAHAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Amrik Singh  
S/o Shri Hazoor Singh  
R/o 72-B, C.C. Colony,  
Opp. Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chanderkala  
W/o Shri Uma Shanker  
79D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,  
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 6th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6159.—Whereas, I,  
(Miss) R. K. CHAHAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. B-72, situated at C. C. Colony, Rana Partap Bagh, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on January 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Single storeyed house built on plot measuring 84 sq. yds.  
bearing No. 72-B, C.C. Colony, Opp. Rana Partap Bagh,  
Delhi.

(Miss) R. K. CHAHAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK,  
VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/892.—Whereas, I,  
**R. B. L. AGGARWAL,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land mg. 5 bigha situated at village Khanpur Deoli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sudershan Johar  
W/o Brig. I. J. S. Johar,  
Ravinder Pal Singh Johar  
S/o Brig. I. J. S. Johar &  
Shrimati Rohini Johar  
D/o Brig. I. J. S. Johar,  
C-105, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gulshan Kaur  
D/o Gian Singh  
W/o Amarjit Singh  
R/o R-211, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 5 bighas comprising part of Khasra No. 594 area 3 bigha 18 biswas Khasra No. 601 area 1 bigha 2 biswas in village Khanpur Deoli, New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Smt. Sudershan Johar  
 W/o Brig. I. J. S. Johar,  
 Ravinder Pal Singh Johar  
 S/o Brig. I. J. S. Johar and  
 Shrimati Rohini Johar  
 D/o Brig. I. J. S. Johar,  
 R/o C-105, Defence Colony, New Delhi,  
 (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK,  
 VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
 NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/891.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 5 bigha situated in village Khanpur Dewli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Parkash Kaur  
 D/o Mani Singh  
 W/o Jai Singh,  
 R-211, Greater Kailash-I, New Delhi.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bigha comprising part of Khasra No. 601 area 3 bigha 14 biswas Khasra No. 602 area 1 bigha 6 biswas in village Khanpur Dewli, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—276GI/80

Date : 10-9-1980  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK,  
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRJII/1-80/889.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 19 bigha 19 biswas situated in village Khanpur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sudershan Johar  
W/o Brig. I. J. S. Johar,  
Ravinder Pal Singh Johar  
S/o Brig. I. J. S. Johar and  
Shrimati Rohini Johar  
D/o Brig. I. J. S. Johar,  
R/o C-105, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Jinder Kaur  
D/o Avtar Singh  
R/o R-211, Greater Kailash, New Delhi,  
S. Man Mohan Singh,  
R-211, Greater Kailash-I New Delhi and  
Dharambir Singh  
S/o Narain Singh  
E-141, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bigha 19 biswa in village Khanpur Dewli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Satya Dev, E-104, Greater Kailash I, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh Nag U-170, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NFW DELHI-110002

New Delhi 110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/899.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-170, situated at Kalkaji, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One and a half storeyed building built on leasehold plot bearing No. E-170, measuring 200 sq. yds. situated at Kalkaji New Delhi bounded as under :—

East : 30 ft wide lane  
West : Park & Lane  
North : House No. E-171.  
South : House No. E-169.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Raj K. Mehra S/o Shri Sarv Dayal C-189,  
Defence Colony, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Dr. Asha Prakash A-193, Defence Colony, New  
Delhi.  
(Transeree)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002  
New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/886.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-193, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Property bearing House No. A-193, Defence Colony New Delhi together with the plot admeasuring 216.60 sq. yds. underneath and bounded as under :—

East : House No. A-192.  
West : House No. A-194.  
North : Road.  
South : Service Lane.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Asba Mehta K-9, Krishan Nagar Delhi through her General Attorney Shri Deepak Malhotra R/o 4/12, Sarva Priya Vihar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Uppal R/o H-17/5, Malviya Nagar New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SRIII/1 80/875.—Whereas I,  
P. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-264, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 15-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Plot of land bearing No. 264 in Block S measuring 299 sq. yds. situated in the residential colony of Greater Kailash II New Delhi bounded as under :—

North : Plot No. S-262.  
South : Plot No. S-266.  
East : Service Lane.  
West : Road.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Dharam Devi Mehta A-15/2, Vasant Vihar,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Flat No. 23, Jangpura Market, Jang-  
pura Extension, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002  
New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/867.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. I-45, situated at Jangpura, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on 14-1-1980,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Two and a half storeyed building bearing Municipal No. I-45, Jangpura Extension, New Delhi bounded as under :—

East : S. Lane.  
West : Road.  
South : Service Lane.  
North : House No. I-44.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Kishan Kumar Dhar 159/D, Rajpur Road Dehradun (UP).  
(Transferor)

(2) Shri K. Prakash Anand & Mrs. S. Rani both R/o 35/14, East Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE.

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-J/SRJII/1-80/885.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-433, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two and a half storeyed building including one garage and servant quarters on plot No. C/433, Defence Colony, New Delhi bounded as under :—

North : Service Lane.  
South : Road.  
East : Plot No. C-434.  
West : Plot No. C-432.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 10-9-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Nawab S/o Maji R/o Village Hauz Rani, Tehsil Mehrauli, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s G. S Dugal & Co P. Ltd A 12, West End, New Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I P ESTATE,  
NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref No IAC/Acq I/SRIII/1-80/883—Whereas, I, R B L AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agrl land mg 5 bigha 07 biswas situated at Village Hauz Rani Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land Khasia No 407 (2 05) 408 (2-09) 1/24th share-(0-04) and 1/2 share in 423(3 10)-1 15 and full share in 420(3 08) totalling in all 5-07 in the revenue estate of village Hauz Rani Tehsil Mehrauli, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Rita Anand W/o Ved Prakash Anand R/o Nil-74/A, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferor)  
 (2) Shri Gurvinder Singh Khurana R/o E-118, East of Kailash, New Delhi-24. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
 H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
 NEW DELHI-110002  
 New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/854.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-42, situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 42 Block No. S, measuring 300 sq. yds. situated in Greater Kailash II, New Delhi Bounded as under :—

East : Service Lane.

West : Road.

North : Plot No. S-40.

South : Plot No. S-44.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 28—276GI/80

Date : 10-9-1980  
 Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s DLF Builders, 21 22, Narindera Place, Parliament Street, New Delhi  
(Transferor)

(2) The Indure Private Limited W-1, Greater Kailash-I, New Delhi  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I**

H BLOCK, VIKAS BHAVAN I P ESTATE,  
NEW DELHI 110002

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq-I/SRHI/1-80/858 —Whereas I,  
R B L AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No Flat No 1, Second Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No 1, on Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi

R B L AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I**

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th September 1980  
Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-30/857.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Flat No. 6, on Second Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) DLF Builders, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferor)
- (2) The Indure Private Limited, W-1, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, on Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s DLF Builders 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi,  
(Transferor)
- (2) The Indure Private Limited, W-1 Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002  
New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/861.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Basement No. 2, Basement Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Basement No. 2, Basement Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SRIII, 1-30/896.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 17 bigha 18 biswas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ashok Kumar Thaper S/o Prem Nath Thaper & Prem Nath Thaper S/o Kunj Bihari Thaper R/o Ashok Thaper Farm, Chhattarpur, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Amit Lal Sarna S/o Dr. Vidya Prakash Sarna R/o B-4/39, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agrl. land Khasra No. 518 (4-16), 519 (4-16), 520 (4-16), 523/2 (3-12) i.e. 17 bighas 18 biswas with tubewell & fencing in village Satbari Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE  
New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/890.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 5 bigha situated at Village Khanpur Dewli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sudershan Johar W/o Brig. I. J. S. Johar, Ravinder Pal Singh Johar S/o Brig I. J. S. Johar & Rohini Johar D/o Brig. I. J. S. Johar R/o C-105, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferors)

(2) Smt. Hardit Kaur d/o Dharam Singh W/o Narain Singh E-141, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 5 bigha comprising part of Khasra No. 593 area 3 bigha 11 biswas Khasra No. 605 area 1 bigha 9 biswas in village Khanpur Dewli Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 10-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri R. M. Bhandari R-140, Greater Kailash Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rabinder Singh Tandon N-16, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****NEW DELHI**

**ACQUISITION RANGE-I  
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
New Delhi-110002, the 8th September 1980**

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/869.—Whereas, I.

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N-16, situated at Greater Kailash -I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the **fair market** value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

**THE SCHEDULE**

A single storeyed house built on plot No. 16 in Block N measuring 635 sq. yds. situated at Greater Kailash I, New Delhi bounded as under :—

East : Plot No. N-18.

West : Plot No. N-14.

North : Service Lane.

South : Road.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Chandar Dhanda R/o 654/1, Gurdev Nagar  
Pakhowal, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) M/s Diljeet Exports (India) P. Ltd. 5/70, W.E.A.  
Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI**

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/897.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-45, situated at Greater Kailash I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 22-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. B-45 measuring 500 sq. meters situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Sahib Singh S/o Neki R/o Village Deoli,  
Tehsil Mehrauli, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Harvinder Pal Singh S/o Sohan Singh Anand,  
N-3, N.D.S.E. Part I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I**

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/876.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 bigha 9-2/3 biswas (Agrl. land situated at Village  
Deoli, Tehsil Mehrauli, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 16-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land as per details given below in village  
Deoli, Tehsil Mehrauli Dehlhi.

Resolution NO.	Rect. NO.	Khasra No.	Area
18/114	50	Bigha	Biswas
	3	4	15
	4	4	10
	5	5	12
	6	4	16
	7	4	15
	8	4	16
	26	0	05
		28	09

1/3rd share being  
9 bigha 9-2/3 biswas

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

29—276GI/80

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Singh, Constituted attorney of Kartar Singh Village Deoli, Tehsil Mehrauli Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Harvinder Pal Singh Anand N-3, N.D.S.E. Part I, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SRIII/1-80/877.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 9 bigha 9-2/3 biswas situated at Village Deoli, Tehsil, Mehrauli New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land as per details given below in village Deoli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Resolution No.	Rect. No.	Kh. sra No.	Are.	
			Bigha	Biswas
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
			28	09
			1/3rd share being	
			9 bigha 9-2/3 biswas	

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Jeet Singh S/o Neki R/o Village Deoli Tehsil  
Mehrauli Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harvinder Pal Singh S/o Sohan Singh Anand.  
N-3, N.D.S.E.I., New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/878 —Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agrl. land 9 bigha 9-2/3 biswas situated at Village  
Deoli Tehsil Mehrauli, New Delhi,  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
New Delhi on 16-1-1980,  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property,  
and I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

Agricultural land as per details given below in village Deoli  
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Resolution No.	Rect No*	Khasra No.	Area bigha	Area biswas
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
			28	09

1/3rd share being  
9 being 9-2/3 biswas

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 10-9-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE**

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1734.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land mg. 8 bigha 16 biswas situated at Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-1-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balbir Singh, Meharaj Singh & Asha Ram S/o Ram Lal R/o Vill. Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta S/o Nathu Ram, C/o Indo Swiss Time Ltd. Village Dundahera Gurgaon (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agrl. land area 8 bighas and 16 biswas Khasra No. 64 min Mashrik (4-16) 68 min North (4-10) with tubewell situated in Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1980  
Seal :

**FORM ITN3**

(1) Shri Ramji Lal S/o Nathan Singh Village Sultanpur, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta S/o Nathu Ram, C/o Indo Swiss Time Ltd, Village Dundahela, Gurgaon (Haryana).  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1731.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land mg. 9 bigha 18 biswas situated at Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-1-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land area 9 bigha 18 biswas Khasia No. 65 min (4-10) 67 (5-8) village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dr. Kanwar Sain & Smt. Sushila Devi N-126, Panchsheel Park, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Jaodia W/o M. K. Jaodia & Sandeep Kumar Jajodia S/o M. K. Jajodia, B-62, Paschimi Marg Vasant Vihar, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN I.P. ESTATL

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80-/1760.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 17 Steel No. 1 situated at Shantipath Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No 17 Street No. I, Shantipath Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s Desein (New Delhi) P. Ltd. W-1, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE**

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Asq-I/SR-III/I-80/866.—Whereas, I,  
**R. B. L. AGGARWAL**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flats 9 to 11 on First Floor situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flats No. 9 to 11 on First Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL,**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s Desein (New Delhi) P. Ltd., Commercial Complex, Greater Kallash-II, New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I**

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/855.—Whereas, I,

F. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 17 situated at Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kallash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop No. 17, on Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kallash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. DLF Builders,  
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi  
(Transferor)

(2) M/s. Design (New Delhi) Pvt. Ltd.,  
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIJAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/864.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7 & 8, on First Floor situated at Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 and 8 on First Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 8-9-1980  
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—276GI/80

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. DLF Builders,  
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi  
(Transferor)
- (2) M/s. Desein (New Delhi) Pvt. Ltd.,  
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/862.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7 on 2nd Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 on Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 8-9-1980.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,****H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE**

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/863.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Basement No. 1 situated at Basement Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. DLF Builders, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi (Transferor)
- (2) M/s. Desein (New Delhi) Pvt. Ltd., W-1, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Property at Basement No. 1, Basement Floor, Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/180/860.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1A, Second Floor,  
situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DLF Builders,  
21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi  
(Transferor)
- (2) M/s. The Indure Pvt. Ltd.,  
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1A, on second Floor, Commercial Complex,  
Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 8-9-1980.

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) M/s. DLF Builders,  
21-22, Narinder Place, Parliament Street, New Delhi  
(Transferor)
- (2) M/s. The Indure Pvt. Ltd.,  
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/859.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Second Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 3, Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/1-80/1703.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/21B, situated at New Rohtak Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Chandu Lal, 7/21B, New Rohtak Road  
New Delhi-5.  
(Transferor)
- (2) Vaish Coop. Adarsh Bank Ltd.,  
3-Netaji Subhash Marg Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot No. 7 block 21-B situated at New Rohtak Road, New Delhi measuring 315 sq. yds. bounded as under :—

North	Main Rohtak Road
South	Park & Service Lane
East	Plot No. 6
West	Plot No. 8

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

H-Block Vikas Bhawan, I.P. Estate,  
New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Shakuntla Bhandari A-274, New Friends Colony  
New Delhi & Mrs. Kusum Lata Chopra H-4/2,  
Model Town, Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Bharat Consultants P. Ltd  
15/96, Civil Lines Kanpur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1735.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 169 situated at Golf Links, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at New Delhi on January 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this Notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Leasehold land and building thereon situated at 169, Golf  
Links New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 10-9-1980.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Durgesh Mehta W/o Harish Mehta, D-3/20, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

(2) Smt. Sheela Wanti W/o Kimti Lal, 322, Ram Nagar Delhi.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-IV/1-80/1277.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. D-3/20, situated at Krishan Nagar New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
at Delhi on 23-1-1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

One build up house on free hold plot of land No. 20  
measuring 200 sq. yds. in Block D-3, situated in the colony  
known as Krishan Nagar area of village Ghaundli Ilqa  
Shahdara Delhi bounded as under :—

South	Service Lane
North	Road
East	House No. D-3/21,
West	House No. D-3/19.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Asha Rani W/o Subhash Chand  
R/o 067918/1, Kabul Nagar Shahdara Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Jain W/o Ramesh Chand Jain  
2367, Chatta Shahji Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, J. P. ESTATE,  
NFW DELHI-110002.

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/1-80/1285—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 6, situated at Chandrawali Kabul Nagar, Illaqa Shahdara  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the name of the Registering Officer at  
at New Delhi on January 1980  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

31—276GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

A two storeyed house built on a plot of land measuring about  
200 sq. yds. bearing plot No. 6 Khsra No. 1919/26, Khewat  
No. 1734, Khatoni No. 1882 situated in Chandrawali Kabul  
Nagar Illaqa Shahdara Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax.  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 10-9-1980,

Seal :

## Form IINS—

(1) Smt. Jaswant Saini W/o Jagdish Saini,  
R/o Mukerian Distt. Hoshiarpur Punjab.  
(Transferor)

NOTIC. UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. STATE,

NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1761.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I-18 situated at N. D. S. E. Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Raghbir Singh S/o Jodh Singh R/o 674, North Bridge Road Singapore and Smt. Bhakwant Kaur W/o Raghbir Singh L-18, N. D. S. E. Part II New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house bearing No. L-18, built on plot of land measuring 500 sq. yds. situated in the residential colony known as N. D. S. E. Part II New Delhi bounded as under :—

East	Service Road
West	Road
North	Plot No. L/18A
South	Road

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Prem Kumar Sehgal S/o Late Mehar Chand  
Sehgal R/o B-3, Maharani Bagh New Delhi

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,  
New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/1-80/1702.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 18 bigha 4 biswas situated at Village Chhat-  
tarpur New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on 11-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(2) Smt. Renu Narain W/o Amrit Narain Master Tarun  
Seth & Master Varun Seth both sons of Anil Seth  
C/o 1A, Rajhans 33, Prithvi Raj New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 727-min, 728, 729  
and 730 min measuring 18 bigha 4 biswas in village chhat-  
tarpur New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons, namely :—

Date : 10-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1713.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/10272 situated at W. E. A. Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Krishna Wanti Wd/o Mehar Chand 6/51 W.E.A. Karol Bagh and & Motia Devi Wd/o Mehar Chand Saraf 6/51, W. E. A. Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chuni Lal S/o Ram Chand  
(2) Harish Kumar  
(3) Surinder Kumar &  
(4) Rajinder Pal S/o Chuni Lal  
R/o H. No. 4068 Gali No. 36,  
Rehgarpura Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Two and a half storeyed house No. XVI/10272 situated at W. E. A. Karol Bagh New Delhi built on a lease hold rights land measuring 234.22 sq. yds. bearing plot No. 51 Block No. 6 bounded as under :—

North	Built up house on plot No. 52
South	Built up house on plot No. 50
East	Service Lane
West	Road.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-I,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 10-9-1980.

Sal :

## FORM ITNS

(1) 1. Vali Ebrahim Patel 2. Dawood Mohamed Patel  
3. Vali Umeiji Bhurawala.  
(Transferor)

(2) 1. Mrs. Amina Abdulla Musa 2. Mrs. Rashida  
Mohamed Abdulla Musa.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 26th September 1980

Ref. No. AR-1/4356-14/Jan '80.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C S No. 1325 situated at Grant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 15-1-1980 Document No. Bom./2101/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom./2101/79 and registered on 15-1-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 26-9-80  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 11th October 1980

No. F.4/2/80-EI(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, ALZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DLLHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 24th March, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated 11th October, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given. The number of vacancies in the various posts are given below :—

Category I : (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

(i) Geologist (Junior), Group A	107 (Includes 16 vacancies reserved for Scheduled Castes and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
(ii) Assistant Geologist, Group B	40 (Includes 6 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

Category II : (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture).

Assistant Hydrogeologist, Group B	8 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Caste and 1 vacancy for Scheduled Tribe candidates).
-----------------------------------	---

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn a, and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below

once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

*This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1981. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 8th December, 1980 (22nd December, 1980 in the case of candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State from a date prior to 8th December, 1980) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State from a date prior to 8th December, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commission, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of India, origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1980 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 examination his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 8 above provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within a month from the date of announcement of final results of the 1980 Examination.

#### 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE-I

#### INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission. (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (viii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITFMS (ii), (iii), (vii) AND (viii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED BANK draft for the prescribed fee.*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank drafts will also not be accepted.

(i) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age, as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned

that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submit must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 31st July, 1981.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... son/daughter\* of ..... of village/town\* ..... in District/Division\* ..... of the State/Union

Territory\* of ..... belongs to the ..... Caste/Tribe\* which is recognised as a Schedule Caste/Scheduled Tribe\* under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\* as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956\*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967.\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or his/her\* family ordinarily reside(s) in village\*/town ..... of ..... District\*/Division of the State\*/Union Territory of .....

Signature.....

\*\*Designation.....

(with seal of office)

Place..... State\*/Union Territory

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificate;

(i) District Magistrate/Additional /District Magistrate Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5.(i) Persons employed in the Geological Survey of India and Central Ground Water Board claiming age concession under Rule 6(b) should submit a certificate, in original, from Head of their Office/Department in the following form :—

*Form of certificate to be produced by candidates*

"Certified that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... holds a permanent/temporary\* post of ..... in the Geological Survey of India/Central Ground Water Board\* w.e.f. ....

Signature.....

Designation.....

Ministry/Office.....

Office stamp.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vii) or 6(c)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. ....  
Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(viii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), 5(iii) and 5(iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Co-operation), as the case may be.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Geologists' Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examination upto Geologists' Examination held in 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE-II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

##### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

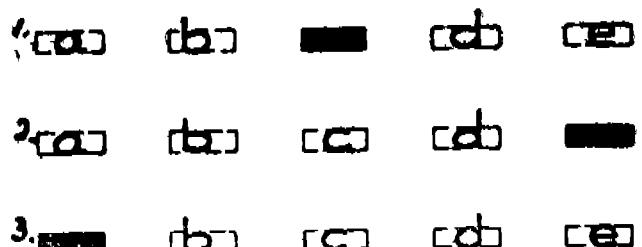
##### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, . . . . . etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

##### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answer marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four Parts. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blacking the rectangles on the answer sheet.



##### IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

##### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink.

You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - (a) the successors of Ashoka were all weak.
  - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
  - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan- era.
2. In a parliamentary form of Government
  - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
  - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
  - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
  - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
  - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
  - (a) facilitate development.
  - (b) prevent disciplinary problems.
  - (c) provide relief from the usual class room work.
  - (d) allow choice in the educational programme.
4. The nearest planet to the Sun is
  - (a) Venus
  - (b) Mars
  - (c) Jupiter
  - (d) Mercury
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
  - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
  - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
  - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
  - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.